नई दिल्ली
रविवार, 19 मई, 2024
वैशाख मास शुक्ल पक्ष, एकादशी वर्ष : 28, अंक : 38
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00
मौसम
अधि. 44
न्यून. 30

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

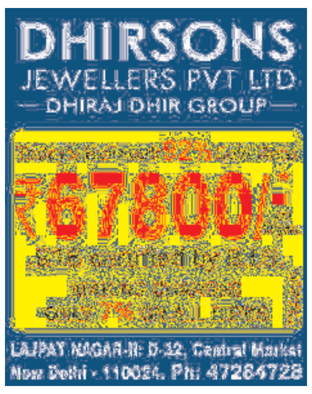

पीएम मोदी ने पूर्वी दिल्ली में विशाल चुनावी जनसभा को किया संबोधित, लोगों से की कमल पर वोट देने की अपील

कांग्रेस-आप पर कसा तंज, दिल्ली-हरियाणा में दोस्ती, पंजाब में कुश्ती, ऐसे कैसे चलेगा?

कांग्रेस की चार पीढ़ियों ने दिल्ली में राज किया लेकिन आज स्थिति यह है कि दिल्ली के अंदर कांग्रेस चार सीट पर लड़ने की ताकत नहीं है। दूसरी ओर 2024 का यह चुनाव उस सोच को भी हराने के लिए है जिसमें वर्षों तक भाई-भतीजावाद, परिवारवाद के चलते भारत के युवाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने से रोकने के लिए है।

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि 2024 का यह चुनाव भारत में गरीब के लिए, मध्यम वर्ग का जीवन आसान बनाने और उनके जीवन में खुशियां लाने के लिए है। 2024 का यह चुनाव गरीब और मध्यम वर्ग को उन ताकतों से बचाने के लिए है जो उनकी संपति छीन लेना चाहते हैं।

2024 का यह चुनाव भारत के युवाओं के लिए नए अवसर बनाने के लिए है चाहे स्पेस हो, सेमीकंडक्टर हो, ग्रीन एनर्जी हो ▶▶ शेष पेज 5 पर

देश को मजबूत बनाने के लिए मजबूत सरकार चाहिए

पीएम मोदी ने कहा कि दिन रात आपके लिए मेहनत कर रहा हूं। देश को मजबूत बनाना है तो मजबूत सरकार चाहिए और मुझे भी मजबूत साथी चाहिए। दिल्ली में भी सभी हमारे उम्मीदवारों को राजधानी का प्रतिनिधित्व करने की जिम्मेदारी आपके आशिर्वाद से मिले इसके लिए हर बूथ में कमल खिलाना होगा। उन्होंने कहा कि जी 20 सम्मेलन के दौरान हम सब ने देखा कि कैसे विश्व के नेता दिल्ली को देखकर चकित थे। आज यहां भारत मंडपम और यशोभूमि जैसे आधुनिक कन्वेशन सेंटर बन रहे हैं, नया संसद भवन हमारा शान बढ़ा रहा है।

भ्रष्टाचार मिटाने के नाम पर राजनीति करने वाले जेल में

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश के अंदर हो रहे इन विकास कार्यों के बीच इंडी गठबंधन दिल्ली को लूटने का कोई मौका नहीं छोड़ा और राजनीति का लगातार पतन करने के जिम्मेदार हैं। करोड़ो देशवासियों का भरोसा तोड़ने के जिम्मेदार हैं। यह लोग भ्रष्टाचार मिटाने के नाम पर राजनीति में आए थे और आज वे सभी हजारों करोड़ के घोटालों में जेल के चक्कर लगा रहे हैं। पहले कांग्रेस वाले शराब घोटाला के पर्दाफाश करने का क्रेडिट लेने के लिए हल्ला करते थे और आज उसी भ्रष्टाचारी को गले लगा लिया।

भाजपा सातों सीटों पर जीत हासिल करेगी

मोदी ने कहा कि दिल्ली में भाजपा पिछले दोनों लोकसभा चुनावों की तरह सातों सीटों पर जीत हासिल करेगी और इंडी गठबंधन की कांग्रेस और आप को करारी हार देगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लाल किले से मैंने कहा था कि यही सही समय है जब 21वीं सदी का भारत तेज विकास के लिए एक लंबी छलांग लगा रहा है। 2024 का यह चुनाव भारत को टॉप तीन इकॉनोमी में लाने का है, यह चुनाव भारत को उन ताकतों से बचाने का भी है जो अपनी आर्थिक नीतियों से भारत को दिवालिया कर देना चाहते हैं। देश के राजधानी को दुनिया में सम्मान मिले और देश की राजधानी दुनिया के लिए आकर्षण का केंद्र बने, इसलिए इस देश को चाहिए, 'फिर एक बार मोदी सरकार'।

शहीदों को सम्मान के लिए 70 साल तक इंतजार करना पड़ा

नेशनल वॉर मेमोरियल की मांग देश के जवान करते थे लेकिन देश का दुर्भाग्य देखिए कि जब तक मोदी नहीं आया तब तक दूसरी सरकारों को देश के वीर जवनों के सम्मान में वॉर मेमोरियल बनाने का महत्व नहीं समझ आया। देश की रक्षा करते हुए 35000 पुलिस के जवान शहीद हुए लेकिन उन्हें अपने सम्मान के लिए 70 सालों तक इंतजार करना पड़ा।

पहले एक परिवार के लिए सब कुछ हुआ

पीएम ने कहा कि एक परिवार के लिए सब कुछ हुआ लेकिन मोदी सरकार ने सभी प्रधानमंत्रियों के लिए म्यूजियम बनवाया और ऐसे कई उदाहरण है जो आधुनिक दिल्ली के दर्शन कराते हैं। 10 साल का सेवाकाल एक ट्रांसफॉर्मेशन का ▶▶ शेष पेज 5 पर

सबके घर का सपना पूरा करना मोदी की गारंटी

पीएम ने कहा कि दिल्ली में पर्यावरण के लिए भारत सरकार ने कई कदम उठाए और इलेक्ट्रॉनिक बसें दी है ताकि दिल्ली के लोगों को सुविधा भी बढ़े और पर्यावरण की भी रक्षा हो सके। आज पूरी दिल्ली में पाइप से सस्ती गैस पहुंचाने का काम तेजी से चल रहा है और मुफ्त राशन देने का काम किया जा रहा है। सबके घर का सपना को पूरा करना भी मोदी की गारंटी है। एक तरफ अनाधिकृत कॉलोनियों को अधिकारिक बनाया जा रहा है और दूसरी तरफ जहां झुग्गी वहां मकान के ▶▶ शेष पेज 5 पर

आतंकी हमला: पूर्व सरपंच की हत्या, दंपती घायल

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में दो जगहों पर आतंकियों ने वारदात को अंजाम दिया है। जम्मू कश्मीर पुलिस ने जानकारी दी है कि आतंकियों ने अनंतनाग और शोपियां में हमला किया है। आतंकियों ने पूर्व सरपंच अजाज अहमद शेख पर नजदीक से गोली चलाई। उन्हें तुरंत उन्नत उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में ले जाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। वहीं दूसरा हमला शोपियां के हीरपोरा में हुआ है जहां आतंकियों ने ऐजाज अहमद नाम के शख्स पर फायरिंग की। घायलों को निकाला गया। वहीं आतंकवादियों ने यन्नार, अनंतनाग में एक महिला फरहा निवासी जयपुर और उसकी पत्नी तबरेज़ को गोली मारकर घायल कर दिया।

लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण का चुनाव कल

तीन केंद्रीय मंत्रियों व एक पूर्व मुख्यमंत्री की साख दांव पर

स्मृति ईरानी | पीयूष गोयल | राजनाथ सिंह | उमर अब्दुला

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में 6 राज्यों एवं 2 केंद्र शासित प्रदेशों की 49 लोकसभा सीटों के लिए कल सोमवार 20 मई को को मतदान होगा।

इस दौर की चुनावी जंग में 82 महिलाओं समेत 695 उम्मीदवारों की सियासी किस्मत का फैसला करने के लिए 8 करोड़ 95 लाख 67 हजार 973 मतदाता वोटिंग करेंगे। इस चरण में तीन केंद्रीय मंत्री, एक पूर्व मुख्यमंत्री तथा करीब आधा दर्जन पूर्व मंत्रियों के अलावा कांग्रेस नेता राहुल गांधी जैसे केई दिग्गज नेताओं की प्रतिष्ठा भी दांव पर होगी। देश में लोकसभा की 543 सीटों के लिए चल रहे इस चुनावी समर के पहले चार चरणों में आधे से भी ज्यादा 380 ▶▶ शेष पेज 5 पर

पूर्व सीएम व केंद्रीय मंत्रियों की अग्नि परीक्षा

लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में यूपी की लखनऊ लोकसभा सीट पर देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह तथा अमेठी सीट से केंद्रीय अल्पसंख्यक तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी की प्रतिष्ठा दांव पर है। वहीं महाराष्ट्र की मुंबई नॉर्थ सीट से केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग, कपड़ा मंत्री के अलावा राज्यसभा में सदन के नेता पीयूष गोयल पहली बार लोकसभा चुनाव में परीक्षा देंगे। वहीं इस चरण में जम्मू कश्मीर की बारामूला लोकसभा सीट से पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेशनल कांफ्रेंस ▶▶ शेष पेज 5 पर

आप का मतलब है 'एंटी औरत पार्टी'

मास्टरमाइंड केजरीवाल, बिभव तो सिर्फ एक मोहरा : पूनावाला

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी ने आरोप लगाया है कि आप का मतलब 'एंटी औरत पार्टी' बन चुका है, राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल पर हमले की वारदात में गिरफ्तार बिभव केवल एक मोहरा है, असली मास्टरमाइंड केजरीवाल है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने शनिवार को केंद्रीय कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में आम आदमी पार्टी के नेता आतिशी मर्लेना द्वारा ▶▶ शेष पेज 5 पर

स्वाति मालीवाल से मारपीट के मामले में बिभव कुमार गिरफ्तार

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से मारपीट के मामले में आरोपी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पीए बिभव कुमार को दिल्ली पुलिस ने शनिवार को अरेस्ट कर लिया। उन्हें मुख्यमंत्री आवास से ही हिरासत में लिया था। इसके बाद उन्हें सिविल लाइंस थाने ले जाया गया, जहां कुछ घंटों की पूछताछ के बाद गिरफ्तारी की गई। इस बीच कुमार की ओर से उनके वकील ने तीस हजारी कोर्ट में अंतरिम जमानत की अर्जी लगायी, लेकिन कोर्ट से उन्हें राहत देने से इंकार कर दिया। इस पूरे घटनाक्रम ▶▶ शेष पेज 5 पर ▶▶ पढ़ें पेज 03 भी

श्रद्धालुओं से भरी बस में लगी आग, 9 की मौत, 24 झुलसे

एजेंसी ▶▶ नूंह

हरियाणा के नूंह में टूरिस्ट बस में आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। यह हादसा कुंडली मानेसर पलवल एक्सप्रेसवे पर हुआ। बस में करीब 60 लोग सवार थे, जिसमें से 9 लोगों की मौत हो गई और 24 लोग घायल हो गए। मृतकों में 6 महिला और 3 पुरुष हैं। हादसा शुक्रवार शनिवार देर रात करीब 01:30 बजे हुआ। बता दें कि बस में सवार ज्यादातर लोग धार्मिक स्थलों के ▶▶ शेष पेज 5 पर

आंध्र प्रदेश में सड़क हादसा, 6 की मौत

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले में बड़ा सड़क हादसा हो गया। हादसे में एक दूल्हे समेत छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मृतकों में दो नाबालिग बच्चे भी है। सभी मृतक रिश्तेदार थे। दूल्हे का नाम फिरोज बाशा था, जो 30 साल का है। गुंतकल्लू के उप-विभागीय ▶▶ शेष पेज 5 पर

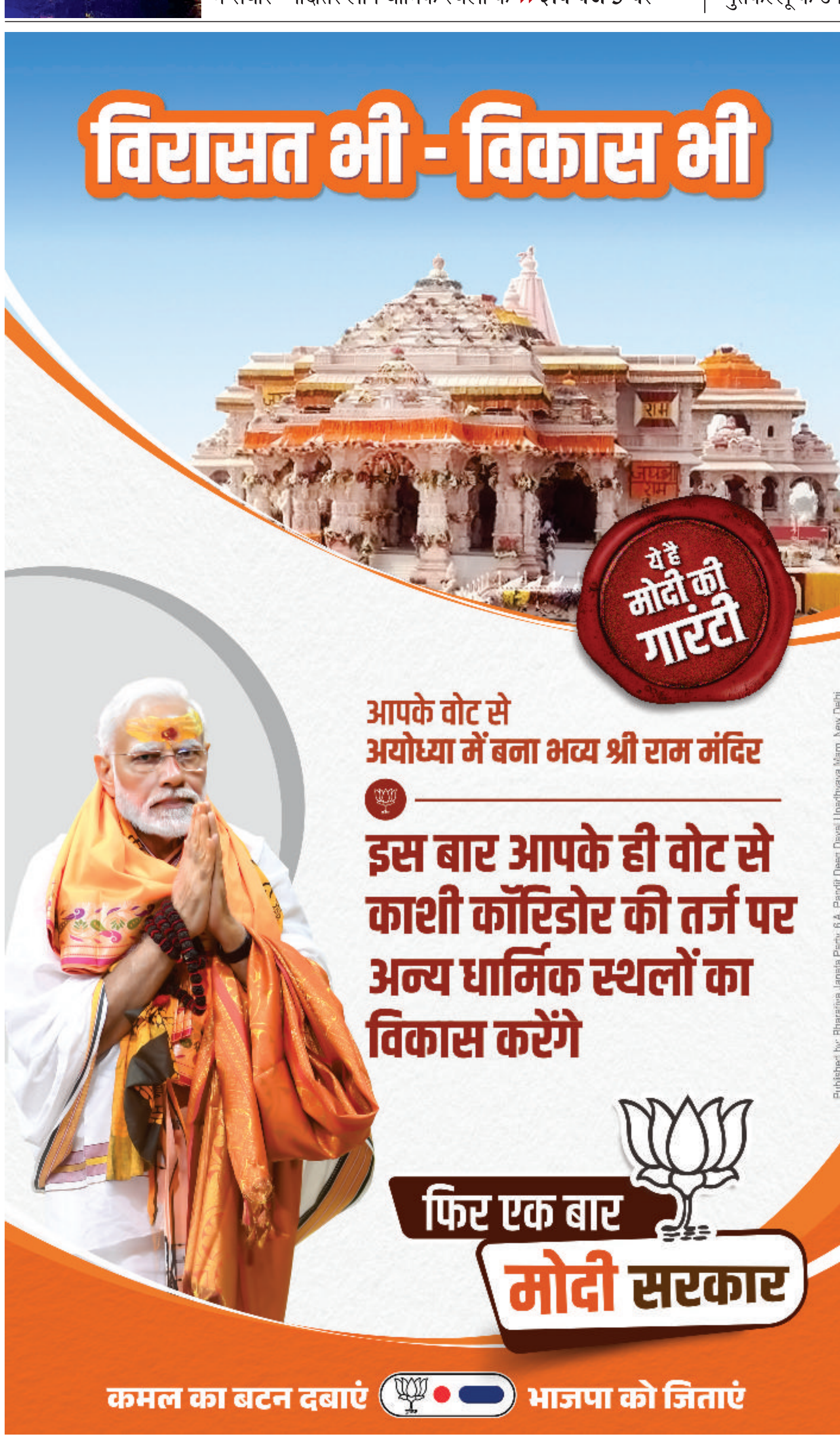

छग में 5 लोगों की हत्या, फिर खुद फंदे से लटक गया हत्यारा

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के सारंगढ़ जिले के एक घर में एक ही परिवार के 5 लोगों की खून से सनी लाश मिली है। वहीं एक लाश फांसी के फंदे पर लटकी मिली। मामला सलीहा थाना इलाके के थरगांव का है। जहां शनिवार को घर के अलग-अलग कमरे में एक मासूम बच्चा, 3 महिला और एक पुरुष की खून से लथपथ लाश मिली। जानकारी के मुताबिक, वारदात को शुक्रवार की रात को अंजाम दिया गया है। मौके पर हथौड़ा ▶▶ शेष पेज 5 पर

बैंकिंग उद्योग दिग्गज वाघुल का निधन

मुंबई। दिग्गज बैंकर एन वाघुल का स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं के कारण शनिवार दोपहर को निधन हो गया। वह 88 वर्ष के थे। वाघुल ने बैंकिंग उद्योग में कई शीर्ष पदों पर काम किया। उन्हें आईसीआईसीआई को एक सार्वजनिक वित्त संस्थान से एक निजी क्षेत्र के बैंक में बदलने का श्रेय दिया जाता है। वह 1985 से 11 वर्षों तक आईसीआईसीआई के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक रहे।

नीट एग्जाम सोल्वर रैकेट में शामिल दो एमबीबीएस छात्रों समेत चार गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

स्पेशल स्टाफ ने नीट एग्जाम सॉल्वर गैंग का पर्दाफाश किया है। इस सिलसिले में दो एमबीबीएस छात्रों समेत चार लोगों को अरेस्ट किया गया है। इनके चार मोबाइल फोन औ र एक कार भी जब्त की गई है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि पेपर क्लीयर होने पर आरोपी एक छात्र से 25 से 30 लाख रुपए तक वसूलते थे। मामले में पुलिस की जांच अभी जारी है।

डीसीपी नई दिल्ली जिला देवेश कुमार महला ने बताया कि पांच मई को नीट का एग्जाम था। इस परीक्षा का एक केंद्र भारतीय विद्या भवन, मेहता विद्यालय में बनाया गया था। यहीं से पुलिस को सूचना मिली थी कि दो कैंडिडेट की बायोमेट्रिक मैच नहीं हो पाई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों को पकड़ लिया। इनसे मिले एडमिट कार्ड पर लगी फोटो उनसे मिलती जुलती थी, लेकिन आधार कार्ड से जो बायोमीट्रिक वेरीफिकेशन

करवायी गई, उसमें उनके फिंगर प्रिंट मैच नहीं हो पाए। इस बाबत पुलिस ने तिलक मार्ग थाने में धोखाधड़ी संबंधी धाराओं के तहत केस दर्ज कर आरोपी सुमित मंदोलिया और कृष्ण केसरवानी को अरेस्ट कर लिया। दोनों एमबीबीएस के छात्र हैं। मामले की गंभीरता को देख इस केस की जांच में स्पेशल स्टाफ को भी शामिल किया गया। दोनों आरोपियों से पूछताछ और टैक्नीकल सर्विलांस की मदद से प्रभात कुमार और किशोर लाल को नोएडा के एक होटल से पकड़ा गया। प्रभात कुमार पटना से है। वह एक कोचिंग सेंटर चलाता था। आरोपी सुमित मंडोलिया जयपुर राजस्थान से है। वह पश्चिम बंगाल के एक मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस सेकेंड ईयर का छात्र है। जबकि कृष्ण केसरवानी यूपी के प्रयागराज का रहने वाला है। वह उत्तराखंड के एक मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस प्रथम वर्ष का छात्र है। दोनों आरोपी सॉल्वर गैंग का हिस्सा हैं, जो किसी दूसरे के स्थान पर परीक्षा में बैठते थे। आरोपी किशोर और प्रभात एग्जाम से पहले ऐसे उम्मीदवारों को ढूंढते थे, जो अपनी जगह किसी दूसरे को परीक्षा में बिठाकर नीट एग्जाम पास करना चाहता था। प्रभात अपने परिचित से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) वाली फोटो तैयार करवाता था। ये फोटो असली उम्मीदवार और सॉल्वर की फोटो को मिलाकर तैयार की जाती थी, ताकि फोटो दोनों की शक्ल से मैच करती हुई बन सके। किशोर लाल जोधपुर का रहने वाला है। वह मेडिकल स्कूल एडमिशन कंसलटेंट के तौर पर काम करता था।

एक्सपायर सामान को रिलेबलिंग कर बेचने वाला दबोचा

क्राइम ब्रांच की कार्रवाई, पैकेट पर तारीख बदलने के लिए लगा रखी थी प्रिंटिंग मशीन

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच ने एक्सपायर हो चुके खाद्य पदार्थो और कॉस्मेटिक सामान को रिलेबलिंग कर बेचने वाले एक गैंग का खुलासा किया है। मामले में एक शख्स को अरेस्ट किया गया है। इसने सराय रोहिल्ला इलाके में इस काम के लिए बाकायदा प्रिंटिंग मशीनें लगायी हुई थी। इसमें बड़ी और नामी कंपनियों के सामान के मैन्युफैक्चरिंग डेट के लेबल प्रिंट करके एक्सपायर हो चुके सामान पर लगा कर उन्हें दिल्ली एनसीआर में दोबारा मार्केट में बेचा जाता था। डीसीपी राकेश पावरिया के

अनुसार आरोपी का नाम अश्वनी कोहली (58) है। वह अंबाला, हरियाणा का रहने वाला है। इसने सराय रोहिल्ला इलाके में प्रिंटिंग यूनिट के साथ साथ गोदाम भी बनाया हुआ था। इसने नगलीपूना, स्वरूप नगर, सुभद्रा कॉलोनी, शास्त्री नगर में भी गोदाम बनाए हुए थे। जिसके बाद पुलिस टीम ने वहां पर भी रेड की और बड़ी मात्रा में हॉर्लिक्स, बोर्नवीटा, कॉम्प्लान, ग्लूकोन-डी, डाबर हनी जैसी खाद्य सामग्री बरामद की। इन सभी की एक्सपायरी डेट निकल चुकी थी। आरोपी इन सभी उत्पादों को नई पैकिंग में भरकर बाजार में बेचने की फिराक में था। इन खाद्य पदार्थों के अलावा पुलिस ने बड़ी मात्रा में कॉस्मेटिक सामग्री भी बरामद की, जिसमें बॉडी स्प्रे, क्रीम, लिप बाम, शैंपू, तेल आदि बरामद किए है। बरामद सामान की अनुमानित कीमत लगभग 40 लाख रुपए आंकी गई है। आरोपी ने पूछताछ में खुलासा किया कि वह पुणे और भिवंडी के कबाड़ियों से सारा सामान लेकर आता था। साल 2021 में उसकी मुलाकात कमल आनंद से हुई, जो एक्सपायर हो चुके खाद्य सामान को दोबारा से पैक करके बाजार में बेचता था। अश्वनी पर काफी कर्ज था, इसलिए उसने इस काम में मुनाफा देखा और वह इस धंधे में उतर आया। इसके बाद उसने सराय रोहिल्ला में एक प्रिंटिंग यूनिट लगायी, जिसमें एक्सपायर सामान की नई मैन्युफैक्चरिंग डेट वाली पैकिंग प्रिंट करने लगा।

खबर संक्षेप

अभिनेता गुरुचरण सिंह 24 दिन बाद घर लौटे

नई दिल्ली। टीवी धारावाहिक 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में रोशन सिंह सोढ़ी का किरदार निभाने वाले लापता अभिनेता गुरुचरण सिंह 24 दिन के बाद शुक्रवार को अपने घर लौट आए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक

अधिकारी ने बताया कि सिंह आध्यात्मिक यात्रा पर गए थे और इस दौरान वह पंजाब के कई गुरुद्वारों एवं धार्मिक स्थलों में गए। अधिकारी ने बताया कि वह शुक्रवार सुबह घर लौट आए। उन्होंने कहा कि उनका बयान मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज कराया गया है और वह ठीक हैं। अभिनेता (51) को 22 अप्रैल की शाम को यहां से मुंबई के लिए उड़ान भरनी थी, लेकिन वह अपने गंतव्य तक नहीं पहुंचे। पालम इलाके में रहने वाले उनके पिता ने उनसे फोन पर संपर्क नहीं होने के बाद स्थानीय पुलिस को सूचित किया था। पुलिस ने इस मामले में अपहरण की प्राथमिकी दर्ज की थी।

युवक की आत्महत्या केस में दो महिलाएं गिरफ्तार

नोएडा। उत्तर प्रदेश में गौतम बुद्ध नगर जिले के चिपियाना बुजुर्ग पुलिस चौकी में बृहस्पतिवार को हिरासत के दौरान युवक योगेश कुमार की कथित आत्महत्या मामले में दो महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त जोन (द्वितीय) सुनीति ने बताया कि मृतक योगेश के भाई धर्मवीर ने अपने भाई (योगेश) के साथ एक फैक्ट्री में काम करने वाली दो महिलाओं के खिलाफ बृहस्पतिवार रात शिकायत दर्ज कराई थी जिसके बाद दोनों महिलाओं को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि महिलाओं को शुक्रवार को अदालत में पेश किया गया, जहां उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि धर्मवीर ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि योगेश के साथ फैक्ट्री में काम करने वाली दो महिलाओं ने उस पर यौन शोषण के आरोप लगाए थे जो झूठे थे और इस मामले में दोनों पक्षों में समझौता हो गया था। यह लगभग डेढ़ माह पहले की बात है। धर्मवीर ने अपनी शिकायत में कहा कि समझौता होने के बाद महिलाओं ने उसके भाई के खिलाफ फिर शिकायत कर दी और इस संबंध में पूछताछ के लिए योगेश को पुलिस चौकी बुलाया गया था।

अब तक कुल 2956 मतदाताओं ने घर बैठे अपने मताधिकार का किया प्रयोग

मनमोहन सिंह और आडवाणी ने घर से मतदान किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

पूर्व उपराष्ट्रपति, मोहम्मद हामिद अंसारी, पूर्व प्रधानमंत्री, डॉ. मनमोहन सिंह, गुरशरण कौर, पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी और पूर्व केंद्रीय मंत्री, डॉ. मुरली मनोहर जोशी ने नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र से घर से मतदान किया।

दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय से शनिवार को मिली जानकारी के अनुसार सीईओ कार्यालय ने बुजुर्ग मतदाताओं और दिव्यांगों के लिए घरेलू मतदान सुविधा के दूसरे दिन के सफल समापन की घोषणा की। दूसरे दिन कुल 1409 मतदाताओं ने दिल्ली के सभी 7 संसदीय क्षेत्रों में अपने घरों से मतदान किया। पश्चिमी दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र में घरेलू वोटों की संख्या सबसे अधिक दर्ज की गई, जिसमें 348 मतदाताओं ने भाग

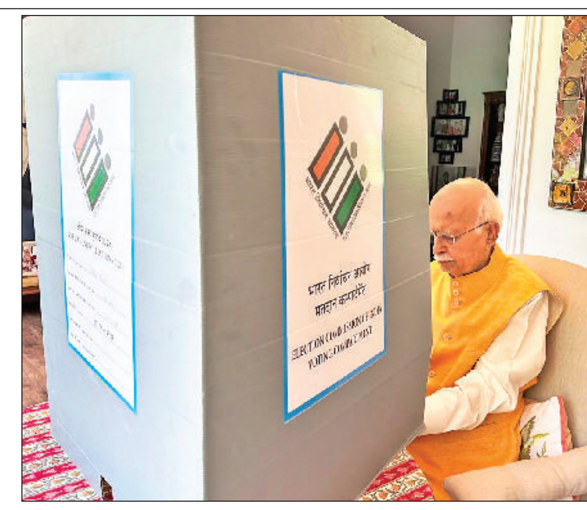

लिया। उनमें से, 299 बुजुर्ग व्यक्ति थे, जिन्होंने इस संसदीय क्षेत्र में मतदान प्रक्रिया में उत्साह से भागीदारी की। दूसरे दिन की समाप्ति तक कुल 2956 मतदाताओं ने घर बैठे अपने मताधिकार का प्रयोग किया।बता दें कि घर पर मतदान प्रक्रिया के पहले दिन 1,482 मतदाताओं ने घर से अपने मताधिकार का प्रयोग किया। पश्चिमी दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र पहले दिन 406 घरेलू वोटों के साथ आगे रहा, जिनमें 338 बुजुर्ग मतदाता भी शामिल थे। सीईओ कार्यालय के अनुसार पहले दिन घर से वोट डालने वालों में भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति मोहम्मद हामिद अंसारी भी थे जिन्होंने इस नई पहल के महत्व और स्वीकार्यता पर प्रकाश डाला। दिल्ली के कुल 5406 मतदाताओं, बुजुर्गों और दिव्यांगों ने 2024 के चुनावों में घरेलू मतदान सुविधा का लाभ उठाने के लिए फॉर्म 12-डी भरा है। सीईओ कार्यालय ने बताया कि 85 वर्ष और उससे अधिक आयु के मतदाताओं के साथ-साथ दिव्यांग मतदाताओं को समायोजित करने के लिए डिजाइन की गई घरेलू मतदान सुविधा 16 मई को शुरू हुई और 24 मई तक उपलब्ध रहेगी। यह पहल सुनिश्चित करती है कि ये मतदाता बिना मतदान केंद्र जाए आसानी के साथ चुनावी प्रक्रिया में भाग ले सकें। गौरतलब है कि दिल्ली में 25 मई को मतदान होगा।

प्रधानमंत्री को पता चल गया कि उनका 'बाय-बाय' होने जा रहा है: राहुल गांधी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को विभिन्न मुद्दों को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा और दावा किया कि प्रधानमंत्री को यह पता चल गया है कि लोकसभा चुनाव में उनका 'बाय-बाय' होने जा रहा है। उन्होंने यहां एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी को सीधी बहस की चुनौती दी और यह भी कहा कि मोदी उनके साथ कभी बहस नहीं कर सकेंगे क्योंकि उनसे अडाणी के रिश्ते, 'अग्निपथ' योजना, चीन के अतिक्रमण, कोरोना संकट के बारे में सवाल किए जाएंगे।

राहुल गांधी ने उम्मीद जताई कि दिल्ली की सभी सात लोकसभा सीट पर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार जीत हासिल करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को तीन सीट पर अपनी पार्टी को वोट देना है और चार सीट पर आम आदमी पार्टी का समर्थन करना है। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं को तीन सीट पर कांग्रेस का (चुनाव

चिह्न वाला) बटन दबाना है और चार पर अपनी पार्टी का बटन दबाना है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता इस चुनाव में एक साथ आए हैं क्योंकि हमारा लक्ष्य संविधान को बचाने का है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी ने सिर्फ 22-25 उद्योगपतियों के लिए काम किया है। राहुल गांधी ने कहा कि मैं छोटे व्यापारियों से पूछना चाहता हूं कि नरेन्द्र मोदी ने 10 साल में आपके लिए क्या किया है? चांदनी चौक दिल्ली के व्यापारियों के लिए क्या काम किया है? उन्होंने कहा कि नोटबंदी से छोटे व्यापारियों का नुकसान हुआ, हजारों कारोबार बंद हो गए तथा गलत ढंग से जीएसटी लागू गई जिसके कारण भी बहुत बड़ा नुकसान हुआ।

'कांग्रेस को बब्बर शेर लोगों की जरूरत'

राहुल गांधी ने अरविंद केजरीवाल और हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि केंद्र सरकार अपने खिलाफ आवाज उठाने वालों को दबाने के लिए जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करती है। उन्होंने हाल ही में कांग्रेस छोड़ने वाले दिल्ली के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली का नाम लिए बगैर कहा कि जो लोग डरपोक हैं, वह चले जाए तो बेहतर है क्योंकि कांग्रेस को बब्बर शेर लोगों की जरूरत है। मंच पर प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव, एआईसीसी कोषाध्यक्ष अजय माकन, प्रदेश प्रभारी दीपक बावरिया, तीनों उम्मीदवार, सुभाष चौपड़ा, अनिल चौधरी, कृष्णा तीरथ, पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम, अलका लांबा, हारून यूसुफ, योगानंद शास्त्री और आप सरकार में मंत्री इमरान हुसैन सहित अन्य मौजूद थे।

इस बार भाजपा के लिए 200 पार के भी पड़ रहे हैं लाले : केजरीवाल

हरिभूमि न्यूज, नई दिल्ली। इस बार भारतीय जनता पार्टी को लोकसभा चुनाव में 200 सीटों के पार के भी लाल पड़ रहे हैं। यह दावा शनिवार को आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार महाबल मिश्रा के समर्थन में दिल्ली के विकासपुरी में एक नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए कही। केजरीवाल ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा वाले बौखलाए हुए हैं। मैं लखनऊ, मुंबई और भिवंडी गया। पूरे देश में भाजपा के खिलाफ नफरत पैदा हो गई है। इस बार भाजपा बुरी तरह हारने वाली है। भाजपा वाले कह रहे थे इस बार 400 पार लेकिन अब तो 200 पार के भी लाले पड़ रहे हैं। 25 मई, भाजपा गई। केजरीवाल ने कहा कि भाजपा वाले आने वालों दिनों में खूब गंध मचाने वाले हैं। रोज कुछ न कुछ मेरे खिलाफ निकालेंगे, हमारे मंत्रियों को जेल में डालेंगे। यह कुछ भी मेरे खिलाफ कर सकते हैं। केजरीवाल ने कहा कि मुझे उम्मीद नहीं थी मैं इतनी जल्दी जेल से बाहर आ जाऊंगा। लेकिन बजरंगबली का आशीर्वाद मेरे

ऊपर है। कुछ तो चमत्कार हुआ और सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल को 20 दिन के लिए छोड़ दिया। जेल में आपकी बहुत याद आती है। लेकिन मैं जेल में सोच रहा था कि मैं छोटा आदमी हूं, मेरी छोटी से पार्टी है। भाजपा ने मुझे जेल क्यों भेजा। इन्होंने मुझे इसलिए जेल में डाला क्योंकि मैंने आपके बच्चों के लिए स्कूल बनाए, मैंने मोहल्ला क्लीनिक बनवाए, दवाईयां फ्री कर दी, सरकारी अस्पताल अच्छे कर दिए। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि भाजपा वालों ने जेल में उन्हें 15 दिन शुगर की दवा नहीं दी। उन्होंने कहा कि वह रोज इंसुलिन इंजेक्शन लेते हैं। लेकिन जेल में 15 दिन तक मुझे इंसुलिन नहीं दिया गया। जिससे मेरा शुगर लेवल बढ़ गया था। वहीं केजरीवाल ने कहा कि इन्होंने मुझे इसलिए जेल भेजा क्योंकि मैं अपनी माताओं और बहनों को एक हजार रुपया देने वाला हूं। यह लोग माताओं और बहनों के 1000 रुपए रोकना चाहते हैं लेकिन बजरंगबली पर भरोसा रखो जब केजरीवाल बाहर आ गया तो एक हजार रुपए भी मिलेंगे। अब यह कह रहे हैं 2 तारीख को केजरीवाल फिर जेल जाएगा। जेल का जवाब जय बजरंगबली। जो लोग मुझे प्यार करते हैं वह झाड़ू का बटन दबा देना और जो लोग मुझे जेल भेजना चाहते हैं वह कमल का बटन दबा देना। केजरीवाल ने कहा कि भाजपा वाले मेरे पीछे पड़े हैं। आज मेरे पीए को भी जेल में डाल दिया। राघव, आतिशी, सौरभ को भी जेल में डालेंगे। यह सभी को एक एक करके जेल में डालेंगे। तो मैं ऐलान किया कि रविवार को अपने सभी सांसदों, विधायकों और नेताओं को लेकर भाजपा मुख्यालय जाऊंगा और एक साथ सभी को जेल में डालने को कहूंगा।

देश को तोड़ने वाले भी लड़ रहे हैं लोकसभा चुनाव : धामी

हरिभूमि न्यूज नई दिल्ली। इस बार कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए ऐसे लोगों को चुनाव में खड़ा कर दिया है जो देश को तोड़ने की बात कर रहे हैं। यह चुनाव दो धाराओं के बीच है, एक तरफ मोदी हैं जो भ्रष्टाचार का खात्मा करना चाहते हैं। वहीं, दूसरी तरफ कांग्रेस, आप और अन्य दलों से बना इंडिया गठबंधन के नेता है, जो कहते हैं मैं सबसे आगे हूं, मेरी पार्टी सबसे आगे है। नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी बांसुरी स्वराज के पक्ष में आयोजित जनसभा में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उक्त संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि दिल्ली का जन-जन कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के भ्रष्टाचारी नेताओं को नकारते हुए विकसित भारत के संकल्प को साकार करने

के लिए तैयार है। नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी बांसुरी स्वराज के पक्ष में आयोजित जनसभा में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जनसभा के दौरान जनता द्वारा मिले अभूतपूर्व स्नेह एवं समर्थन से यह स्पष्ट हो रहा है कि नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री और 'अबकी बार 400 पार' के संकल्प को सिद्ध करने के लिए कमल का बटन अवश्य दबाएंगे।

दिल्ली चुनेगी विकास की तेज रफ्तार

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि दिल्ली चुनेगी विकास की तेज रफ्तार... सिद्ध होगा संकल्प अबकी बार 400 पार। संसदीय क्षेत्र नई दिल्ली से भाजपा प्रत्याशी बांसुरी स्वराज के पक्ष में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने जनता-जनार्दन से भाजपा के पक्ष में मतदान करते हुए बांसुरी को प्रचंड मतों से विजयी बनाने के अपील की। वहीं, उन्होंने कहा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने भ्रष्टाचार के मामले में कांग्रेस को भी पीछे

आईएमडी ने किया पांच दिन तक रेड और येलो अलर्ट जारी

प्रचंड गर्मी ने किया लोगों को घरों में रहने को मजबूर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

लगातार तीसरे दिन शनिवार को दिल्ली में प्रचंड गर्मी ने लोगों को घरों में रहने को मजबूर करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार शनिवार को दिल्ली का औसत अधिकतम तापमान 43.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो इस मौसम के सामान्य से 3 डिग्री ज्यादा दर्ज हुआ। जबकि दिल्ली में कई जगहों पर पारा 46 डिग्री व इससे ऊपर दर्ज हुआ। इस मौसम में यह लगातार दूसरा दिन है जब लू के हालात बने हुए है। आईएमडी ने अगले दो दिनों के लिए रेड अलर्ट और उससे अगले तीन दिन के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। यानी अगले पांच छह दिनों तक दिल्ली में सूरज के लाल तेवरों से राजधानी के लोग भीषण गर्मी और झुलसाने वाली लू की मार झेलने को मजबूर

रहेंगे। आईएमडी ने बताया कि शुक्रवार को दिल्ली के नजफगढ़ में तापमान 47.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जिससे यह देश का सबसे गर्म स्थान बन गया था। आईएमडी के अनुसार उत्तर-पश्चिम भारत में अगले पांच दिन तक भीषण गर्मी जारी रह सकती है। अनुमान है कि दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान व उत्तर प्रदेश में इसका सबसे अधिक प्रभाव पड़ने की आशंका है। आईएमडी ने शनिवार को अगले पांच दिन के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में भीषण गर्मी पड़ने और अगले तीन दिन के दौरान पूर्वी व मध्य क्षेत्रों में लू चलने का अनुमान जताया। मौसम कार्यालय ने दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और पश्चिम राजस्थान के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। जिसमें स्वास्थ्य के लिहाज से संवेदनशील लोगों के लिए अत्यधिक देखभाल की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। कंपनी के अनुसार भारत में आम चुनावों के मद्देनजर विशेषज्ञों ने लंबे समय तक धूप में रहने वाले या भारी काम करने वाले लोगों में गर्मी से संबंधित बीमारियां बढ़ने की चेतावनी दी है। कंपनी ने बताया कि अमेरिका स्थित जलवायु वैज्ञानिकों के एक समूह क्लाइमेट सेंट्रल ने कहा कि भारत में 54 करोड़ 30 लाख लोगों को 18-21 मई के दौरान कम से कम एक दिन अत्यधिक गर्मी महसूस करेंगे।

राजधानी में बिजली की मांग सात हजार मेगावाट के समीप पहुंची

नई दिल्ली। दिल्ली में गर्मियों के इस सीजन बिजली की मांग एक बार फिर उच्चतर स्कोर 7 हजार मेगावाट के बेहद नजदीक पहुंच गई है। स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर दिल्ली (एसएलडीसी) पर दर्ज आंकड़ों के अनुसार बिजली की अधिकतम मांग 6987 मेगावाट दर्ज हुई जो मई के पहले 18 दिनों में अब तक की सबसे अधिक है खपत है। इस बारे में निजी बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस ने अधिकतम मांग के बावजूद अपने आपूर्ति क्षेत्रों निर्बाध जारी रखने का दावा किया है। इस बारे में बीएसईएस प्रवक्ता सी पी कामत ने बताया कि मई 2024 के पहले 18 दिनों में दिल्ली की अधिकतम बिजली की मांग मई 2023 की तुलना में 100 प्रतिशत अधिक है। बावजूद इसके बीएसईएस की पहली इकाई बीआरपीएल आपूर्ति क्षेत्र में 3131 मेगावाट तथा दूसरी इकाई बीवाईपीएल क्षेत्र में 1537 मेगावाट की चरम बिजली मांग को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। कामत ने बताया कि एसएलडीसी के आंकड़ों के अनुसार 17 मई 2024 की रात 23:25 बजे मांग का उच्च आंकड़ा 6987 मेगावाट दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि शनिवार के चलते बड़े पैमाने पर अवकाश होने के बावजूद, दिल्ली की बिजली की अधिकतम मांग दोपहर 3:40 बजे 6898 मेगावाट रही।

हरिद्वार से महरौली लौट रहे बाइक सवार दो युवकों की ट्रक से कुचलकर मौत

कश्मीरी गेट इलाके में देर रात हुआ हादसा, ड्राइवर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

उत्तरी दिल्ली के कश्मीरी गेट इलाके में शुक्रवार देर रात एक ट्रक ने बाइक सवार दो युवकों को कुचल दिया। दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि एक युवक का दिल निकलकर सड़क पर पड़ा था। मृतकों की पहचान पीयूष और अंकुर के तौर पर हुई है। दोनों युवक हरिद्वार से महरौली अपने घर लौट रहे थे। पुलिस ने ट्रक ड्राइवर केहर सिंह (38) को अरेस्ट कर लिया है। पुलिस के मुताबिक रात करीब दो बजे कश्मीरी गेट थाने को इस हादसे की सूचना मिली। पुलिस हनुमान मंदिर फ्लाईओवर रिंग रोड

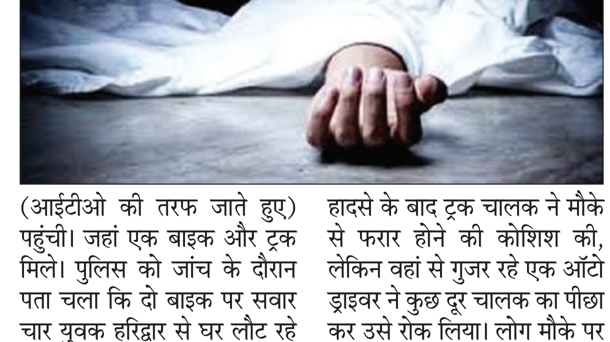

(आईटीओ की तरफ जाते हुए) पहुंची। जहां एक बाइक और ट्रक मिले। पुलिस को जांच के दौरान पता चला कि दो बाइक पर सवार चार युवक हरिद्वार से घर लौट रहे थे। इन्हें महरौली जाना था। जो रात होने की वजह से रास्ता भटक गए। इसी बीच पीछे से आए एक ट्रक ने बाइक को जबरदस्त टक्कर मार दी। हादसे के बाद ट्रक चालक ने मौके से फरार होने की कोशिश की, लेकिन वहां से गुजर रहे एक ऑटो ड्राइवर ने कुछ दूर चालक का पीछा कर उसे रोक लिया। लोग मौके पर जमा हो गए और चालक भाग नहीं सका। इस बीच सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई और ड्राइवर को हिरासत में ले लिया।

मेडिकल रिपोर्ट में कई जगह मिले चोट के निशान

स्वाति मालीवाल से मारपीट के मामले में सीएम हाउस से बिभव कुमार गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से मारपीट के मामले में आरोपी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पीए बिभव कुमार को दिल्ली पुलिस ने शनिवार को अरेस्ट कर लिया। उन्हें मुख्यमंत्री आवास से ही हिरासत में लिया था। इसके बाद उन्हें सिविल लाइंस थाने ले जाया गया, जहां कुछ घंटों की पूछताछ के बाद गिरफ्तारी की गई। इस बीच कुमार की ओर से उनके वकील ने तीस हजारी कोर्ट में अंतरिम जमानत की अर्जी लगायी, लेकिन कोर्ट से उन्हें राहत देने से इंकार कर दिया। इस पूरे घटनाक्रम के बीच सीएम हाउस से एक दूसरा वीडियो भी सामने आया है। वीडियो के आधार पर आप नेता मालीवाल के आरोपों को गलत ठहरा रहे हैं। साथ ही मालीवाल की मेडिकल रिपोर्ट भी वायरल हो रही है, जिसमें उनके शरीर के कई हिस्सों में चोट बताई गई है। इस रिपोर्ट की दिल्ली पुलिस द्वारा आधिकारिक पुष्टि फिलहाल नहीं की गई है।

बिभव कुमार की तलाश में पुलिस की एक टीम दोपहर करीब सवा 12 बजे मुख्यमंत्री आवास पर पहुंची और उसे हिरासत में लिया गया। सूत्रों का कहना है कि इससे पहले बिभव कुमार ने सिविल लाइंस एसएचओ को एक मेल भेजकर जांच में पूरा सहयोग करने की बात कही थी। यहीं से पुलिस को उसका सुराग मिला, जिसके बाद पुलिस टीम उसे हिरासत में लेकर सिविल लाइंस थाने लायी। यहां कुछ घंटे की प्रारंभिक पूछताछ के बाद शाम को उसे अरेस्ट कर लिया गया। बिभव कुमार की ओर से उनके वकील ने उनकी अंतरिम जमानत के लिए तीस हजारी कोर्ट में अर्जी दाखिल की। कोर्ट के समक्ष अपनी दलीलें भी रखीं और स्वाति द्वारा लगाये गए आरोपों को निराधार बताया। लेकिन कोर्ट ने विभव कुमार को राहत नहीं दी। दिल्ली पुलिस अब बिभव कुमार का रिमांड लेने की तैयारी कर रही है। गौरतलब है कि मालीवाल के साथ बदसलूकी मामले में एफआईआर दर्ज होने के बाद से ही बिभव कुमार फरार चल रहे थे। उन्हें आखिरी बार लखनऊ में सीएम अरविंद केजरीवाल के साथ देखा गया था। मालीवाल ने उन पर मारपीट के गंभीर आरोप लगाये हैं।

अपनी साथी स्वाति के चरित्र को धूमिल कर रहे हैं सीएम केजरीवाल : सचदेवा

नई दिल्ली। यह बेहद शर्मनाक है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अपने दशकों पुराने रिश्ते को भूलकर अब अपनी साथी स्वाति मालीवाल के चरित्र को धूमिल कर रहे हैं, जो उनके साथ दो दशकों से अधिक समय से जुड़ी हुई हैं। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने शनिवार को यह बयान जारी कर केजरीवाल पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अब जब केजरीवाल के सहयोगी विभव कुमार गिरफ्तार हो गये हैं तो वह दिन दूर नहीं जब अरविंद केजरीवाल की राजनीति के कई गंदे पन्ने सार्वजनिक हो जायेंगे। यह आश्चर्य की बात है कि केजरीवाल विभव कुमार को अपने ही घर में छुपा रहे थे, जिससे साफ पता चलता है कि विभव और केजरीवाल व्यक्तिगत रूप से कितने करीब हैं। सचदेवा ने कहा कि अब जब पूरी आम आदमी पार्टी स्वाति मालीवाल के चरित्र को धूमिल कर रही है, तो केजरीवाल के लिए आगे आने और स्वाति मालीवाल के साथ अपने दशकों पुराने संबंधों को स्पष्ट करने का समय आ गया है। साथ ही सचदेवा ने एक और वीडियो बयान जारी कर कहा कि सीएम केजरीवाल को बताना चाहिए कि मुख्यमंत्री आवास में स्वाति मालीवाल के साथ हुई मारपीट का जिम्मेदार कौन है। सचदेवा ने आरोप लगाते हुए कहा कि केजरीवाल जानते हैं कि अगर विभव कुमार के खिलाफ कोई कार्रवाई की गई तो वह कई करतूतों का खुलासा कर सकते हैं और इसीलिए केजरीवाल को उन्हें अपने घर में छिपाना पड़ा। उन्होंने कहा कि स्वाति मालीवाल पहली महिला नेता नहीं हैं जिन्हें केजरीवाल पार्टी ने बदनाम किया है या उन पर आरोप लगाया है। इससे पहले, उन्होंने दिवंगत सहकर्मी संतोष कोली के अलावा किरण बेदी, शाजिया इल्मी और ऋचा पांडे के बारे में भी सवाल उठाए थे, जिन महिला सहयोगियों को अपमानजनक व्यवहार के कारण केजरीवाल को छोड़ना पड़ा था। सचदेवा ने कहा कि यह खेदजनक है कि आम आदमी पार्टी की सदस्य स्वाति को बदनाम करने के प्रयास में शुक्रवार से सोशल मीडिया समूहों में संपादित वीडियो प्रसारित किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज टीम केजरीवाल मालीवाल की मुख्यमंत्री से मुलाकात के लिए प्रोटोकॉल की बात कर रही है लेकिन ये वही स्वाति मालीवाल हैं जो तीन महीने पहले ही मुख्यमंत्री की इतनी करीबी थीं कि उन्हें राज्यसभा का सदस्य बना दिया गया था। भाजपा एक प्रमुख राजनीतिक दल है, लेकिन हमारे किसी भी सांसद को प्रदेश अध्यक्ष से मिलने के लिए किसी प्रोटोकॉल का पालन नहीं करना पड़ता है। भाजपा की मांग है कि क्योंकि आम आदमी पार्टी स्वाति मालीवाल को संपादित वीडियो दिखाकर बदनाम कर रही है इसलिए बेहतर होगा कि दिल्ली पुलिस तुरंत मुख्यमंत्री आवास की पूरी सीसीटीवी फुटेज अपने कब्जे में ले ले।

'आप' नेताओं संग आज जाऊंगा भाजपा मुख्यालय हमें एक साथ जेल में डाल दें : केजरीवाल

नई दिल्ली। ये रोज-रोज जेल का खेल खेलना बंद कीजिए। रविवार को दोपहर 12 बजे मैं अपने सांसदों, विधायकों समेत सभी बड़े नेताओं को लेकर भाजपा मुख्यालय आ रहा हूं और आप सबको जेल में डाल दीजिए। यह बात आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा पर निशाना साधते हुए कहीं।
केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली समेत पूरा देश देख रहा है कि किस तरह भाजपा नेता आम आदमी पार्टी के नेताओं के पीछे पड़े हैं। इन्होंने मुझे, मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन, संजय सिंह को जेल भेजा और अब मेरे पीए को जेल में डाल दिया। हमारा कसूर सिर्फ इतना है कि हमने दिल्ली में गरीबों के बच्चों के लिए अच्छे स्कूल बनवाए, अस्पताल व मोहल्ला क्लीनिक बनाकर गरीबों को अच्छा और फ्री इलाज दिया, 24 घंटे और मुफ्त बिजली दी, जो ये नहीं कर सकते। भाजपा वाले गलतफहमी में हैं कि वो हमारे नेताओं को जेल में डालकर आम आदमी पार्टी को कुचल देंगे। ऐसे तो आम आदमी पार्टी खत्म नहीं होने वाली है।
केजरीवाल ने शनिवार को अपने पीएस विभव कुमार को गिरफ्तार किए जाने के बाद कहा कि दिल्ली और देश की जनता देख रही है कि किस तरह से ये लोग आम आदमी पार्टी के पीछे पड़ गए हैं। ये लोग एक के बाद एक हमारे नेताओं को जेल में डालते जा रहे हैं। इन्होंने मुझे जेल में डाल दिया, मनीष सिसोदिया को जेल में डाल दिया, सत्येंद्र जैन को जेल में डाल दिया है, संजय सिंह को जेल में डाल दिया और आज मेरे पीए को जेल में डाल दिया। राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा अभी लंदन से लौटे हैं और ये कह रहे हैं कि उनको भी जेल में डालेंगे। ये कह रहे हैं कि कुछ दिन बाद सौरभ भारद्वाज और आतिशी को भी जेल में डालेंगे।
अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैं यह सोच रहा था कि हम सब लोगों को ये जेल में क्यों डालना चाहते हैं। हमारा कसूर क्या है? हमारा कसूर यह है कि हमने दिल्ली के अंदर गरीब बच्चों के लिए अच्छी शिक्षा का इंतजाम किया, सरकारी स्कूल शानदार बनाए। ये लोग शानदार सरकारी स्कूल नहीं बना सकते। इसलिए ये लोग दिल्ली में सरकारी स्कूल बनने रोकना चाहते हैं। हमारा कसूर यह है कि हमने दिल्ली के अंदर सरकारी अस्पताल और मोहल्ला क्लीनिक बनाए, लोगों के लिए फ्री दवा और अच्छे इलाज का इंतजाम किया। ये लोग नहीं कर पा रहे है। इसलिए ये दिल्ली के अस्पतालों और मोहल्ला क्लीनिकों को रोकना चाहते हैं। हमारा कसूर यह है कि पहले दिल्ली में 10-10 घंटे बिजली के पावर कट लगते थे, हमने 24 घंटे बिजली कर दी, ये उस बिजली को रोकना चाहते हैं। हमारा कसूर यह है कि दिल्लीवालों की बिजली फ्री कर दी। ये लोग फ्री बिजली बंद करना चाहते हैं। फ्री बिजली देना इन लोगों के वश की बात नहीं है।

आप का आरोप : अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई के बीच बिभव को किया गया गिरफ्तार

आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और मंत्री आतिशी ने शनिवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय राजधानी पुलिस ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार को उसी समय गिरफ्तार किया, जब अदालत में उनकी अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई हो रही थी। आतिशी ने प्रैसवार्ता में कहा कि बिभव कुमार ने शनिवार को तीस हजारी अदालत में अग्रिम जमानत के लिए याचिका दायर की। आतिशी ने कहा कि तीस हजारी अदालत ने कुमार के मामले को जरूरी माना और शनिवार को ही उनकी याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति व्यक्त की। उन्होंने दावा किया कि अदालत ने अपराह्न 3:55 बजे उनकी याचिका पर सुनवाई शुरू की और 20 मिनट के भीतर, दिल्ली पुलिस ने बिभव कुमार को सिविल लाइंस पुलिस थाने में गिरफ्तार कर लिया। आतिशी ने आरोप लगाया कि जब अदालत शाम चार बजकर 55 मिनट पर मामले पर अपना आदेश सुना रही थी, तो दिल्ली पुलिस के वकील वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश हुए और कहा कि कुमार को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। अदालत ने कहा कि कुमार की अग्रिम जमानत याचिका निरर्थक हो गई है, क्योंकि उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है।

मालीवाल के आरोप झूठे और सीएम के खिलाफ भाजपा के रचे षड्यंत्र का हिस्सा : आतिशी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने शनिवार को एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा ने स्वाति मालीवाल को मोहरा बनाकर सीएम अरविंद केजरीवाल को फंसाने का षडयंत्र रचा है। इसका पर्दाफाश एक और वीडियो से हुआ है। शनिवार को वरिष्ठ आप नेता आतिशी ने प्रैसवार्ता में कहा कि स्वाति मालीवाल की एफआईआर के अनुसार तथाकथित हमले के बाद वो चलने की स्थिति में नहीं थी, दर्द से कराह रही थी, लेकिन सीसीटीवी वीडियो अलग सच्चाई बयान कर रहा है। आतिशी ने कहा कि सीसीटीवी वीडियो में स्वाति मालीवाल बिना किसी परेशानी के चलते हुए सीएम आवास के बाहर जा रही है, सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी को धक्का देते, धमकाते हुए दिख रही है। वीडियो देखकर ये बिलकुल साफ है कि स्वाति मालीवाल द्वारा लगाए गए आरोप झूठे है और सीएम अरविंद केजरीवाल के खिलाफ भाजपा के रचे षड्यंत्र का हिस्सा है।
आतिशी ने कहा कि स्वाति मालीवाल अपनी एफ़आईआर में कहती है कि मुझपर इतना हमला हुआ कि मैं चलने की स्थिति में नहीं थी, बेहोशी की हालत में थी, दर्द से कराह रही थी, लंगड़ा कर चल रही थी। लेकिन आज एक और वीडियो आई है जिसने पूरे देश के सामने स्वाति मालीवाल के आरोपों का पर्दाफाश कर दिया है। सीएम आवास के गेट के सीसीटीवी के फ़ुटेज का वीडियो यह दिखा रहा है कि स्वाति मालीवाल बिना किसी परेशानी के चलते हुए सीएम आवास के बाहर जा रही है। वहां वो सुरक्षा में तैनात महिला पुलिसकर्मी को धक्का देते हुए नजर आ रही है, पुलिस वालों को उंगली दिखा कर हड़का रही हैं, डांट रही है। वीडियो में दिख रहा है कि स्वाति मालीवाल के सिर पर कोई चोट नहीं है, उनके कपड़े नहीं फटे है, वो लंगड़ा कर, दर्द में कराह कर नहीं चल रही है।
आतिशी ने बताया कि स्वाति मालीवाल पर दिल्ली महिला आयोग में कांट्रेक्चुअल कर्मचारियों के अवैध नियुक्ति के संबंध में भाजपा की एसीबी का केस चल रहा है। अब इस केस में चार्जशीट दाखिल हो गई है और सजा का समय पास आ रहा है तो इस केस को आधार बना, जेल और सजा की धमकी देकर भाजपा ने अपने एसओपी के तहत स्वाति मालीवाल पर दबाव बनाया होगा।
आतिशी ने एक और उदाहरण देते हुए बताया कि विभव कुमार ने तीस हज़ारी कोर्ट में शिकायत दर्ज की और आधिकारिक तौर पर एफआईआर की मांग की। पूरा दिन बीतने के बाद भी भाजपा की दिल्ली पुलिस ने एफआईआर की कॉपी नहीं दी। जब कोर्ट ने पुलिस को एफआईआर की कॉपी सौंपने का आदेश दिया तो दिल्ली पुलिस ने बहाना बनाया कि केस संवेदनशील होने के कारण एफआईआर नहीं दे सकते। उन्होंने कहा कि जो एफआईआर पिछले 2 दिन से भाजपा द्वारा मीडिया के पास भेजी गई, उसे भाजपा की दिल्ली पुलिस ने कोर्ट को देने से इनकार कर दिया। उन्होंने दिल्ली पुलिस का दोहरा चरित्र सामने लाते हुए कहा कि स्वाति मालीवाल के मामले में स्वतः संज्ञान लेकर पुलिस ने एफआईआर दर्ज किया लेकिन विभव कुमार की शिकायत के 24 घंटे बाद भी कोई एफ़आईआर दर्ज नहीं हुई। ये पूरी साजिश गृह मंत्रालय से ऑपरेट हो रही है।

स्वाति मालीवाल भाजपा के संपर्क में

आप सांसद स्वाति मालीवाल भाजपा के संपर्क में हैं। आप की वरिष्ठ नेता आतिशी ने शनिवार को यह आरोप लगाते हुए कहा कि स्वाति मालीवाल भाजपा का एक राजनैतिक षड़यंत्र है, ताकि 25 मई को दिल्ली में होने वाले चुनाव में आप को नुकसान पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि स्वाति मालीवाल पर दिल्ली महिला आयोग में भर्ती घोटाले का एक केस चल रहा है। इसी मामले में भाजपा द्वारा धमकी देकर उनसे यह सब करवाया जा रहा है। वैसे भी भाजपा का फार्मूला रहा है कि वो अपने राजनीतिक फायदे के लिए विपक्ष के नेताओं पर केस कर दबाव बनाती है। स्वाति मालीवाल पर भी इसी फार्मूले का इस्तेमाल किया गया है। दिल्ली में 5 दिन बाद मतदान होने वाले हैं। इससे ठीक पहले अरविंद केजरीवाल पर हमला करने के लिए यह षड़यंत्र रचा गया है। पुलिस जांच करे कि स्वाति मालीवाल भाजपा के किन नेताओं के संपर्क में हैं, ताकि सच सामने आ सके।

स्कूलों में नए दिव्यांग बच्चों को नहीं मिल पा रहा दाखिला

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के अंतर्गत दिव्यांग बच्चों की देखरेख करने, शिक्षा देने के लिए सात विद्यालय बनाए गए हैं, लेकिन सभी विद्यालयों में विद्यार्थियों के रखने की बेहतर व्यवस्था की कमी और नियुक्त अध्यापकों की संख्या बेहद कम है। जिसके चलते दिव्यांग बच्चों को सही प्रकार से शिक्षा नहीं मिल पा रही है और नए बच्चों को दाखिला भी नहीं मिल पा रहा है। सामाजिक कार्यकर्ता हरपाल सिंह राणा ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यालय से प्राप्त जवाब के अनुसार शुक्रवार तक प्रस्तावित पद 211, नियुक्त पद 69, रिक्त पद 142 है। वहीं, उन्होंने बताया कि वकील अखिल के द्वारा जिला न्यायालय रोहिणी में मार्च 2023 में मुकदमा करके सोनू नामक बच्चे को दाखिला देने का आदेश देने का आग्रह न्यायालय से किया गया था जिसमें 7 तारीख लगी। लेकिन न्यायालय में यह कहते हुए मुक़दमा निरस्त किया कि नये अधिनियम के तहत न्यायालय की भूमिका सीमित है और बच्चे का दाखिला नहीं हो सका। हरपाल राणा ने आगे बताया कि सरकार दिव्यांग विद्यार्थियों के भविष्य के लिए कितनी चिंतित है, इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है।

एलजी ने उपराष्ट्रपति धनखड़ से मिलकर दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने शनिवार को देश के उपराष्ट्रपति धनखड़ के आवास पर मिलकर उन्हें जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। एलजी ने उपराष्ट्रपति के जन्मदिन को लेकर खुद सोशल मीडिया मंच एक्स पर बधाई देते फोटो पोस्ट की है। एलजी ने लिखा है कि माननीय को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। उन्होंने लिखा कि जगदीप धनखड़ जी, आपकी सांसारिक बुद्धि और कानूनी कौशल हमारा मार्गदर्शन करते रहें। आपके लंबे, स्वस्थ और पूर्ण जीवन के लिए मेरी शुभकामनाएं।

आईपीयू में 22 मई से शुरू होगी बीटेक की काउन्सलिंग

नई दिल्ली। आईपी यूनिवर्सिटी में बी टेक की काउन्सलिंग ऑनलाइन मोड में 22 मई से शुरू हो जाएगी जिन आवेदकों ने आवेदन शुल्क 1,500 रुपए जमा करा रखे हैं वे 5 जून तक 1,000 रुपए काउन्सलिंग भागीदारी शुल्क जमा करा सकते हैं। आईपी यूनिवर्सिटी के जनसंपर्क अधिकारी नलिनी रंजन ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि जिन आवेदकों ने आवेदन शुल्क के 1,500 रुपए अभी तक जमा नहीं कराए हैं वे इसे भी काउन्सलिंग भागीदारी शुल्क के साथ 5 जून तक जमा करा सकते हैं। आरक्षित श्रेणी के आवेदक 6 जून तक अपने दस्तावेजों का ऑनलाइन सत्यापन करा सकते हैं। बीटेक में काउंसलिंग जेईई के स्कोर के आधार पर होगी।

हरियाणा के विद्यार्थियों के लिए
पुरस्कार जीतने का सुनहरा अवसर
CHIEF ELECTORAL OFFICER, HARYANA
चुनाव का पर्व DESH KA GARV
LOK SABHA ELECTION 2024

अपने माता-पिता/दादा-दादी/सगे-संबंधियों को वोट डालने के लिए प्रेरित करें
वोट डालने उपरान्त उनके साथ नीली स्याही लगी अंगुली के साथ सेल्फी अपलोड करें
जिला स्तर पर निकाले जाएंगे ड्रॉ
विजेताओं को मिलेंगे नकद पुरस्कार
प्रथम ₹10,000 | द्वितीय ₹5,000 | तृतीय ₹2,500
इसके अतिरिक्त जिला स्तर पर सबसे अधिक सेल्फी अपलोड करने वाले स्कूल को ₹25,000 नकद पुरस्कार
सेल्फी अपलोड करने के लिए क्यू आर कोड स्कैन करें
सेल्फी लेकर पुरस्कार पाएं, लोकतंत्र को मजबूत बनाएं
मुख्य निर्वाचन अधिकारी, हरियाणा
30 बेज बिल्डिंग, सेक्टर 17, चण्डीगढ़
e-Mail: ceo_haryana@eci.gov.in | Website: www.ceoharyana.gov.in
Voter Helpline 1950
मतदान की तिथि - 25 मई, 2024
सूचना, लोक सम्पर्क, भाषा तथा संस्कृति विभाग, हरियाणा www.prharyana.gov.in @diprharyana

खबर संक्षेप

दो को गिरफ्तार कर सुलझाए चोरी के 6 मामले

फरीदाबाद। अपराध शाखा सेंट्रल की टीम ने चोरी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में जयकिशन तथा विक्की का नाम शामिल है दोनों आरोपी फरीदाबाद के ऊंचागांव तथा विक्की सुभाष कॉलोनी का रहने वाला है। क्राइम ब्रांच की टीम ने गुप्त सूत्रों की सूचना के आधार पर दोनों आरोपियों को बीपीटीपी पुल से चोरी की मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार किया था। आरोपियों से पूछताछ की गई तो वह कोई जवाब नहीं दे सके। आरोपियों को काबू किया गया और मामले की जांच शुरू की गई।

दोस्त की पत्नी से बात करने पर युवक को पीटा

फरीदाबाद। एक युवक को उसके दोस्त ने जमकर पीटा है। युवक पर आरोप है कि वह अपने दोस्त की

पत्नी से फोन पर बात करता था। पता चलते ही दोस्त ने उसे एकांत में बुलाया और अन्य दोस्त के साथ मिलकर युवक की बेल्ट से धुनाई की। इतना ही नहीं आरोपी दोस्त ने पीड़ित को पीटते हुए अपनी पत्नी को वीडियो कॉल पर पूरी वारदात दिखाई। अब पीड़ित का आरोप है कि पुलिस इस मामले में कोई सुनवाई नहीं कर रही है। पीड़ित गोविंद कुमार ने बताया है कि पत्नी से अनबन के कारण वर्षों से अलग रह रहा है। उनकी शादी को कई साल बीत चुके हैं ।

गंदे नाले में मिला व्यक्ति का शव, पुलिस पहुंची

फरीदाबाद। सेक्टर-22 स्थित गंदे नाले में एक व्यक्ति का शव पड़ा मिला। शव को देख कर मौके पर

लोगों की भीड़ लग गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू की। शव फूल कर नाले में ऊपर आ चुका था। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को अस्पताल की मोर्चरी में पहुंचाया। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हुई है। व्यक्ति का शव देखने के बाद स्थानीय लोगों ने सूचना पुलिस को दी थी। पुलिस ने जेसीबी मशीन का प्रबंध कर शव को नाले से बाहर निकाला। शव पुरुष का था।

शहर की सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने अधिकारी उतरे सड़कों पर

निगमायुक्त डॉ. नरहरि सिंह बांगड़ द्वारा जारी निर्देशों की पालना में सभी संयुक्त आयुक्त, कार्यकारी अभियंता, सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता, वरिष्ठ सफाई निरीक्षक व सफाई निरीक्षकों ने अलग-अलग क्षेत्रों में कचरा उठान व सफाई व्यवस्था करवाई सुनिश्चित।

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त डॉ. नरहरि सिंह बांगड़ ने चुनाव ड्यूटी से वापस आते ही अधिकारियों को शहर की सफाई व्यवस्था को दुरूस्त करने के लिए स्पष्ट निर्देश दिए हैं। निगमायुक्त द्वारा जारी निर्देशों की पालना में नगर निगम 31 मई तक लगातार विशेष सफाई अभियान चलाकर सफाई व्यवस्था दुरुस्त करेगा तथा विभिन्न स्थानों पर पड़े कचरे व हॉर्टिकल्चर वेस्ट को उठाया जाएगा।

सभी संयुक्त आयुक्त, कार्यकारी अभियंता, सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता, वरिष्ठ सफाई निरीक्षक व सफाई निरीक्षकों ने अलग-अलग क्षेत्रों में कचरा उठान व सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान की शुरुआत कर दी है। संयुक्त आयुक्त सुमन भांखड़ जोन-1 के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंची। उन्होंने वरिष्ठ सफाई निरीक्षक हरीश मेहता के साथ पूरे जोन का निरीक्षण किया तथा अपनी मौजूदगी में सफाई व्यवस्था व कचरा उठान सुनिश्चित करवाया। विशेष अभियान के पहले दिन जोन-1 क्षेत्र के कुटिया मंदिर, सेकेंडरी कचरा कलेक्शन सेंटर खांडसा, धनकोट गांव, धनवापुर, सूरत नगर, बजघेड़ा व मोहम्मदपुर सहित अन्य क्षेत्रों की सफाई करवाई गई तथा कचरे का उठान सुनिश्चित करवाया गया। निगमायुक्त डॉ. नरहरि सिंह बांगड़ ने कहा कि शहर की सफाई व्यवस्था दुरूस्त करने के लिए नगर निगम द्वारा 31 मई तक विशेष अभियान की शुरुआत शनिवार से कर दी गई गई है। अभियान के तहत सभी अधिकारी प्रतिदिन फील्ड में जाकर सफाई व्यवस्था को दुरूस्त करवाएंगे तथा इधर-उधर पड़े कूड़े व बागवानी कचरे को उठान के साथ ही खत्तों से कूड़े को उठाकर बंधवाड़ी प्लांट में भिजवाना सुनिश्चित करेंगे।

31 मई तक चलेगा विशेष अभियान

संयुक्त आयुक्त पूरे दिन निरीक्षण पर रहे

वहीं, संयुक्त आयुक्त डॉ. नरेश कुमार भी जोन-2 क्षेत्र के डूंडाहेड़ा, शीतला माता रोड, गांव चौमा सहित अन्य क्षेत्रों में गए। उन्होंने वरिष्ठ सफाई निरीक्षक संदीप कुमार, सफाई निरीक्षक हरीश शर्मा व फील्ड इंचार्ज श्रीकांत शर्मा के साथ पूरे जोन का निरीक्षण किया तथा स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रतिदिन कूड़े का उठान सुनिश्चित किया जाए तथा मुख्य सड़कों सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों की नियमित सफाई की जाए। जोन-3 के संयुक्त आयुक्त विजय यादव भी पूरे दिन क्षेत्र के निरीक्षण पर रहे। उन्होंने क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिकों से भी मुलाकात की और अपनी मौजूदगी में कचरा उठान सुनिश्चित करवाई।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने अधिकारियों के साथ की बैठक

पर्दानशीं वोटरों की पहचान के लिए आंगनबाड़ी वर्कर की होगी तैनाती

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरूग्राम

जिला निर्वाचन अधिकारी निशांत कुमार यादव ने पोस्टल बैलेट पेपर के नोडल अधिकारी एवं एएलसी कुशल कटारिया से पोस्टल बैलेट के माध्यम सम्पन्न कराई जा रही मतदान प्रक्रिया जैसे होम वोटिंग, सर्विस वोटर आदि की विस्तृत जानकारी लेने उपरांत निर्देश दिए।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी निशांत कुमार यादव ने चुनावी प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न विषय जैसे पोस्टल बैलेट पेपर से मतदान की प्रतिदिन रिपोर्ट तैयार करने, सेक्टर ऑफिसर, सेक्टर पुलिस ऑफिसर, एक्स्ट्रा पोलिंग पार्टियां सहित यूथ बूथ, पिंक बूथ व पीडब्ल्यूडी बूथ की पोलिंग पार्टी के प्रशिक्षण व मतदान केंद्र तक उनके लिए यातायात व्यवस्था, मॉक पोल, क्यूआरटी टीम को लेकर जिला की चारों विधानसभा के एआरओ व अन्य प्रशासनिक अधिकारियों संग बैठक कर उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने पोस्टल बैलेट पेपर के नोडल अधिकारी एवं एएलसी कुशल कटारिया से पोस्टल बैलेट के माध्यम सम्पन्न कराई जा रही मतदान प्रक्रिया जैसे होम वोटिंग, सर्विस वोटर आदि की विस्तृत जानकारी लेने उपरांत निर्देश दिए कि पोस्टल बैलेट के लिए निर्धारित विभिन्न एनेक्सचर के तहत प्रतिदिन की रिपार्ट तैयार करें।

इसके साथ ही एनेक्सचर 7 के तहत 19 मई से 24 मई के बीच सर्विस वोटर्स द्वारा होने वाले बैलेट मतदान की भी प्रतिदिन की रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए,जिसमें राजनैतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों की हस्ताक्षर भी हो। बैठक में उन्होंने सीटीएम को निर्देश दिए कि वे आरटीए विभाग से समन्वय बना कर 24 मई को पोलिंग पार्टी के मतदान केंद्र प्रस्थान के लिए उचित मात्रा में बसों की व्यवस्था करें। डीसी ने कहा कि बसों की व्यवस्था में यह जरूर सुनिश्चित किया जाए कि उनमें जीपीएस लगा हो। उन्होंने कहा कि 24 मई को किसी प्रकार की अव्यवस्था ना फैले इसके लिए सभी बसों पर संबंधित विधानसभा का नाम व मतदान केंद्र का नाम जरूर चस्पा किया जाए। इसके साथ ही सुचारू मतदान सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने प्रत्येक विधानसभा में चार क्यूआरटी टीम तैनात करने के भी निर्देश दिए।

प्रत्याशियों के एजेंट की मौजूदगी में होगा ईवीएम का मॉक पोल

बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि सभी एआरओ 19 मई तक ईवीएम की कमिशनिंग का काम पूरा करवा लें ताकि 20 मई को सभी 23 चुनावी प्रत्याशियों अथवा उनके एजेंटों की मौजूदगी में मॉक पोल की प्रक्रिया को सम्पन्न कराया जा सके। उन्होंने कहा कि सभी एआरओ यह भी सुनिश्चित करें कि यह पूरी प्रक्रिया वीडियोग्राफी के साथ संपन्न हो। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के निर्देशों के तहत जिला के सभी मतदान केंद्रों पर वोट देने पहुंचने वाली पर्दानशीं महिला मतदाताओं की पहचान सुनिश्चित की जाएगी। महिलाओं की पहचान को हर बूथ पर एक महिला मतदान कार्मिक तैनात रहेंगी। जोकि पहचान पत्र पर लगी फोटो से मिलान करेंगी। इसके लिए हर पोलिंग पार्टी में एक आंगनबाड़ी वर्कर को शामिल किया जाएगा। जो मतदान केंद्रों पर द्वार के पास ही मौजूद रहेंगी। सही पाए जाने पर मतदान की अनुमति प्रदान की जाएगी। वहीं फर्जी मतदाताओं पर कार्रवाई की जाएगी। 20 मई को विशेष बूथ की पोलिंग पार्टी व 21 मई को सेक्टर ऑफिसर को दिया जाएगा

उन्होंने कहा कि जिला की चारों विधानसभा के लिए जो एक्स्ट्रा रिजर्व पार्टी व विशेष बूथ जैसे यूथ बूथ, पिंक बूथ व पीडब्ल्यूडी बूथ की पोलिंग पार्टी को 20 मई को चुनावी प्रशिक्षण दिया जाएगा। वहीं 21 मई को 85 सेक्टर ऑफिसर व 85 सेक्टर पुलिस ऑफिसर को भी चुनावी ड्यूटी में पारंगत करने के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए उन्होंने मानेसर के एसडीएम दर्शन यादव की ड्यूटी लगाते हुए ट्रैनिंग के लिए इंतजाम करने के निर्देश दिए।

25 को कमल के निशान का बटन दबाकर राव इंद्रजीत को देश की महापंचायत में भेजें

- आरती राव ने अपने पिता को जिताने की अपील की

हरिभूमि न्यूज रेवाड़ी/गुरुग्राम

45 डिग्री तापमान में अपने पिता गुरूग्राम लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के प्रत्याशी राव इंद्रजीतसिंह के लिए चुनाव प्रचार में उतरी आरती राव ने आज जहां अपने पिता की ईमानदारी, बेदाग छवि, बेबाकी से अपनी बात रखने आदत को लोगों के बीच रखा, वहीं उनसे सवाल भी किया कि क्या वे मानते हैं कि राव इंद्रजीत सिंह ने उनके द्वारा दी गई ताकत का कभी अपने लिए इस्तेमाल नहीं किया। अगर उन्हें लगता है कि राव हमेशा उनके हितों के लिए लड़ते रहे हैं तो 25 मई के दिन कमल के निशान का बटन दबाकर उन्हें तीसरी बार अपना वकील बनाकर देश की महापंचायत में भेजें। ग्रामीणों ने आरती राव का भव्य स्वागत किया तथा उन्हें पगड़ी व गदा भेंट कर इस बार गत चुनाव की अपेक्षा अधिक मतों से विजयी बनाने का भरोसा दिया। गांव खडग़वास, किशनगढ़, घासेड़ा सहित आधा दर्जन से अधिक गांवों में चुनाव प्रचार के दौरान आरती राव ने कहा कि राजनीतिज्ञ वही होता है, जो अपने क्षेत्र तथा वहां के लोगों के हक व हकूक की लड़ाई मजबूती से न केवल लड़े, बल्कि उनके अधिकार भी दिलाएं, फिर चाहे उन्हें अपनी ही सरकार से लड़ाई क्यों नहीं लडऩी पड़ी। राव इंद्रजीत सिंह ने हमेशा ऐसा किया है।

होम वोटिंग के अंतर्गत 6 मतदाताओं ने किया मतदान

कोई भी मतदाता न रहे मतदान से वंचित निर्वाचन आयोग ने दी विशेष सुविधाएं

सफलतापूर्वक होम वोटिंग का काम खत्म

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

85 प्लस आयु वर्ग तथा दिव्यांग मतदाताओं की होम वोटिंग के अंतर्गत शनिवार 18 मई को छह मतदाताओं ने मतदान किया। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त विक्रम सिंह ने इसका स्वागत करते हुए मतदाताओं का आह्वान किया कि वे 25 मई को अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें।

जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने कहा कि कोई भी मतदाता इस बार मतदान करने से वंचित नहीं रहना चाहिए। इसके लिए निर्वाचन आयोग ने विशेष सुविधाएं प्रदान की हैं। इन सुविधाओं का लाभ उठाकर हर मतदाता अपने मत का प्रयोग कर सकता है।

इस बार आयोग ने 85 व इससे अधिक आयु वर्ग और दिव्यांग मतदाताओं को घर से ही मतदान करने का अवसर दिया। इसका मतदाताओं ने खूब लाभ उठाया है। जो मतदाता अपने मतदान केंद्र पर आकर मतदान नहीं कर सकता उन्होंने घर से ही वोट करने के लिए आवेदन किया। ऐसे मतदाताओं को घर से मतदान का मौका दिया गया, जिसके लिए दो दिन निर्धारित किए गए। होम वोटिंग का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। दिव्यांगों व 85 प्लस आयु वर्ग के मतदाताओं ने उत्साह पूर्वक मतदान किया है। यह स्वागत योग्य है। उन्होंने युवाओं को प्रोत्साहित किया कि उन्हें वृद्धजनों से प्रेरित होकर अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। उम्र के इस पड़ाव में भी वयोवृद्ध मतदाता अपने मताधिकार को लेकर जागरूक हैं और वोट के महत्व को गंभीरता से समझते हैं। युवा मतदाताओं को भी वोट के महत्व को समझते हुए मतदान करना चाहिए।

लोस चुनाव में जीत हरियाणा में कांग्रेस सरकार बनने का रास्ता साफ करेगी : भूपेन्द्र हुड्डा

- 36 बिरादरी और हर वर्ग के लोग एकजुट हो कांग्रेस के पक्ष में मतदान करें

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने आज पलवल जिले में जोरदार दस्तक देते हुए हरियाणा में सत्ता परिवर्तन की हुंकार भरी। उन्होंने लोगों से भावनात्मक जुडते हुए कहा कि पलवल को जिला भी मैंने ही बनाया और अब कांग्रेस की सरकार बनने पर पलवल में मैट्रो की सीटी भी में ही बजाउंगा लेकिन यह तभी होगा जब फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंह की बडी जीत होगी, क्योंकि लोकसभा में कांग्रेस की जीत ही हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बनने का रास्ता साफ करेगी, इसलिए 36 बिरादरी और हर वर्ग के लोग एकजुट हो कांग्रेस के पक्ष में मतदान करें। उन्होंने लोगों से अपील की कि आप मेरे हो और मैं आपका इसलिए हम जब भी सत्ता में रहे पलवल के विकास के रास्ते खोले और अब आपको विश्वास दिलाते हैं कि सरकार बनने पर यहां फिर से विकास की रफ्तार बढाई जाएगी।

फरीदाबाद। शनिवार को पृथला क्षेत्र की तेवतिया पाल के बडे गांव अलावलपुर में पूर्व विधायक रघुबीर सिंह तेवतिया के संयोजन में आयोजित विशाल चुनावी रैली में मंचासीन पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा, प्रदेश अध्यक्ष उदयभान, लोकसभा प्रत्याशी महेन्द्र प्रताप सिंह, विधायक नीरज शर्मा व अन्य। फोटो : हरिभूमि

एक मोटरसाइकिल बरामद

क्राइम ब्रांच एनआईटी ने 2 वाहन चोर को किया काबू

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

अपराध शाखा एनआईटी प्रभारी संदीप की टीम ने चोरी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में दीपचंद तथा बसंत सिंह का नाम शामिल है । क्राइम ब्रांच की टीम ने दोनों आरोपियों को कल तिगांव बाईपास से चोरी की मोटरसाइकिल सहित काबू किया। आरोपियों से जब मोटरसाइकिल के कागजात मांगे गए तो वह दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके।

गहनता से पूछताछ की गई तो उन्होंने बताया कि जुलाई 2021 में उन्होंने यह मोटरसाइकिल छांयसा थाना एरिया से चोरी की थी। आरोपी पहले नशा करते थे और उन्होंने उस समय मोटरसाइकिल चोरी की थी लेकिन अब वह नशा छोड़ चुके हैं और एक निजी कंपनी में नौकरी करते हैं।

राहत कि हादसे में सभी सुरक्षित रहे

सेक्टर 7 में एक बर्तन की दुकान में लगी आग, लाखों का सामान जलकर खाक

दमकल ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

सेक्टर 7 में स्थित एक बर्तन की दुकान में शनिवार की सुबह भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग इतनी तेजी से फैली कि उस पर काबू पाना मुश्किल हो गया।

सूचना के बाद मौके पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने दुकान में लगी आग पर काबू पाने का प्रयास किया। लेकिन तब तक दुकान में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। इस मामले की जानकारी देते

हुए दुकान मालिक के पड़ोसी दीपक ने बताया कि उनके पड़ोसी सुबह घूमने के लिए निकले थे। वापस आते वक्त जब वह दुकान के सामने आए तो उन्हें दुकान से धुआं निकलते दिखाई दिया।

दुकान मालिक ने इसकी सूचना स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग की टीम को दी। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया। लेकिन आग इतनी तेजी से फैली की आग पर काबू पाना मुश्किल हो गया।

आग पर काबू पाने के लिए लगभग एक दर्जन दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची। जब तक आग बुझाई गई तब तक दुकान में रखा सारा सामान जलकर राख हो चुका था। इसके चलते दुकानदार को लाखों रुपए का नुकसान हुआ है, लेकिन गनीमत यह रही कि हादसे में किसी की जान नहीं गई। दीपक कालरा ने बताया कि आग लगने के कारण को शॉर्ट सर्किट होना बताया जा रहा है।

4 को पुलिस ने किया गिरफ्तार

दिल्ली-एनसीआर में असलहा तस्करी वाले गिरोह का पर्दाफाश

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

पुलिस ने अवैध असलहों की तस्करी करने वाले अन्तरराज्यीय तस्कर गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 4 पिस्टल मय मैगजीन व 6 तमंचे बरामद किए हैं।

यह गिरोह पश्चिमी यूपी, दिल्ली एनसीआर में असलहों की तस्करी करता है। एडीसीपी (अपराध) सच्चिदाननद ने बताया कि गिरफ्तार

असलहा तस्करों में अनस, गाजी, आरिफ तथा ईनाम शामिल हैं। पूछताछ में अनस ने बताया कि उसने दिल्ली यूनिवर्सिटी से मॉस कम्युनिकेशन से ग्रेजुएशन किया है। पढ़ाई के बाद दिल्ली से वापस आने के पर उसकी दोस्ती आपराधिक प्रवृत्ति के लोगो से हो गई। इसी बीच उसकी मुलाकात मेरठ के अमन उर्फ अन्नू से हुई जो बिहार व मप्र से तस्करी कर लाकर पिस्टल सप्लाई का काम करता था । उससे मिलकर ये भी आस-पास के क्षेत्रों में तस्करी कर पिस्टल बिकवाने लगा। वह 2021 मे मुरादनगर मे शाहरूख के मर्डर में जेल गया था। जेल से छूटने के बाद इसकी मुलाकाल अनस गाजी पहलवान से हुई वह भी हत्या, रंगदारी व हत्या के प्रयास आदि मामलों मे जेल जा चुका है।

तीनों की गिरफ्तारी पर था 50 व 25-25 हजार रुपए का इनाम

तीनों आरोपियों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी थी

टाटा के सेल्स हेड त्यागी और विक्रम हत्या कांड के तीन आरोपियों को मुठभेड़ों में घायल के बाद किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

पुलिस ने दो अलग-अलग मुठभेड़ के दौरान 3 हत्यारोपियों को गिरफ्तार किया है । पुलिस का दावा है कि तीनों ही बदमाशों में पुलिस पार्टी पर फायरिंग की। जिसमें पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की और तीनों ही पुलिस की गोली से घायल हो गए। तीनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

इन बदमाशों में दिल्ली निवासी आमिर 50 हजार का इनामी बदमाश है और वह तीन मई को शालीमार गार्डन क्षेत्र में टाटा प्रवेश के सेल्स हेड विवेक त्यागी हत्याकांड में वांछित था। उधर अंकुर विहार पुलिस ने भी मुठभेड़

में जो बदमाश मुठभेड़ के दौरान मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किए हैं। दोनों हो बदमाश लोनी बॉर्डर इलाके में विक्रम मावी हत्याकांड में शामिल थे। उनकी गिरफ्तारी पर 25-25 हजार रुपए का इनाम घोषित था। डीपी ट्रांस हिंडन निमिष दशरथ पाटिल ने बताया कि थाना कौशाम्बी पुलिस सेक्टर 2/5 की पुलिया वैशाली पर संदिग्ध व्यक्ति/वाहन की चेकिंग कर रही थी । मुठभेड़ की दूसरी घटना में एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि स्वाट टीम व लोनी बॉर्डर पुलिस लाल बाग क्षेत्र मे सघन चैकिंग कर रही थी कि तभी एक मोटरसाइकिल पर आ रहे दो संदिग्धों को टोर्च की रोशनी दिखा कर रोकने का प्रयास किया तो दोनो संदिग्ध पुलिस टीम को देखकर हड़बड़ा कर वापस मोटरसाइकिल से भागने का प्रयास करने लगे। बदमाश पुलिस टीम को निशाना कर जानलेवा फायर करने लगे पुलिस टीम ने आत्मरक्षार्थ फायरिंग की जिसमें दोनों बदमाश घायल हो गए ।

खबर संक्षेप

आलमगीर आलम से शुरू हुई ईडी की पूछताछ

रांची। ईडी ने झारखंड के ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम को 6 दिनों की रिमांड पर ले लिया। उन्हें एजेंसी के रांची जोनल कार्यालय लाया गया, जहां दिन के करीब 12.15 बजे से पूछताछ शुरू हुई। पूछताछ शुरू होते ही ईडी के अधिकारियों ने उनपर सवालों की बौछार कर दी। ठेकों के मैनेज होने और उससे मिलने वाले कमीशन पर आलम ने चुप्पी साध ली। आलमगीर और संजीव लाल को आमने-सामने बैठाकर भी क्रॉस सवाल किए गए। शुरुआत उनके पीएस संजीव लाल के नौकर के यहां से मिले दस्तावेजों पर आधारित सवालों से की।

हिस्ट्रीशीटर ने दुकानदार को सरेआम मारी गोली

आगरा। यूपी में अपराधियों के अंदर पुलिस का कितना खौफ है इसका जीता-जागता मामला आगरा से सामने आया है। इस घटना से साफ पता चल रहा है कि अभी भी यूपी में अपराधी बेखौफ घूम रहे हैं। दरअसल आगरा में एक दुकान के अंदर दिन दहाड़े हिस्ट्रीशीटर पहुंच गया और दुकानदार को गोली मार दी। गोली दुकानदार के पैर में लगी। घटना के बाद हवा में तमंचा लहराते हुए भाग निकला। पूरी घटना का वीडियो दुकान में लगे सीसीटीवी में कैद हो गया। फुटेज अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

किसान के बंद खाते में आए 99 अरब रुपए

भदोही। जिले में एक किसान रातों रात अरबपति बन गया। किसान का जो खाता बंद था उसमें अचानक से अरबों रुपए जमा हो गए। किसान को यकीन ही नहीं हुआ। मोबाइल पर आए मैसेज से किसान कुछ समझ नहीं पाया। फिर उसने मोबाइल का मैसेज दूसरे व्यक्ति से पढ़वाया तो पता चला कि उसके खाते में बहुत सारे पैसे जमा हुए हैं। किसान बैंक पहुंचा तो उसकी बात सुनकर बैंककर्मी दंग रह गए। खाता चेक किया तो उनके होश उड़ गए। मामला दुर्गागंज थाना क्षेत्र के अर्जुनपुर गांव का है। किसान भानु प्रकाश बिंद का बैंक ऑफ बड़ौदा ग्रामीण बैंक में खाता है।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने किए रामलला के बाल स्वरूप के दर्शन, परिवार के साथ पूजा अर्चना भी की

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद सुबह राम मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने पूरे विधि-विधान के साथ पूजा अर्चना की। इस दौरान वो पूरी तरह भक्ति में लीन नजर आए। पूजन के बाद वे भाव विभोर नजर आए

सीएम के निर्देश पर सुरक्षा के लिए चाक चौबंद व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अयोध्या

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने अयोध्या में रामलला के दर्शन किए। उनके सुगम दर्शन और सुरक्षा के लिए योगी सरकार ने चाक-चौबंद इंतजाम किए थे। पूर्व राष्ट्रपति के स्वागत में मंदिर परिसर सहित पूरे गर्भगृह को भव्य रूप से फूलों से सजाया गया था, जिससे यह अवसर और भी विशेष बन गया। रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के बाद से देश के विभिन्न प्रदेशों से लोग रामलला का दर्शन करने के लिए अयोध्या आ रहे हैं। इसी क्रम में, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शनिवार को अपने परिवार के साथ भगवान श्री राम के बाल स्वरूप विग्रह का विधि-विधान से दर्शन और पूजन किया, जिससे वे भाव विभोर हो गए।

पूर्व राष्ट्रपति के स्वागत में मंदिर परिसर सहित पूरे गर्भगृह को फूलों से सजाया गया था

उन्होंने कुबेर टीला का भी भ्रमण किया

पूर्व राष्ट्रपति के स्वागत में मंदिर परिसर सहित पूरे गर्भगृह को भव्य रूप से फूलों से सजाया गया था। उन्होंने कुबेर टीला का भी भ्रमण किया और पक्षीराज जटायु की विशाल प्रतिमा को श्रद्धापूर्वक निहारा और नतमस्तक हुए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अतिथियों की सुरक्षा व्यवस्था के लिए चाक-चौबंद इंतजाम किए गए थे। इस अवसर पर मंदिर परिसर की सजावट और सुरक्षा व्यवस्था ने रामनाथ कोविंद के दौरे को और भी विशेष बना दिया।

सरयू आरती में सम्मिलित हुए

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद शुक्रवार दोपहर बाद ही परिवारजनों के साथ रामनगरी पहुंच गए थे। जैन मंदिर में अल्प विश्राम के बाद वे सरयू आरती में सम्मिलित हुए। आज सुबह वे श्री राम लला के दर्शन को पहुंचे। उनकी अगवानी के लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महामंत्री चंपत राय पहले से मंदिर परिसर में मौजूद थे।

मुंबई के कुर्ला पश्चिम में सीएम योगी आदित्यनाथ की सभा

दिल्ली में रामभक्त ही करेगा राज, पाकिस्तान के समर्थन में बात करने वालों को वहीं भेजो

महाराष्ट्र में लोकसभा चुनावों के पांचवें चरण के चुनाव प्रचार के अंतिम दिन यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कई रैलियां कीं। योगी आदित्यनाथ ने मुंबई के कुर्ला पश्चिम में भाजपा प्रत्याशी उज्जवल निकम के लिए जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि निकम ने ही मुंबई पर हमला करने वाले को फांसी दिलवाई।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री सीएम योगी आदित्यनाथ ने मुंबई में चुनाव प्रचार के आखिर दिन भाजपा प्रत्याशी उज्जवल निकम के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुंबई हमले का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा ने चुनाव में राम भक्त और राष्ट्रभक्त को वोट देने का मौका दिया है। योगी ने कहा कि उज्जवल निकम राम भक्त हैं। वे राष्ट्रभक्त हैं।

योगी ने कहा कि जो राम भक्त है वहीं राष्ट्र भक्त है। उन्होंने मुंबई के दिवंगत एटीएस चीफ हेमंत करकरे की शहादत का जिक्र करते हुए कांग्रेस पर हमला बोला। कहा कि कांग्रेस कसाब से जैसे आतंकी को महिमामंडित करने में लगी है। योगी ने कहा कि दिल्ली की गद्दी पर राम भक्त ही बैठेगा। योगी आदित्यनाथ ने महाराष्ट्र के पालघर में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आप देखना चुनाव बाद पीएम मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के अगले 6 महीने के अंदर, पाक अधिकृत कश्मीर भी भारत का हिस्सा होगा।

खास बातें

- सभा में मुंबई हमले का जिक्र करते योगी ने कांग्रेस को घेरा
- नया भारत जो छेड़ता नहीं है। जो छेड़ता है उसे छोड़ता नहीं है।

मुंबई हमले के कसूरवार कसाब को फांसी दिलवाने का श्रेय उज्जवल निकम को

सीएम योगी आदित्यनाथ ने मुंबई हमले के कसूरवार कसाब को फांसी दिलावने का श्रेय उज्जवल निकम को दिया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सरकारी वकील जब न्यायपालिका के साथ जुड़ते हैं। अपराधियों के पैर कांपते हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा मुंबई हमले के बाद उज्जवल निकम ने अपनी जान जोखिम में डालकर लड़ाई लड़ी थी। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह नया भारत है अब कोई भी भारत पर हमला नहीं कर सकता है।

अब पाकिस्तान देता है सफाई

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले कांग्रेस की सरकार में आतंकी हमले होते थे तो कांग्रेस कहती थी। आतंकी सीमापार के हैं। उन्होंने कहा कि अब अगर एक पटाखा भी जोर से फट जाए तो पाकिस्तान सफाई देता है। क्योंकि उसे पता है कि ये नया भारत है। जो छेड़ता नहीं है। जो छेड़ता है उसे छोड़ता नहीं है। योगी आदित्यनाथ ने राम मंदिर को लेकर कांग्रेस पर हमला बोला। इससे भी कांग्रेस को दिक्कत है। योगी आदित्यनाथ ने कहा मैं कांग्रेस से कहना चाहता हूं कि अगर उन्हें राम मंदिर से चिढ़ है तो वह बजरंग बली का मंदिर बना दें।

मुंब्रा देवी को किया नमन

सीएम योगी आदित्यनाथ का बुलडोजर वाले पोस्टरों से स्वागत हुआ। कुर्ला में सभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने पूरे देश में फिर एक बार मोदी सरकार के नारे गूंज रहे हैं। योगी आदित्यनाथ अबकी बार 400 के पारे से कांग्रेस और विपक्ष परेशान है। योगी आदित्यनाथ मुंब्रा देवी के साथ सिद्धिविनायक को नमन किया। योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि योगी आदित्यनाथ ने भारत माता की जय और छत्रपति शिवाजी महराज की जय के नारे लगवाए। मुंबई नार्थ सेंट्रल सीट पर बीजेपी कैंडिडेट उज्जवल निकम का मुकाबला कांग्रेस की प्रत्याशी वर्षा गायकवाड़ से है।

नीतीश ने सेट किया 2025 का चुनावी एजेंडा

बिहार सरकार देगी 2024 के अंत तक 3 लाख युवाओं को रोजगार

एजेंसी ▶▶ पटना

लोकसभा चुनाव को लेकर बेतिया में चुनावी सभा को नीतीश कुमार ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि 2005 के बाद से हम कार्य करते आ रहे हैं। साल के अंत तक तीन लाख युवाओं नौकरी दी जाएगी। साथ ही पांच लाख को रोजगार मिलेगा। नीतीश कुमार वाल्मीकीनगर लोकसभा के भितहां के रूपहीटांड़ खेल मैदान में एनडीए प्रत्याशी सुनिल कुमार के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। बिहार सीएम ने कहा कि याद कीजिए 2005 से पहले यहां क्या हालत थी। जिंदगी मुश्किल से कटती थी। न सड़कें थीं, न शिक्षा, न स्वास्थ्य। जब हमारी सरकार 2005 से आई तब से राज्य के लोगों के लिए कार्य कर रहे हैं। हमारी सरकार ने हर क्षेत्र में विकास का कार्य किया। चाहे शिक्षा हो या स्वास्थ्य या फिर सड़क। हर क्षेत्र में जो कार्य हुए, उसे हमें भूलना नहीं चाहिए। हमने तो पंचायतों में उच्च माध्यमिक विद्यालय दिया। ताकि छात्राएं उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकें।

नीतीश कुमार ने कहा कि हमने लड़का-लड़की का भेदभाव मिटा दिया। साइकिल योजना,कन्या विवाह योजना,सीएम प्रोत्साहन योजना, महिलाओं के आरक्षण को बढ़ावा कर महिलाओ को आगे लाया। हमने सभी वर्ग के लिए कार्य किया है । हमारी सरकार आने के बाद ही यहां के लोग भयमुक्त माहौल में रह रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचायत से लेकर शहरी क्षेत्र में महिला आरक्षण का दायरा बढ़ाकर आधी आबादी की भागीदारी बढ़ाई। उन्होंने कहा कि बिहार में हमलोगों ने युवाओं को सरकारी नौकरी दी।

अपनी सरकार के काम गिनाए

बिहार सीएम ने कहा कि यहां जाति आधारित जनगणना के आधार पर आरक्षण का दायरा बढ़ाया गया। इको टूरिज्म के विकास के रूप में वाल्मीकि नगर में सभागार का कार्य हुआ। हम तो स्वयं क्षेत्र में भ्रमण कर जहां जहां जो आवश्यकता होती है वह कार्य होता है। बगहा में उच्च शिक्षा के लिए डिग्री कॉलेज की स्थापना का भी प्रस्ताव है । बेतिया में मेडिकल कॉलेज की स्थापना हुई। अनुमंडल स्तर पर जीएनएम की स्थापन हुई। हर पंचायतों में नल जल से लेकर सड़क,पुल, पुलिया, बिजली की व्यवस्था हुई हैं। आप हमारे कार्यों को देखकर वोट दे, ताकि विकास की रफ्तार को तेज किया जा सके।

पेज एक का शेष

तीन केंद्रीय मंत्रियों ...

सीटों पर चुनाव संपन्न हो चुका है, जिसमें 529 महिलाओं और एक थर्डजेंडर समेत 5875 उम्मीदवारों का सियासी भविष्य ईवीएम में कैद हो चुका है। जबकि इनके अलावा गुजरात की सूरत सीट से एक सांसद निर्विरोध घोषित हो चुका है। कल 20 मई सोमवार को 49 लोकसभा सीटों के लिए होने वाले मतदान के लिए शनिवार की शाम चुनाव प्रचार खत्म हो चुका है। अब सोमवार को 2 केंद्र शासित प्रदेशों तथा 6 राज्यों की इन सीटों पर मतदान के दौरान 695 उम्मीदवारों की किस्मत के लिए मतदाता ईवीएम का बटन दबाएंगे। इस चरण में सबसे ज्यादा महाराष्ट्र की 13 सीटों के लिए 264 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। जबकि लोकसभा सीट के हिसाब से देखा जाए तो महाराष्ट्री की नासिक सीट पर सबसे ज्यादा 31 प्रत्याशी तथा लद्दाख सीट पर सबसे कम 3 प्रत्याशी अपनी किस्मत आजामा रहे हैं। इस चरण में ओडिसा की 5 लोकसभा सीटों के साथ उनके दायरे में आने वाली 35 विधानसभा सीटों के लिए भी मतदान होगा।

इन दिग्गजों की साख की भी होगी परीक्षा: पांचवें चरण में यूपी की रायबरेली लोकसभा सीट पर कांग्रेस के दिग्गज राहुल गांधी और योगी सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह, ओडिशा की सुंदरगढ़ सीट पर पूर्व हॉकी खिलाड़ी एवं राज्यसभा सांसद दिलीप टिर्की, बिहार की हाजीपुर सीट पर लोजपा के चिराग पासवान, पश्चिम बंगाल की श्रीरामपुर सीट पर टीएमसी के कल्याण बनर्जी तथा मुंबई नॉर्थ सेंट्रल सीट पर आतंकी कसाब को फांसी दिलाने वाले अधिवक्ता उज्जवल निकम भी भाजपा के टिकट पर चुनाव मैदान में हैं। इनके अलावा विभिन्न दलों के सांसदों व पूर्व सांसदों जैसे दिग्गजों की भी सियासी पिच पर परीक्षा होगी।

बसपा के सर्वाधिक प्रत्याशी: लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में 49 सीटों पर प्रमुख राजनैतिक दलों में सबसे ज्यादा 46 प्रत्याशी बसपा ने उतारे हैं। जबकि भाजपा के 40, कांग्रेस के 18, सपा के 10, शिवसेना (यूबीटी) के 8, तृणमूल कांग्रेस के 7, शिवसेना (शिंदे) के 6, बीजद और सीपीआई (एम) के 5-5, राजद, सीपीआई और एआईएमआईएम के 4-4 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। राकांपा (एसपी) के 2 तथा जदयू व लोजपा का एक-एक प्रत्याशी इस चरण की चुनावी जंग में हैं। इस चरण अन्य दलों के दलों के अलावा 291 निर्दलीय भी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं।

49 सीटों पर किस दल का कब्जा: पांचवें चरण में 8 राज्यों की जिन 49 सीटों पर 20 मई को मतदान होना है, उनमें साल 2019 के चुनाव में भाजपा ने 40 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 32 सीटें जीती थी। शिवसेना ने 7, तृणमूल कांग्रेस ने 4 तथा कांग्रेस, जदयू, लोजपा, बीजद और नेशनल कांफ्रेंस ने एक-एक सीट पर जीत दर्ज की थी। बाकी 5 सीटें अन्य प्रत्याशियों के खाते में गई थी।

इन प्रमुख दलों ने दागियों पर खेला दांव: लोकसभा चुनाव के पहले चार चरणों की तरह ही पांचवें चरण में भी राजनीतिक दलों ने दागियों पर दांव खेला है। इस चरण में 159 दागी चुनाव मैदान में हैं, जिसमें प्रमुख राजनीतिक दलों में सबसे ज्यादा 19 को भाजपा ने अपना प्रत्याशी बनाया है। जबकि कांग्रेस और बसपा के 8-8, सपा के 5, तृणमूल कांग्रेस, शिवसेना (शिंदे), सीपीआई, सीपीआई (एम) और शिवसेना (यूबीटी) के 3-3, एआईएमआईएम के 2 तथा राजद व जदयू के एक-एक प्रत्याशी के खिलाफ आपराधिक मामले लंबित हैं। हालांकि सबसे ज्यादा 58 निर्दलीय प्रत्याशी भी दागियों की सूची में शामिल है। सबसे ज्यादा 93 आपराधिक मामले पश्चिम बंगाल की बराकपुर सीट से चुनाव लड़ भाजपा प्रत्याशी अर्जुन सिंह के खिलाफ दर्ज हैं।

करोड़पतियों में भाजपा के सबसे ज्यादा प्रत्याशी: लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में ज्यादातर सियासी दलों ने करोड़पतियों पर दांव खेला है। इस चरण में 227 करोड़पति प्रत्याशियों में सबसे ज्यादा 36 प्रत्याशी भाजपा के हैं। बसपा के 46 में 20, कांग्रेस के 18 में 15, सपा के सभी 10, तृणमूल के 7 में 6, शिवसेना (यूबीटी) के 8 में 7, शिवसेना (शिंदे) के सभी 6, राजद के सभी 4, राकांपा (एसपी), सीपीआई व एआईएमआईएम के चार में 2-2 प्रत्याशी धनकुबेर प्रत्याशियों की सूची में शामिल हैं। इनमें से सबसे ज्यादा अमीर प्रत्याशी यूपी की झांसी लोकसभा सीट के भाजपा के अनुराग शर्मा 212 करोड़ की संपत्ति के मालिक हैं। भाजपा के पीयूष गोयल अमीर प्रत्याशियों की सूची में तीसरे पायदान पर है। वहीं सबसे गरीब प्रत्याशी जम्मू कश्मीर की बारामूला सीट से निर्दलीय प्रत्याशी मोहम्मद सुल्तान गंवाई हैं, जिनके बाद बिहार की मुजफ्फरपुर सीट के निर्दलीय प्रत्याशी मुकेश कुमार ने अपनी संपत्ति 700 रुपए घोषित की है।

इन पूर्व मुख्यमंत्रियों...

के नेता उमर अब्दुला की साख भी दांव पर होगी। इनके अलावा पूर्व केंद्रीय मंत्रियों में ओडिशा की सुंदरगढ़ सीट से जुएल ओराम, बिहार की सारण सीट से राजीव प्रताप रूडी, यूपी की फतेहपुर सीट से निरंजन ज्योति तथा झांसी से कांग्रेस के प्रदीप जैन भी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं।

कांग्रेस-आप पर ...

हो, सोलर रेव्यूलुशन हो, हर क्षेत्र में युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए है। उन्होंने कहा कि दिल्ली हरियाणा में दोस्ती और पंजाब में कुश्ती ऐसे कैसे चलेगा। एक समय था कि कांग्रेस देश भर में राज करती थी। पीएम ने कहा कि कांग्रेस की चार पीढ़ियों ने दिल्ली में राज किया लेकिन आज स्थिति यह है कि दिल्ली के अंदर कांग्रेस चार सीट पर लड़ने की ताकत नहीं है। दूसरी ओर 2024 का यह चुनाव उस सोच को भी हराने के लिए है जिसमें वर्षो तक भाई-भतीजावाद, परिवारवाद के चलते भारत के युवाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने से रोकने के लिए है। पीएम मोदी ने ये बातें पूर्वी दिल्ली में विशाल चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कही।

पहले एक परिवार के...

कार्यकाल रहा है। 10 साल पहले दिल्ली में नेशनल हाईवे की लंबाई 80 किलोमीटर थी अभी 160 किलोमीटर से ज्यादा हो गई है। और फॉर लेन के हाईवे की लंबाई दोगुनी हो गई है। 2014 में दिल्ली मेट्रो का जो नेटवर्क था वह दोगुना हो गया और आज दिल्ली मेट्रो में हर रोज 65 लाख लोग सफर करते हैं।

सबके घर का सपना...

तहत पक्के मकान दिया जा रहा है। पीएम सूर्य घर मुफ्त योजना के तहत 300 यूनिट तक का बिजली बिल जीरो हो जाएगा और इसके लिए भारत सरकार 75000 रुपए की राशि सहायता के लिए रुपए में दीजिए। जिसका प्रयोग आप सोलर पैनल लगाने में करेंगे और जो उपभोग के बाद बिजली बचेगी उसे सरकार खरीदेगी।

बिभव केवल एक...

पीड़िता राज्यसभा सांसद स्वाती मालीवाल का चरित्र हनन करने पर तीखी आलोचना की और इस मामले में "आप" संयोजक व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सहित इंडी गठबंधन के नेताओं की चुप्पी साधने पर जमकर प्रहार किया। पूनावाला ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री आवास पर एक महिला सांसद के साथ इतनी भयानक घटना घटती है और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल अबतक कुछ बोल नहीं पाए। जबकि इस मामले का आरोपी बिभव कुमार उनके साथ लखनऊ एयरपोर्ट पर भ्रमण करते नजर आए। दिल्ली पुलिस आरोपी को मुख्यमंत्री आवास से पकड़ कर ले जाती है, सवाल उठता है कि एक महिला सांसद से दुर्व्यवहार करने वाला आरोपी केजरीवाल के आवास पर क्यों था? राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने 14 मई को बयान दिया था कि कल एक बहुत दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई। स्वाती मालिवाल, केजरीवाल जी के घर गईं थीं और उनके ड्रॉइंग रूम में प्रतीक्षा कर रही थीं, लेकिन बिभव कुमार ने उनके साथ मारपीट और अभद्रता की, मुख्यमंत्री केजरीवाल ने मामले का संज्ञान लिया है और वे इस पर कार्रवाई करेंगे। यह बहुत शर्मनाक घटना है। पूनावाला ने कहा कि संजय सिंह द्वारा घटना को स्वीकार करने के बावजूद अगले दिन शर्मसार करने वाली तस्वीर आयी कि बिभव कुमार केजरीवाल के साथ थे और आप कार्यकर्ताओं ने मीडियाकर्मियों के साथ अभद्रता की। आज केजरीवाल सरकार के मंत्री आतिशी मर्लेना अपने मंत्रीपद को बचाने के लिए प्रेसवार्ता करते हुए कहती हैं कि एक और वीडियो क्लिप सामने आई है जिसमें स्वाति मालीवाल जी लंगड़ा नहीं रही हैं और उनके कपड़े फटे हुए नहीं हैं। वे रो नहीं रही हैं बल्कि गुस्से से चिल्ला रही हैं। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि आम आदमी पार्टी का कहना है कि यदि किसी पीड़िता के साथ दुष्कर्म, मारपीट या छेड़छाड़ हुई है और वो महिला रोन-धोना नहीं कर रही हैं, लहूलुहान नहीं हो, कपड़े फटे नहीं हों, तो इसका मतलब है कि उस महिला के साथ कुछ हुआ नहीं है? एक पीड़िता के विषय में इस तरह की बातें करना 'विक्टिम ब्लेमिंग और विक्टिम शेमिंग' करना है। इस तरह के तर्क आम आदमी पार्टी अपने प्रेस वार्ता में दिया है, जो बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। पूनावाला ने सांसद संजय सिंह की प्रेस वार्ता की वीडियो पेश करते हुए कई सवाल खड़े किए। उन्होंने पूछा 72 घंटे में आप नेता आतिशी को यू टर्न लेना पड़ा, क्यों? क्या "आप" सासंद संजय सिंह झूठ बोल रहे थे? एक घंटे के घटनाक्रम में से 20-20 सेकंड के वीडियो जारी कर आम आदमी पार्टी क्या नैरेटिव बनाना चाहती है? अगर स्वाती मालीवाल झूठी, गद्दार और भ्रष्टाचारी थी, तो क्यों आम आदमी पार्टी ने उन्हें राज्यसभा का टिकट दिया था?

स्वाति मालीवाल...

के बीच सीएम हाउस से एक दूसरा वीडियो भी सामने आया है। वीडियो के आधार पर आप नेता मालीवाल के आरोपों को गलत ठहरा रहे हैं। साथ ही मालीवाल की मेडिकल रिपोर्ट भी वायरल हो रही है, जिसमें उनके शरीर के कई हिस्सों में चोट बताई गई है। इस रिपोर्ट की दिल्ली पुलिस द्वारा आधिकारिक पुष्टि फिलहाल नहीं की गई है।

श्रद्धालुओं से भरी बस...

दर्शन करने निकले थे, जो बनारस और वृंदावन से दर्शन करके वापस आ रहे थे। आग लगने की जानकारी मिलने के बाद फायर ब्रिगेड मौके पर आग बुझाने पहुंचा लेकिन उससे पहले ही स्थानीय लोग आकर आग पर काबू पाने में जुटे रहे। पाने की कोशिश कर रहे थे। ग्रामीणों और दमकल कर्मियों ने बड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया। हादसे के शिकार लोग पंजाब और चंडीगढ़ के रहने वाले बताए जा रहे हैं, जो मथुरा और वृंदावन दर्शन कर लौट रहे थे।

गांव वालों ने बस का पीछा कर ड्राइवर को दी आग की खबर: घटनास्थल पर मदद के लिए पहुंचे ग्रामीण साबिर, नसीम, साजिद और एहसान आदि ने बताया कि देर रात करीब 1:30 बजे एक चलती बस में उन्हें आग की लपटें दिखाई दी। उन्होंने आवाज लगाकर चालक को बस रोकने को कहा, लेकिन बस नहीं रुकी फिर एक युवक ने मोटरसाइकिल पर सवार होकर बस का पीछा किया और चालक को आग लगने सूचना दी। इसके बाद बस रुकी लेकिन तब तक बस में आग काफी तेज हो चुकी थी।

आंध्र प्रदेश में सड़क....

पुलिस अधिकारी सिव भाकर रेड्डी ने बताया कि अनंतपुर के सात लोग एक कार में शादी की खरीददारी के लिए हैदराबाद गए थे। वहां से लौटते वक्त जिले के गूटी के पास बाचुपल्ली में हादसा हो गया। रेड्डी ने बताया कि कार के ड्राइवर को झपकी आ गई थी, जिस वजह से कार डिवाइडर पर चढ़ गई और डिवाइडर पार करके वह ट्रक से टकरा गई। हादसे में कार का ड्राइवर बच गया। मामला दर्ज कर लिया गया है।

छग में 5 लोगों की..

और कुल्हाड़ी भी मिले हैं। आशंका जताई जा रही है कि, पड़ोसी युवक ने प्रेम प्रसंग के चलते वारदात को अंजाम दिया है। उसने मासूम समेत 5 लोगों को मारने के बाद वहीं फांसी लगाकर खुदकुशी की है। मृतकों में हेमलाल (56) पत्नी जगमती (50), बेटी ममता (27), गर्भवती बेटी मीरा (25), मीरा का 3 साल का बेटे का शव मिला है। वहीं, मनोज साहू उर्फ पप्पू टेलर (27) पड़ोसी है। जानकारी के मुताबिक, पप्पू टेलर पड़ोसी था और उसका मीरा के साथ अफेयर चल रहा था। पहले भी अफेयर को लेकर विवाद हुआ था और पप्पू टेलर को जेल भेजा गया था। आशंका जताई जा रही है कि, जेल से छूटने के बाद विवाद और बढ़ा, तो उसने सभी की हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि मीरा की शादी हो चुकी है और वह भाई की शादी के लिए अपने मायके आई हुई थी। शादी की तैयारी को लेकर भाई बाजार गया हुआ था। इसी दौरान यह वारदात हुई।

घर में खून ही खून: पुलिस जब घर के अंदर घुसी तो अलग-अलग कमरों में लाश मिली और सभी लाशें खून से सनी थी और कमरे में भी खून बिखरा पड़ा था। इनमें मृतक ममता मानसिक रूप से बीमार थी।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
नई दिल्ली, रविवार 19 मई 2024

प्रिकॉशन / शिखर चंद जैन

यह सही है कि सोशल मीडिया ताजा घटनाओं से अपडेट रहने, तरह-तरह के लोगों से संपर्क बनाने का अच्छा माध्यम है। लेकिन कई बार लापरवाह यूजर्स को इसकी वजह से बड़ा खामियाजा भी भुगतना पड़ जाता है।

सोशल मीडिया पर पोस्ट करने से पहले...

इन दिनों फेसबुक, व्हाट्सएप या अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की वजह से अनेक अपराध घटित हो रहे हैं। ऐसी अप्रिय घटनाओं या हादसों से बचना है तो बेहतर होगा कि सोशल साइट्स पर कुछ भी पोस्ट करते समय जरा संयम और विवेक से काम लिया जाए और कुछ इंफॉर्मेशंस पोस्ट करने से बचा जाए।

वोटर आईडी या आधार कार्ड फोटो : जिन युवाओं को पहली बार वोटर आईडी या आधार कार्ड मिलता है, वे कई बार अति उत्साह में उसकी फोटो फेसबुक पर पोस्ट कर देते हैं और सबको बताते हैं कि अब वे भी कार्ड धारक बन चुके हैं। शातिर लोग न सिर्फ यहां से आपका नाम पता बल्कि और भी कई महत्वपूर्ण जानकारियां चुरा सकते हैं। इतना ही नहीं इन काड्र्स की कॉपी हासिल करके सिम कार्ड खरीदने, कोई बड़ी बेनामी खरीद करने या फर्जी बैंक खाता खोलने में इनका दुरुपयोग भी किया जा सकता है। इसके मिसयूज से आप मुसीबत में पड़ सकते हैं।

टिकट-बोर्डिंग पास की फोटो: माना कि आप फ्लाइट की यात्रा या ट्रिप के लिए बेहद एक्साइटेड हैं, लेकिन लोगों को यह बताने के लिए बोर्डिंग पास या टिकट की फोटो पोस्ट करना सही नहीं है। यहां पीएनआर नंबर से आपके बारे में काफी गहरी जानकारियां हासिल की जा सकती हैं, जिससे आपको आर्थिक और मानसिक क्षति उठानी पड़ सकती है। इतना ही नहीं अपराधी प्रवृत्ति के लोग घर पर चोरी का प्लान भी बना सकते हैं।

रेग्युलर अपडेट करना : अपनी हर छोटी-बड़ी गतिविधियों, शौक और आदतों के बारे में पोस्ट लिखना, पारिवारिक फोटो पोस्ट करना आपको काफी महंगा पड़ सकता है। इस प्रकार आपकी आर्थिक स्थिति, परिवार में मौजूद सदस्यों, आपके शौक और आपकी कमजोरियों के विषय में काफी कुछ मालुमात हासिल किए जा सकते हैं। इन तस्वीरों या पोस्ट्स का इस्तेमाल आपको ब्लैकमेल करने के लिए भी किया जा सकता है।

ज्यादा बोल्ड दिखने की कोशिश

कई युवक-युवतियां खुद को मॉडर्न, अपटूडेट और आजाद ख्यालों का दिखाने के फेर में जरूरत से ज्यादा बोल्ड पोस्ट लिखते हैं, उल्टी सीधे पोज में अपने फोटो पोस्ट करते हैं और किसी दूसरे की पोस्ट पर बेबाक कमेंट्स लिख देते हैं। ध्यान रहे, आपका एंप्लॉयर, पति-पत्नी या रिलेटिव्स भी आपकी पोस्ट पढ़ सकते हैं। इसका कई तरह से विपरीत असर हो सकता है। रिश्ता होने में दिक्कत आ सकती है, आजकल हर ऑफिस में स्त्री-पुरुष साथ काम करते हैं, ऐसे में आपका जरूरत से ज्यादा बेबाक होना अच्छी बात नहीं मानी जाएगी।

हेट पोस्ट : अगर आपकी हर राजनीतिक खबर पर तीखी टिप्पणी लिखने या दबंग कमेंट्स करने की आदत है, तो जरा संभल जाइए। इससे किसी की शिकायत पर आपको सजा हो सकती है। माना कि हमारे देश में हर किसी को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है, लेकिन इसमें शिष्टता की सीमा रेखा का उल्लंघन नहीं होना चाहिए।

घर की तस्वीरें : कई लोग अपने घर के कोने-कोने की तस्वीर पोस्ट करते रहते हैं। इससे हर कोई आपके घर से वाकिफ हो जाता है। फेसबुक पोस्ट को हजारों लाखों लोग देख सकते हैं और कौन किस मानसिकता और मकसद से आपकी पोस्ट देखेगा, इसका अंदाजा लगाना असंभव है। इससे आप परेशानी में फंस सकते हैं।

सेल्फी की ओवरडोज: पिछले साल 800 लोगों पर हुई एक स्टडी में भी कहा गया कि जो सोशल साइट पर ढेर सारी सेल्फी पोस्ट करते हैं, उनके साइकोपैथ होने की अधिक संभावना होती है। क्योंकि लंबे समय तक ऐसा करने से अलग तरह की सोच विकसित होने लगती है। इसलिए सोशल मीडिया पर सब कुछ पोस्ट करने से बचें। *

फैक्ट्रियों और रिस्की मैकेनिकल कार्यों में तो रोबोट्स का इस्तेमाल बढ़ ही रहा है, लेकिन एआई बेस्ड ह्यूमनाइड रोबोट्स अब अन्य फील्ड्स में भी एंट्री करने लगे हैं। ऐसे ही एक रोबोटीचर ने केरल के एक स्कूल में पढ़ाना शुरू किया है। इसकी खासियतों समेत रोबोटीचर्स के बढ़ते चलन से उपजने वाली संभावनाओं और आशंकाओं पर एक नजर।

टीचिंग का एआई अवतार रोबोटीचर आइरिस

कवर स्टोरी
दिव्यज्योति 'नंदन'

एक ऐसे देश में जहां साल 2021-22 की एक रिपोर्ट के मुताबिक 95,07,123 टीचर थे और अगर इस रिपोर्ट में दूरदराज के निजी स्कूल टीचरों को भी जोड़ लिया जाए तो इनकी संख्या एक करोड़ से काफी ऊपर पहुंचती है। उस देश की समूची टीचर बिरादरी की नींद, केरल की एक टीचर ने उड़ा दी है। ऐसा हो भी क्यों न? क्योंकि यह कोई सामान्य टीचर नहीं है। केरल की राजधानी तिरुअनंतपुरम के एक हायर सेकेंडरी स्कूल में पिछले महीने टीचिंग जॉब के लिए देश की पहली एआई रोबोट टीचर नियुक्त की गई। इसका नाम आइरिस है और इसे मेकरलैब्स एडूटेक की मदद से बनाया गया है। यह भारत की पहली जनरेटिव आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस टीचर है यानी आइरिस एक ह्यूमनाइड रोबोट है।

अनेक सब्जेक्ट्स में एक्सपर्ट

रोबोट होने के बाद भी दिखने में आइरिस बिल्कुल सामान्य केरलाइट महिला जैसी लगती है। लगभग 48 किलो वजन वाली 5 फीट 7 इंच की आइरिस फर्राटे से हिंदी, अंग्रेजी और मलयालम भाषाएं बोलती है। यह एक ऐसी स्कूल टीचर है, जो कला से लेकर कृषि तक और विज्ञान से लेकर संस्कृत तक न सिर्फ आसानी से पढ़ाती है बल्कि छात्रों के सवालों का उत्तर बिल्कुल सहजता से देती है। आप इस टीचर से किसी एक विषय का नहीं, किसी भी विषय का प्रश्न कर सकते हैं, यह लगभग सभी सवालों का जवाब दे देगी बशर्ते क्लास में शोरगुल न हो। केरल की महिलाओं की तरह गहरे रंगों की पारंपरिक साड़ी पहनने वाली आइरिस को शोर-शराबे से चिढ़ है। शोर-शराबा होते ही उसका मूड उखड़ने लगता है और सवालों का जवाब देने की बजाय वह मौन होने लगती है।

रियल टीचर्स में बढ़ी चिंता

आइरिस भले स्कूल बच्चों के बीच बेहद प्यारी मैम हो, लेकिन केरल के करीब पौने दो लाख और देशभर के लाखों टीचरों की इसने नींद उड़ा दी है। अगर सब इससे खफा या परेशान नहीं हैं तो भी शिक्षक बिरादरी में आइरिस को एक विलेन की तरह देखा जा रहा है। ऐसा हो भी क्यों न! भारत में जहां पढ़े-लिखे लाखों नौजवान बेरोजगार हों, जहां देशभर में करीब 20 लाख प्राथमिक अध्यापकों की कमी हो और उन्हें इसलिए न भर्ती किया जाना संभव हो रहा हो कि राज्य सरकारों को उन्हें वेतन देने के लिए पर्याप्त फंड की कमी हो, उस देश में 20 से 25 लाख की इस रोबोट टीचर का शिक्षक बिरादरी के बीच विलेन बन जाना स्वाभाविक है।

कई मायने में बेहतर

आइरिस भले रोबोट टीचर हो, लेकिन अब तक के अनुभव से साफ है कि उसके पास बच्चों के 99.99 फीसदी सवालों का सही और सटीक जवाब है। वह बिल्कुल सही समय पर पढ़ाने के लिए कक्षा में प्रवेश करती है और बिल्कुल सही समय पर अपना पाठ खत्म करके दूसरी क्लास की तरफ बढ़ जाती है। फालतू की बातें, किसी से ईर्ष्या नहीं, किसी को विशेष और किसी को गैर विशेष समझने की कोई आदत नहीं। सबसे बड़ी बात यह है कि आइरिस जरा भी वक्त जाया नहीं करती। भला ऐसी टीचर किसे पसंद नहीं होगी।

कुछ को पसंद-कुछ को नापसंद

पिछले करीब एक दशक से पूरी दुनिया में आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस को लेकर जो नैतिक और सामाजिक बहस छिड़ी हुई है, क्या आइरिस ने उस बहस को और नजदीक से हवा दे दी है? लगता तो ऐसा ही है। आइरिस के अपने काम पर नियुक्त होने के एक दिन बाद ही सोशल मीडिया में ऐसे ह्यूमनाइड रोबोट टीचरों के विरोध में लाखों पोस्ट का तूफान आ गया, जिससे यह पता चलता है कि पहले से ही बेरोजगारी के चक्रव्यूह में फंसे देश में एआई कितना बड़ा संकट है। लेकिन पूरी तरह से सभी लोग उसका विरोध भी नहीं कर रहे। एक बड़ी संख्या है, ऐसे लोगों की जो आइरिस के पक्ष में हैं। एक नजरिए से देखें तो यह स्कूल मैनेजमेंट के लिए भी अनुकूल है। क्योंकि महज 20 से 21 लाख में बनने वाली और करीब 500 से 1000 रुपए मासिक के बीच की मेंटेनेंस का खर्च कराने वाली यह अध्यापिका स्कूल मैनेजमेंट के लिए फायदे का सौदा है। आमतौर पर प्राइवेट या मान्यता प्राप्त स्कूलों में टीचर्स को 50 से 60 हजार रुपए की मासिक सैलरी मिलती है और करीब-करीब हर विषय के टीचर रखने पड़ते हैं। इसलिए एक तरफ जहां ये रोबोट टीचर, स्कूल मैनेजमेंट के लिए फायदे का सौदा हैं, वहीं छात्रों और अभिभावकों के लिए भी ये स्वीकार्य हैं। क्योंकि एक बार बड़े पैमाने पर रोबोट टीचर आ जाएं तो जहां शिक्षा के बजट में भारी कटौती संभव है, वहीं करीब-करीब सभी विषयों की भरपूर जानकारी रखने वाले ये टीचर छात्रों के लिए भी ज्यादा मुफीद साबित होंगे।

आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि ऐसे रोबोटीचर्स की तादाद बढ़ती है या इंसानी टीचर्स के विरोध के चलते ये रोबोटीचर्स सीमित ही रह जाते हैं। *

कई देशों में एक्टिव रोबोटीचर्स

हालांकि न तो देश में न ही दुनिया में आइरिस कोई पहली ह्यूमनाइड रोबोट टीचर है। इस समय यूरोप से लेकर अमेरिका तक 2 लाख से ज्यादा ऐसे ह्यूमनाइड रोबोट टीचर मौजूद हैं, जो छोटे बच्चों के स्कूलों से लेकर यूनिवर्सिटीज तक में पढ़ा रहे हैं। हालांकि मौलिक रूप से ये रोबोटिक टीचर इस कदर आकर्षित करने वाले नहीं हैं कि हर कोई उनके विकल्प के बारे में सोचें। लेकिन यह उस देश में जहां 90 फीसदी टीचर पढ़ाने में बहुत अच्छे और इनोवेटिव न माने जाते हों, जहां बड़ी संख्या में सरकारी टीचर रुचि न लेते हों और बड़े पैमाने पर अपने पढ़ाए जाने वाले विषयों में पर्याप्त समझ और जानकारी न रखने वाले टीचर, आइरिस जैसी स्मार्ट-एक्सपर्ट टीचर से भय तो खाएंगे ही।

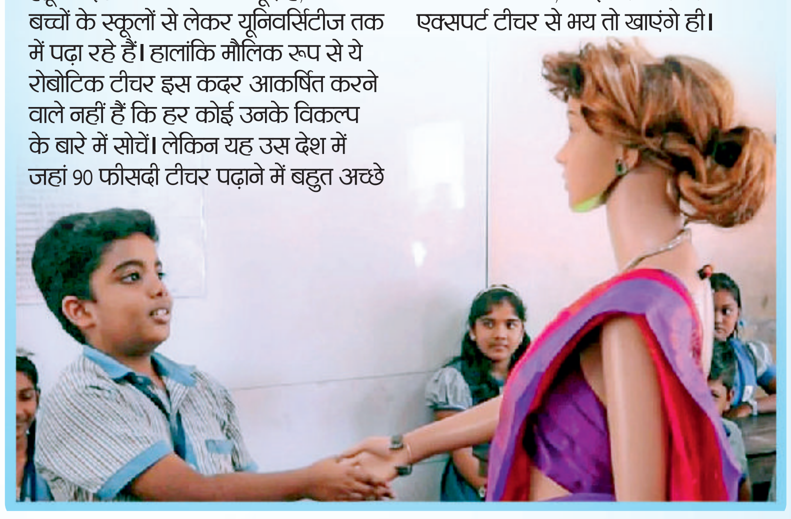

सजेशन / डॉ. मोनिका शर्मा

अच्छी हेल्थ और फिटनेस के लिए फिजिकल एक्टिविटीज का होना बहुत जरूरी है। अनेक स्टडीज से साबित हुआ है कि स्टेबल लाइफस्टाइल कई तरह की हेल्थ प्रॉब्लम्स को बढ़ा सकती है। इसलिए इस बारे में एलर्ट रहना जरूरी है।

स्टेबल लाइफस्टाल बढ़ाती हेल्थ प्रॉब्लम्स

अच्छे स्वास्थ्य के मामले में डाइट और एक्सरसाइज ही नहीं हमारी रोजाना की एक्टिविटीज भी अहम भूमिका निभाती हैं। खासकर इन एक्टिविटीज को दिया जाने वाला समय। जैसे बहुत समय बैठना सेहत के लिए घातक है तो जरूरत और क्षमता से बहुत ज्यादा चलना-दौड़ना भी। नींद की कमी भी परेशानी का सबब बनती है और सोने-जागने का समय निर्धारित न होना भी। यानी दिनभर की गतिविधियों में एक संतुलन आवश्यक है। अच्छे स्वास्थ्य को लेकर किए एक अध्ययन में वैज्ञानिकों द्वारा शारीरिक गतिविधियों के समय को लेकर कहा गया है कि दिनभर में खड़े रहने और बैठने के समय में एक बैलेंस होना चाहिए।

बैलेंस है जरूरी : ऑस्ट्रेलिया में स्विनबर्न यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के शोधकर्ताओं के अनुसार लोगों को दिन में पांच घंटे खड़े रहना चाहिए और छह घंटे बैठना चाहिए। इसके अलावा प्रतिदिन चार घंटे हल्की और मध्यम शारीरिक गतिविधि करनी चाहिए। हल्की-फुल्की फिजिकल एक्टिविटी का अर्थ चलने से लेकर खाना पकाने और घर के काम-काज पूरा करने तक से है। अध्ययन के अनुसार नियमित रूप से शारीरिक गतिविधियां करने से हार्ट हेल्थ भी बेहतर होती है। असल में आज की बदली हुई जीवनशैली में बैठने, चलने का यह संतुलन हर उम्र के लोगों के लिए जरूरी हो गया है। मौजूदा लाइफस्टाइल में मनोरंजन से लेकर काम-काज और आस-पास की आवाजाही तक, गाड़ी हो या आरामदायक कुर्सी-सोफा, अधिकतर समय बैठने तक सिमट गया है। यह गतिहीन जीवनशैली कई तरह से घातक है। यह निष्क्रियता हड्डियों, मांसपेशियों में जकड़न और मानसिक रूप से थकावट लाने वाली भी है। थोड़े समय के लिए भी चलने-फिरने का ब्रेक ना लेकर लगातार बैठे रहना, स्वास्थ्य से जुड़े जोखिम बढ़ा रहा है।

सजग रहना बहुत आवश्यक

ऑस्ट्रेलिया में स्विनबर्न यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के शोधकर्ताओं द्वारा 2000 लोगों को लेकर किए गए अध्ययन में यह भी पता चला है कि बेहतरीन स्वास्थ्य के लिए लोगों को रोजाना आठ घंटे की बेहतर नींद लेनी चाहिए। आमतौर पर गतिहीन जीवनशैली वाले लोगों में अच्छी नींद ना ले पाने की परेशानी भी देखने को मिलती है। ठीक से आराम ना कर पाने की स्थिति में शारीरिक और मानसिक सेहत भी प्रभावित होती है। साथ ही रोग-प्रतिरोधक क्षमता भी कमजोर होती है। समग्र रूप से स्वस्थ जीवनशैली में नियमित गतिशील बने रहने के प्रयास आवश्यक हैं।

लेते रहें ब्रेक: घर, दफ्तर या स्कूल, कॉलेज लगभग हर आयुवर्ग के लोगों का लंबा समय एक ही जगह बैठे बीत रहा है। घंटों बैठे रहना आजकल की लाइफस्टाइल में आम बात है। यूं देर तक बैठे रहना सही-गलत पोस्चर का ख्याल भी नहीं रहने देता। साथ ही फिजिकल एक्टिविटी की कमी से डायबिटीज, हार्ट प्रॉब्लम्स, कैंसर, वैरिकोज नर्व, कमर दर्द की परेशानी भी बढ़ रही है। मोटापा और आलस्य जैसी तकलीफें भी आती हैं। इतना ही नहीं लगातार बैठे रहने से तनाव और अवसाद भी बढ़ता है। आमतौर पर काम-काजी और घरेलू दोनों ही मोर्चों पर गतिहीन जीवनशैली जी रहे लोग कुछ समय निकालकर सुबह शाम तेज गति से की गई एक्सरसाइज जैसे साइकिलिंग, जॉगिंग या वॉक को ही महत्वपूर्ण मानते हैं। ज्यादातर लोग लंबे समय तक बैठे रहने के दौरान बीच-बीच में ब्रेक लेकर कुछ कदम चलने या शरीर को स्ट्रेच करने की ओर ध्यान नहीं देते। जबकि नियमित रूप से ऐसे छोटे-छोटे विराम और हल्की-फुल्की मूवमेंट्स शरीर और मन-मस्तिष्क के लिए बेहद जरूरी हैं। इतना ही नहीं चहलकदमी के लिए कुछ पल निकालने जैसी सब गतिविधियां भी अच्छी नींद, मन के सुकून और शरीर की सेहत से गहराई से जुड़ा है। *

गजल / हबीब कैफी

सो गए फुटपाथ पर

हम सिरहाने धर के हाथ हाथ पर
थक गए तो सो गए फुटपाथ पर।
शोर सारी रात होता है तो हो
ऐतराज उनको तो है नग्मात पर।
कीजिए मत रोजी-रोटी के सवाल
वो खफा हो जाएंगे इस बात पर।
कोई पाकर हीरे-मोती चुप रहा
कोई इतराता रहा खैरात पर।
हो रहा है खुश बहुत वो इन दिनों
हो रहा था कल खफा जिस बात पर।
नींद में उनकी खलल पड़ जाएगा
तब्सरा मत कीजिए हालात पर।
नाम पर मजहब के लड़ते देखकर
जानवर हंसते हैं आदमजात पर।

व्यंग्य
प्रियदर्शी खैरा

गमछा बदलते ही सिद्धांत बदल जाते हैं, मान्यताएं बदल जाती हैं, वाणी बदल जाती है, भाषा-शैली में परिवर्तन आ जाता है। जिन्हें जीवन भर गाली देते रहे, वे मित्र बन जाते हैं, मित्र दुश्मन हो जाते हैं। ऐसे क्रांतिकारी परिवर्तन आत्मा की आवाज ही कर सकती है। इसे गमछा क्रांति कहते हैं।

...और गमछा बदल गया

इधर कुछ समय से मौसम की तरह राजनीतिक पार्टियां रंग बदल रही हैं और राजनेता, पार्टियां। कब उनके गमछे का रंग और डिजाइन बदल जाए, पता नहीं चलता। दो बुद्धिजीवी इस विषय पर मोबाइल पर इत्मीनान से चर्चा कर रहे थे, उन्हें पता ही नहीं चला कुछ देर बाद उनकी बातचीत का ऑडियो वायरल हो गया। वायरल ऑडियो का आप भी आनंद लीजिए-

-भाई साहब, राजनीति में भी आजकल अध्यात्म प्रवेश कर गया है।

-सच..! कैसे?

-हमारे माननीय को आत्मज्ञान हो गया, उन्हें आत्मा की आवाज सुनाई देती है।

-आत्मा बोलती है?

-वो तो माननीय बताएंगे, बोलती नहीं तो सुनते कैसे?

-अच्छा, हमें तो पचास साल हो गए साधना करते-करते, आज तक आत्मा की आवाज नहीं सुनाई दी।

-आपके गुरु ठीक नहीं, माननीय के ये चौथे गुरु हैं।

-गजब, माननीय तो क्रांतिकारी निकले। यहां एक गुरु बनाने में जिंदगी निकल गई, माननीय ने चार-चार गुरु बना लिए। पुरानी साधना का क्या हुआ?

-गुरु बदला, साधना बदली। नए गुरु ने उन्हें गमछा दीक्षा दे दी।

-यह गमछा दीक्षा क्या होती है?

-नए गुरु ने पुराना गमछा उतारा और अपने अखाड़े का नया गमछा पहना दिया। माननीय वही हैं, पर गमछा बदल गया।

-पहले तो टोपी पहनाते थे वह।

-दौर बदल गया है, अब टोपी जनता को पहनाते हैं। इनका सिर्फ गमछा बदलता है। गमछा बदलते ही वैचारिक-कल्प हो जाता है।

-ये वैचारिक कल्प क्या होता है?

-आप भी प्रभु, जैसे कायाकल्प, वैसे ही वैचारिक-कल्प। गमछा बदलते ही सिद्धांत बदल जाते हैं, मान्यताएं बदल जाती हैं, वाणी बदल जाती है, भाषा शैली में परिवर्तन आ जाता है। जिन्हें जीवन भर गाली देते रहे, वे मित्र बन जाते हैं, मित्र दुश्मन हो जाते हैं। ऐसे क्रांतिकारी परिवर्तन आत्मा की आवाज ही कर सकती है। इसे गमछा क्रांति कहते हैं।

-यह गमछा दीक्षा तो बड़ी शक्तिशाली है।

-हां भई हां, इसे डालते ही शक्तिपात होता है, आप विपक्ष से सत्ता पक्ष में आ जाते हैं, सत्ता पक्ष से विपक्ष में चले जाते हैं। आजकल इसकी बहुत मांग है, अब तो सामूहिक गमछा दीक्षा होने लगी है।

-यह गमछा भी गजब की चीज है भाई साहब, कहीं भी उपयोग कर लो। गर्मी में सिर पर बांध लो और ठंडी में कान पर। चाहो तो पसीना पोंछ लो, आवश्यकता पर तकिया बना लो। अगर कहीं गए और अंडरवियर ले जाना भूल गए, तो इसको पहनकर नहा लो। आपने तो इसका एक और उपयोग बता दिया, रंग बदल दो, डिजाइन बदल दो तो अखाड़ा (पार्टी) बदल जाता है, पर आदमी वही रहता है।

-भाई साहब, आजकल गमछा का साइज छोटा हो गया है, वह पट्टे में बदल गया है। अब पट्टा पहनाने लगे हैं। जिससे वफादारी बनी रहे।

-हां भैया अब समझ में आया पट्टा क्यों पहनाते हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

किताबों पर बातें

वरिष्ठ लेखक-पत्रकार सुधांशु गुप्त गंभीर और जुनूनी पाठक हैं। ना केवल पाठक बल्कि अच्छे समीक्षक भी हैं। हाल में छपकर आई उनकी किताब 'कुछ किताबें कुछ बातें' उनकी दोनों विशेषताओं को साबित करती है। यहां हिंदी समेत कई देशी, विदेशी भाषाओं में छपी अनेक चर्चित किताबों पर लेखक ने अपने विचार व्यक्त किए हैं। अच्छी बात यह है कि लेखक के ये समीक्षात्मक विचार, आलोचनात्मक गांभीर्य से मुक्त होते हुए भी कृति को समझने का सहज रास्ता खोलते हैं। *

पुस्तक: कुछ किताबें कुछ बातें (साहित्यिक समीक्षाएं), **लेखक:** सुधांशु गुप्त, **मूल्य:** 500 रुपए, **प्रकाशक:** भावना प्रकाशन, दिल्ली

अगर आपकी है रचनात्मक लेखन में रुचि

अगर आप अपने आस-पास की बदलती दुनिया पर नजर रखते हैं। आप हटकर सोचते हैं, आपके भीतर विवेचन और लेखन की क्षमता है, आप पत्रकारिता-लेखन के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो जुड़िए दैनिक हरिभूमि से। हमें दिल्ली में अपने फीचर विभाग के लिए आवश्यकता है-

- वरिष्ठ उप संपादक / उप संपादक
- प्रशिक्षु उप संपादक
- हिंदी टाइपिंग में कुशल ऑपरेटर भी आवेदन कर सकते हैं।

यथाशीघ्र अपना बायोडाटा मेल करें-
E-Mail: haribhoomifeaturedep@gmail.com

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से एक साथ प्रकाशित

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन ने स्वाति मालीवाल प्रकरण में केजरीवाल को घेरा

भारतीय संस्कृति में देवी स्वरूपा मानी जाती हैं महिलाएं, स्वाति मालीवाल प्रकरण को लेकर 'आप' को जनता नहीं करेगी माफ, केजरीवाल जिम्मेदार पर करें कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आम आदमी पार्टी की सांसद स्वाति मालीवाल के मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल से अपनी स्थिति स्पष्ट करने का कहा है।

उन्होंने कहा कि आप पार्टी सांसद स्वाति मालीवाल के साथ दिल्ली के मुख्यमंत्री निवास में हुए दुर्व्यवहार को लेकर सवाल पूछे जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को भोपाल में मीडिया के सवाल का जवाब दे रहे थे।

डॉ. यादव ने कहा- घटना पर संज्ञान लेकर पार्टी स्तर पर आप को लेना चाहिए एक्शन

राज्यसभा सांसद व आप नेत्री स्वाति मालीवाल पार्टी की बड़ी नेता

ऐसा पहली बार, घर में मारपीट हो जाए और मुख्यमंत्री कुछ नहीं करें

डॉ. यादव ने कहा कि यह दिल्ली की आप पार्टी और मुख्यमंत्री केजरीवाल के घर के अंदर और उनके खुद के व्यवहार का मामला है। आजादी के इतिहास में पहली बार ऐसा हो रहा है कि किसी मुख्यमंत्री को प्रकरण में जेल जाना पड़े, वो पद भी नहीं छोड़े। उनके घर में मारपीट हो जाए और मुख्यमंत्री कुछ नहीं करें। इन सब बातों को लेकर मुझे थोड़ी निराशा हुई। उन्हें इस घटना पर तुरंत ही संज्ञान लेकर जो भी जवाबदार है उस पर पार्टी स्तर पर कार्रवाई करना चाहिए।

सीएम डॉ. मोहन ने की घटना की निंदा

डॉ. यादव ने कहा कि राज्यसभा सांसद व आप नेत्री स्वाति मालीवाल उनकी पार्टी की बड़ी नेता हैं। एक महिला होने के नाते से कार्रवाई जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां तो महिलाएं देवी स्वरूपा मानी जाती है। इस प्रकरण को लेकर आप पार्टी को जनता माफ नहीं करेगी, ना उनके किसी पदाधिकारी को माफ करेगी। अभी भी समय है, उनको माफी मांगना चाहिए और इस पूरे मामले में अपनी स्थिति स्पष्ट करना चाहिए।

प्रदेश वासियों को अयोध्या दर्शन कराने के लिए बन रही है योजना

मुख्यमंत्री प्रदेश के वरिष्ठजनों को लेकर अयोध्या पहुंचे, प्रभु श्रीराम के किए दर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को प्रदेश के वरिष्ठजनों के साथ अयोध्या में रामलला के दर्शन किए। उन्होंने कहा कि एक बार मैं मंत्रिमंडल के सभी साथियों के साथ दर्शन करने अयोध्या गया था। सभी साथियों ने सपरिवार अयोध्या में श्रीराम के दर्शन किए थे, तभी यह निश्चित किया था कि प्रदेश के सभी जिलों के लोग अयोध्या जाकर दर्शन करें, ऐसी व्यवस्था की जाएगी। मेरे मन में यह सहज भाव है कि भगवान के दर्शन सभी को करने चाहिए। यह व्यवस्था इसी भाव का प्रकटीकरण होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ भोपाल से पूर्व राज्यसभा सदस्य रघुनंदन शर्मा, पूर्व सांसद नारायण केसरी, वरिष्ठ समाजसेवी ओम मेहता तथा वरिष्ठ पत्रकार रमेश शर्मा के साथ विमान से अयोध्या के लिए रवाना हुए। अयोध्या पहुंचने पर उत्तरप्रदेश विधानसभा सदस्य व भाजपा प्रदेश महामंत्री सुभाष यदुवंश, अयोध्या के विधायक वेद गुप्ता, प्रदेश भाजपा मंत्री मणींद्र पांडे और भाजपा जिला अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव तथा उनके साथ पधारे वरिष्ठ जन का आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अन्य प्रदेशों के लोग भी प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन करने आएं, इसके लिए भी योजना बनाई जा रही है।

अन्य राज्यों के लोग भी मप्र के धार्मिक स्थलों की यात्रा करें, इसके लिए भी बनेगी योजना

धार्मिक स्थलों की यात्रा और देव दर्शन से मन में रहता है संतोष

मुख्यमंत्री ने कहा कि आंतरिक दृष्टि से मप्र का भौगोलिक क्षेत्र बहुत बड़ा है, ऐसे प्रयासों से प्रदेश के देव स्थानों को लेकर लोगों में जागृति भी आएगी। धार्मिक स्थलों की यात्रा और देव दर्शन से मन में संतोष रहता है, व्यक्ति आंतरिक शक्ति का भी अनुभव करता है। इस प्रकार की यात्राएं और नवाचार क्षेत्रीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहित करने में सहायक होते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ गए वरिष्ठजन ने इस पहल के संबंध में कहा कि यह डॉ. यादव की संवेदनशीलता और वरिष्ठ जन के प्रति सम्मान की अभिव्यक्ति है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्रावस्ती में आयोजित जनसभा में कसा तंज

नाम तो समाजवादी पार्टी रखा है, व्यवहार आपका परिवारवादी पार्टी की तरह: डॉ. यादव

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को अयोध्या के बाद उप्र के श्रावस्ती पहुंचे थे। उन्होंने इस दौरान समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कहा नाम तो समाजवादी पार्टी रखा है, व्यवहार आपका परिवारवादी पार्टी की तरह है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव श्रावस्ती में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आजमगढ़ में एक स्थान पर आया था तो समाजवादी पार्टी ने कहा, इनका उत्तर प्रदेश में क्या काम? उन्होंने कहा कि पूरे भारत से मेरा संबंध है। यह भारतीय जनता पार्टी है, जो सभी को अवसर देती है। जनता में से कोई भी मुख्यमंत्री बन जाए, मंत्री बन जाए, जनता में से सांसद बन जाए, न कि एक परिवार में से ही सब कुछ बने।

गौरवशाली मौका देने वाली पार्टी का नाम है भाजपा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आम जनों से पूछा कि गरीब किसान के घर में से सांसद, विधायक बनना चाहिए या नहीं। आम आदमी में से मंत्री बने, मुख्यमंत्री बने। यह यदि कोई गौरवशाली मौका देता है, उस पार्टी का नाम ही है, भारतीय जनता पार्टी। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने नाम तो समाजवादी पार्टी रखा, लेकिन व्यवहार परिवारवादी पार्टी की तरह है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अब परिवार में चाचा ही बेचारे लाइन में खड़े रह गए। आज तक उनके साथ तो न्याय नहीं करा, किसके साथ न्याय करोगे?

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन आज मुंबई पहुंचे

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को मुंबई प्रवास पर पहुंचे। वहां उन्होंने पत्रकार वार्ता, शोभायात्रा एवं जनसभा को संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सुबह 11.50 बजे मुंबई के नरिमन प्वाइंट स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। इसके बाद दोपहर 1.35 बजे मुंबई दक्षिण मध्य लोकसभा के शिवाजी पार्क दादर में आयोजित शोभायात्रा में शामिल हुए। शाम 4 बजे मुंबई दक्षिण लोकसभा के लालबाग, मेघवाडी में जनसभा को संबोधित किया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग पहुंचे हुए थे।

एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्या कर खुद ने भी लगाई फांसी, गांव में दहशत

हरिभूमि न्यूज ⏭ सारंगढ़ बिलाईगढ़

छत्तीसगढ़ के नवगठित सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई। मिली जानकारी के अनुसार सारंगढ़ जिला से 37 किलोमीटर दूर सलिहा थाना क्षेत्र के तहत आने वाले ग्राम थरगांव में एक ही परिवार के पांच लोग, जिनमें हेमलाल, जगमती, मीरा और मीरा के दो मासूम बच्चों को पप्पू टेलर नामक युवक ने हथौड़े और धारदार टंगिया से मौत के घाट उतार दिया। इस घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी ने भी फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी आग की तरह पूरे गांव में फैल गई और देखते ही देखते मौके पर लोगों की भारी भीड़ एकत्र हो गई, जिसने भी इस घटना के बारे में सुना वह दहशत में आ गया। निर्मम हत्याकांड की जानकारी मिलते ही सलिहा थाने की पुलिस टीम सहित सारंगढ़ पुलिस अधीक्षक पुष्कर शर्मा मौके पर पहुंचे।

प्रेम-प्रसंग हो सकता है हत्या की वजह

ग्रामीणों के अनुसार हत्या का कारण प्रेम प्रसंग हो सकता है। आरोपी पप्पू टेलर जगमती से प्यार करता था उसके परिजनों ने जगमती की कहीं और शादी तय कर दी थी। अंदाजा लगाया जा रहा है कि आरोपी ने इसी वजह से हत्या की बड़ी वारदात को अंजाम देने के बाद खुद भी आत्महत्या कर ली। पुलिस अधीक्षक पुष्कर शर्मा ने बताया कि इस जघन्य हत्या का कारण अभी तक पता नही चला है। साक्ष्य एकत्र कर रहे हैं।

भारी मात्रा में विस्फोटक व अन्य सामग्री बरामद

टेटराई तोलनाई के जंगल में मुठभेड़ पुलिस ने एक नक्सली को किया ढेर

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

छत्तीसगढ़ के सुकमा में टेटराई तोलनाई के जंगल में आज सुबह पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में एक नक्सली को मार गिराया है। पुलिस ने भारी मात्रा में विस्फोटक व अन्य नक्सली सामाग्री भी बरामद की है।

मामले की जानकारी देते हुए सुकमा पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि नक्सलियों की एक पार्टी जंगल मे मौजूद है। जिसके बाद पुलिस को तोलनाई एवं टेटराई के बीच जंगल पहाड़ी में भेजा गया। जैसे ही पुलिस टीम वहां पहुंची पहले से घात लगाए नक्सलियों ने उन पर हमला कर दिया। पुलिस के द्वारा भी जवाबी कार्रवाई की गई। जिसके बाद नक्सली जंगल के रास्ते भाग गए। बाद में जवानों ने इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया तो वहां एक नक्सली का शव बरामद हुआ।

तेंदूपत्ता तोड़ने गईं दो महिलाओं पर भालुओं ने किया हमला

कोरबा। कोरबा जिले के बालको वन परिक्षेत्र के टापरा गांव के शैगोंन जंगल में तेंदूपत्ता तोड़ने गई दो महिलाओं पर दो भालुओं ने हमला कर दिया। घायल 50 वर्षीय फूलकुंवर और घायल 55 वर्षीय चंद्रमति दोनों बालको वन परिक्षेत्र के टापरा गांव की रहने वाली हैं। दोनों रिश्ते में मितानिन होते हैं और सुबह 9 बजे लगभग एक साथ तेंदूपत्ता तोड़ने गांव से लगे जंगल में गए हुए थे। तेंदूपत्ता तोड़ते समय अचानक भालुओं ने हमला कर दिया। घायल फुलकुंवर खून से लतपथ किसी तरह घर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी दी इसके बाद घायल पड़ी महिला को घर लेकर आए।

कार ने बाइक सवार को मारी टक्कर, युवक गंभीर घायल

परपा थाना क्षेत्र के हाईवे के पास हुआ हादसा

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

जगदलपुर के परपा थाना क्षेत्र के हाईवे के पास एक तेज रफ्तार कार ने एक बाइक सवार को अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। वहीं, घायल को इलाज के लिए मेकाज अस्पताल लाया गया है।

मामले की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि पामेला निवासी हरिराम मौर्य 30 वर्ष शनिवार की सुबह अपनी बाइक से सवार होकर पामेला से जगदलपुर की ओर सुबह नौ बजे के लगभग जा रहा था कि जैसे ही वह ठाबा के पास पहुंचा तो जगदलपुर की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना में युवक को सिर, पैर, हाथ में गंभीर चोट आई है। घटना के बाद वाहन चालक मौके से भाग निकला, वहीं आसपास के लोगों ने मामले की जानकारी परपा थाना पुलिस के दी।

सुपेला को सेक्टर एरिया से जोड़ने वाले अंडर ब्रिज का शुभारंभ

ब्रिज के अंदर लोगों को होता है तारामंडल का अहसास

दीवारों पर उकेरी गई खूबसूरत कलाकृतियां लोगों को करती हैं आकर्षित

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग-भिलाई

सुपेला को सेक्टर एरिया से जोड़ने के लिए रेलवे द्वारा लगभग तीन साल पहले अंडर ब्रिज का निर्माण कार्य शुरू किया गया था, जो कि अब पूरा हो चुका है। अंडर ब्रिज के दोनों तरफ खूबसूरत कलाकृतियां बनाई गई हैं, जो आकर्षण का केंद्र भी हैं। इस अंडर ब्रिज का रेलवे के डीआरएम संजय कुमार ने नारियल फोड़कर उद्घाटन किया और उद्घाटन के बाद ही अंडर ब्रिज से आवाजाही शुरू हो गई। देश में हाई स्पीड ट्रेन चलाने के लिए मुख्य रूप से रेलवे फाटकों को बंद किया जा रहा है और रेलवे फाटक के स्थान पर अब नया फ्लाई ओवर या अंडर ब्रिज का निर्माण किया जा रहा है।

डीआरएम संजीव कुमार ने नारियल तोड़कर किया उद्घाटन

रायपुर रेल मंडल के डीआरएम संजीव कुमार ने बताया कि भिलाई के सुपेला में बन रहे अंडर ब्रिज का मुआयना किया गया। इसके बाद 32 करोड़ रुपए की लागत से बनाए गए इस अंडर ब्रिज का नारियल फोड़कर उद्घाटन किया गया। जिससे लोगों को आने-जाने में काफी सहुलियत होगी।

बारिश के दिनों में ब्रिज के अंदर पानी भरने की नहीं होगी समस्या

इसी कड़ी में तीन साल पहले सुपेला रेलवे फाटक को भी बंद किया गया था, जिसके बाद अब ट्रेन बिना किसी अवरोध के आवागमन कर सकेगी। टाउनशिप से दुर्ग की ओर 85 मीटर और पावर हाउस की ओर 95 मीटर लंबा है, इसकी चौड़ाई 8.5 मीटर है।

इस अंडर ब्रिज के अंदर वाले हिस्से के दीवार में तारामंडल तक का एहसास यहां से गुजरने वाले लोग कर सकेंगे। वहीं, अंडर ब्रिज के नीचे बरसाती पानी के निकासी के लिए बनाए गए जालीदार ड्रेनेज सिस्टम की गहराई और चौड़ाई भी नए सिस्टम का प्रयोग किया गया, जो बारिश के दिनों में पानी भरने की समस्या नहीं आने की संभावना है।

समुद्र तल से आ रही नमी की वजह से मौसम हुआ ठंडा

राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के कई जिलों में सुबह हुई बारिश, तापमान में आई गिरावट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में इन दिनों मौसम का मिजाज बदला हुआ है। राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के कई जिलों में सुबह से ही बादल छाए हुए हैं। समुद्र तल से आ रही नमी की वजह से वातावरण ठंडा हो गया है। इससे प्रदेश में बारिश की स्थिति बनी हुई है। वहीं शनिवार को प्रदेश के कई जिलों में बारिश हुई। नम वातावरण होने की वजह से अधिकतम तापमान में भी गिरावट दर्ज की जा रही है।

मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में आगामी 24 घंटे में दो से तीन डिग्री अधिकतम तापमान में गिरावट होने की संभावना है। इसके बाद अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी होगी। मौसम एक्सपर्ट का कहना है कि द्रोणिका के प्रभाव से प्रदेश में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। इससे छत्तीसगढ़ के एक-दो जगह पर गरज चमक के साथ तेज हवाएं और बारिश की गतिविधियां जारी रहने की संभावना है।

मौसम विभाग का कहना है कि एक द्रोणिका दक्षिण छत्तीसगढ़ से रायलसीमा और उसे सटे उत्तरी तमिलनाडु पर चक्रवती परिसंचरण होते हुए कोमोरिन क्षेत्र तक समुद्र तल से 1.5 किलोमीटर ऊपर बनी हुई है। इससे प्रदेश में भरपूर मात्रा में नमी का आगमन जारी है। यही वजह है कि प्रदेश में सुबह से ही बादल छाए हुए हैं और बारिश की स्थिति बनी हुई है।

तेज धूप और भीषण गर्मी से राहत

छत्तीसगढ़ के चार संभाग के कई जिलों में बारिश बारिश हुई है। वहीं बस्तर संभाग के एक दो जिलों में हल्की बारिश के साथ हवाएं चलने की संभावना है। बारिश की गतिविधियां जारी रहने से प्रदेश में सुबह से ही बादल छाए हुए हैं। इससे लोगों को तेज धूप और भीषण गर्मी से राहत मिल रही है। साथ ही अधिकतम तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है।

इस सप्ताह कई अहम राजनीतिक व कूटनीतिक घटनाएं हुई हैं। चौथे चरण के चुनाव में जहां मतदान प्रतिशत बढ़ा है, यह बढ़ोतरी आगे शेष चरणों में भी देखने को मिल सकती है। आप के मुखिया दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को चुनाव प्रचार की सशर्त अनुमति अदालत से मिली तो उन्होंने 75 प्लस का मुद्दा उठाकर भाजपा को सफाई देने के लिए मजबूर कर दिया, लेकिन स्वाति मालीवाल पिटाईकांड के बाद से वे सवालों के घेरे में हैं। शेष तीन चरण के लिए जहां भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी है, पीएम नरेन्द्र मोदी ताबड़तोड़ रैली कर रहे हैं, वे फिर अयोध्या गए हैं। भाजपा पूरी क्षमता से जुटी हुई है तो कांग्रेस नेता राहुल गांधी रायबरेली तक सिमटते दिख रहे हैं, पर्चा भरने के एक सप्ताह के दरम्यान राहुल ने केवल एक रैली ओडिशा में की। राज्यों में कांग्रेस के प्रचार में राहुल सरीखे बड़े नेता नदारद हैं, सपा मुखिया अखिलेश यूपी तक सीमित हैं। आप केवल 19 सीटों पर लड़ रही है, महाराष्ट्र में शरद पवार, उद्धव व कांग्रेस नेता मोमेंटम नहीं बना पा रहे हैं, इसके उलट भाजपा शिद्दत से चुनाव प्रचार कर रही है, भाजपा के दिग्गज नेता शेष चरण के सभी राज्यों में अपने उम्मीदवार के समर्थन में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। इस बीच ईरान के साथ चाबहार पोर्ट समझौते ने भारत के लिए मध्य एशिया से यूरोप तक के ट्रेड द्वार खोल दिए हैं। चाबहार डील पर अमेरिका की धमकी को गंभीरता से लेते हुए भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। अमेरिकी धमकी को दरकिनार किया है। शेष तीन चरण के चुनाव अभियान का आंकलन व चाबहार डील से फायदे का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

शेष समर में भाजपा ने झोंकी ताकत

विश्लेषण
अवधेश कुमार
वरिष्ठ पत्रकार

निश्चय ही शेष तीन चरणों में रायबरेली, अमेठी और वाराणसी सर्वाधिक चर्चा में रहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी पहले भी रैलियां कर रहे थे, लेकिन पिछले 10 दिनों में जितना उन्होंने परिश्रम किया है वह सब रोड शो, रैलियां, कार्यकर्ताओं के साथ संवाद और टीवी इंटरव्यू में लगातार दिख रहे हैं। निश्चय ही इसका असर है और विपक्ष के नेताओं के लिए इसके समानांतर उसी रूप में संपूर्ण देश या अपने राज्यों में मतदाताओं को आकर्षित करना कठिन चुनौती है। अगर राहुल गांधी की तरह सक्रिय नहीं दिखते और रायबरेली या कुछ क्षेत्रों तक सीमित रहते हैं तथा केजरीवाल को जगह-जगह स्वाति मालीवाल के प्रश्नों पर झेंपना पड़ता है तो इसका असर चुनाव में नहीं होगा ऐसा कौन कह सकता है।

चुनाव आयोग की यह सूचना निश्चय ही उत्साहित करने वाली है कि 13 मई को हुए चौथे चरण के मतदान में मतदान करने वालों की संख्या 2019 के मुकाबले ज्यादा रही। इस चरण में मतदान 69.56 प्रतिशत हुआ जो 2019 के संसदीय चुनाव में इसी चरण की तुलना में 3.65 फीसदी अधिक है। इससे पहले के तीन चरणों में कम मतदान का कई प्रकार से विश्लेषण किया जाने लगा था। तीसरे चरण में मतदान का आंकड़ा 65.68 प्रतिशत रहा जबकि 2019 में यह आंकड़ा 68.4 फीसदी था। 26 अप्रैल को दूसरे चरण में 66.71 फीसदी मतदान हुआ जबकि 2019 में 69.64 प्रतिशत मतदान हुआ था। पहले चरण में 66.5 प्रतिशत मतदान हुआ जो 2019 के 69.43 फीसदी से कम था। हालांकि अभी चार चरणों के मतदान को मिला दें तो यह 2019 से करीब 2.5 फीसदी के आसपास कम होगा। उम्मीद करनी चाहिए कि आने वाले तीन चरणों में जहां 163 सीटों पर मतदान होना है, आंकड़ा और बढ़ेगा। अगर आंकड़ा नहीं भी बढ़ा तो राष्ट्रीय स्तर पर मतदान में इतनी कमी को ज्यादा चिंताजनक गिरावट के रूप में नहीं देखा जाएगा।

उदाहरण स्थापित किया

अभी इसमें पड़ने की आवश्यकता नहीं है कि मतदान करने वालों में भारतीय जनता पार्टी और राजग के मतदाता अधिक निकल रहे हैं या विरोधियों के। इस चुनाव ने फिर एक बार साबित किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं अपने व्यवहार से कार्यकर्ताओं, समर्थकों के लिए उदाहरण स्थापित करते हैं और राजनीति एवं चुनाव के एजेंडा भी सेट करते हैं। हालांकि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को चुनाव प्रचार के लिए उच्चतम न्यायालय द्वारा दी गई एक जून तक की सशर्त्त जमानत को आईएनडीआई गठबंधन के लिए बड़ी घटना के रूप में प्रचारित किया गया। उन्होंने अपने चरित्र के अनुरूप निकलने के साथ ही ऐसे बयान देना शुरू किया जो अभी तक आईएनडीआईए के एजेंडे में नहीं था। उदाहरण के लिए भाजपा में 75 वर्ष की उम्र में रिटायरमेंट का मुद्दा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ही अपनी पार्टी में पदों के लिए 75 वर्ष की उम्र सीमा बनाई थी जिसके कारण अनेक लोगों को चुनावी राजनीति से बाहर होना पड़ा तो वह अपने पर भी इसे लागू करेंगे। चूंकि वे 17 सितंबर, 2025 को 75 वर्ष के हो रहे हैं, इसलिए रिटायरमेंट ले लेंगे। रिटायरमेंट लेंगे तो अपने करीबी अमित शाह को ही प्रधानमंत्री बनाएंगे। उन्होंने यह भी कह दिया कि वह योगी आदित्यनाथ को उनके पद से हटा देंगे। इस पर आगे चर्चा करेंगे। दो दौर में मतदान प्रतिशत की गिरावट के बाद जो संकेत सामने आया उसके बाद प्रधानमंत्री ने ऐसा लगा जैसे नए सिरे से करवट ली हो और चुनाव प्रचार शुरू किया हो। वे अयोध्या गए ,योगी आदित्यनाथ के साथ रामलला के दर्शन किए, रोड शो किए और वहां से संदेश दिया कि चुनाव भाजपा के नियंत्रण में है। उसके बाद से चाहे वाराणसी में चौथे चरण के चुनाव के दिन नामांकन दाखिल करना हो या अन्य कार्यक्रम वे लगातार देश के सामने रहे। वाराणसी में कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए पूरे देश के भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं को संदेश दिया कि मतदान बढ़ाना आपकी भूमिका है, इसके लिए उन्होंने जिस तरह के भावनात्मक शब्दों का इस्तेमाल किया उससे कार्यकर्ता प्रेरित हुए होंगे। समाचार आ रहा था कि भाजपा के कार्यकर्ताओं-नेताओं का एक वर्ग स्थानीय स्तर पर उदासीन है। इसे ही कहते हैं नेतृत्व, जो किसी भी परिस्थिति में लोगों को प्रेरित करने के लिए जान लगा दे। प्रधानमंत्री ने यही दिखाया। उसके साथ उन्होंने दोबारा सभी टेलीविजन चैनलों को इंटरव्यू दिया। आप देखेंगे कि प्रधानमंत्री जहां भी थे वहीं से उन्होंने इंटरव्यू दिया और पूरी बातचीत की।

भ्रम और विरोध पैदा करना

इन सबमें नए सिरे से चुनाव का एजेंडा तथा जीतने के विश्वास के साथ भावी सरकार की कार्य योजनाओं का विवरण था। इसके समानांतर राहुल गांधी लगभग दृश्य से एक सप्ताह के आसपास लगभग ओझल रहे। रायबरेली से नामांकन के बाद वहीं दिखे और उसके बाद लगभग 10 दिन बाद ओडिशा की रैली में सामने आए। अभी तक उन्होंने टीवी चैनलों को चुनाव में एक साक्षात्कार नहीं दिया है। अरविंद केजरीवाल की ओर लौटें तो कहने की आवश्यकता नहीं कि 75 वर्ष में रिटायरमेंट एक शिगूफा था। उन्हें भी पता है कि ऐसा होने वाला नहीं है। भाजपा में 2014 से कुछ समय तक 75 वर्ष की उम्र सीमा का अघोषित बंधन दिखाई पड़ता था। आगे ऐसा बंधन नहीं रहा। वीएस येदियुरप्पा को कर्नाटक का मुख्यमंत्री बनाया गया तो ई श्रीधरन को केरल के मुख्यमंत्री के उम्मीदवार के रूप में पेश किया गया। संसदीय बोर्ड एवं चुनाव समिति में ऐसे सदस्य हैं जो इस उम्र सीमा के बंधन से आगे निकल चुके हैं। केजरीवाल ने सोचा कि भाजपा के अंदर यह प्रश्न उठेगा और समर्थक भी सोचेंगे कि भाई मोदी जी अगर रिटायर ही हो जाएंगे तो हम उनके नाम पर वोट क्यों दें? योगी आदित्यनाथ के समर्थकों की भाजपा और संगठन परिवार में सबसे बहुत बड़ी संख्या है। यानी भाजपा के समर्थकों को पहले मोदी के नाम पर और योगी समर्थकों को उनके नाम पर भ्रम और विरोध पैदा करना।

आम मतदाताओं तक संदेश

वैसे शेष बचे 163 सीटों में आम आदमी पार्टी केवल 22 पर लड़ रही है। मुख्यतः दिल्ली एवं पंजाब तक सीमित है। गुजरात में कांग्रेस ने उसे एक सीट दी है। इसमें उनके बयान या उनकी यात्राएं दूसरी पार्टी को बहुत लाभ पहुंचाएंगे ऐसा मानने का कोई कारण नहीं है। मुख्यमंत्री आवास पर अरविंद केजरीवाल के सहायक द्वारा राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल की पिटाई सबसे बड़ा राजनीतिक बवंडर का विषय है, जिनका जवाब उनके लिए देना कठिन हो गया। दिल्ली के बाहर उन्होंने पहली यात्रा लखनऊ की। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के साथ पत्रकार वार्ता में जब यह प्रश्न उठा तो माइक अपने साथी राज्यसभा सांसद संजय सिंह की ओर खिसकाना पड़ा। अखिलेश यादव ने यह कहकर कि इससे अलावा भी मुद्दे हैं, वास्तव में ऐसा रक्षात्मक रूप अपनाया जिसके विरुद्ध क्षोभ और गुस्सा पैदा हुआ होगा। संदेश जा रहा है कि महिला से हिंसा और दुर्व्यवहार की निंदा करने से वह बच रहा है। स्वाति मालीवाल की घटना ने आईएनडीआईए के नेताओं को संदेशखाली के बाद दूसरी बार ऐसी स्थिति में ला दिया है जहां सच जानते हुए भी स्टैंड नहीं ले रहे हैं। इसका संदेश आम मतदाताओं तक जा रहा है।

शेष चरण महत्वपूर्ण

शेष बचे मतदान में कांग्रेस का महाराष्ट्र, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों के अलावा बहुत ज्यादा दांव पर नहीं है। उत्तर प्रदेश के रायबरेली से राहुल गांधी चुनाव लड़ रहे हैं, पूरी पार्टी वहां लगी है, लेकिन प्रदेश में सपा मुख्य ताकत है और कांग्रेस को केवल 17 सीटें लड़ने के लिए मिली हैं। बिहार में पार्टी लालू प्रसाद यादव के राजद के सहारे हैं और ओडिशा में इसकी कोई ताकत नहीं। दिल्ली में कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी के बाद दूसरी ताकत होना स्वीकार किया। पंजाब में आम आदमी पार्टी से भी इसे टकराना पड़ेगा और हरियाणा में पार्टी कलह और गुटबंदी का शिकार है। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस का कोई वरिष्ठ नेता चुनाव प्रचार करने नहीं गया। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी के प्रचार में केवल शशि थरूर गए। राहुल गांधी ने वहां झांकना तक जरूरी नहीं समझा। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक हरियाणा और पंजाब के पार्टी नेतृत्व की भी यही शिकायत थी कि केंद्रीय नेता अभी तक रैली करने नहीं आए। भाजपा के लिए शेष चरण निश्चय ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि इनमें 70 प्रतिशत से ज्यादा सीटें पिछले चुनाव में उसे मिली थी। भाजपा हर चुनाव में पूरी ताकत लगाती है और रायबरेली में फिर राहुल की घेराबंदी की कोशिश है। रायबरेली में स्थानीय नेताओं के बीच एकजुटता न देख केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह स्वयं सपा और भाजपा में आए विधायक मनोज पांडे के घर गए और उम्मीदवार दिनेश प्रताप सिंह के साथ मिलकर काम करने का वायुमंडल बनाया। पिछले चुनाव में भाजपा अपनी रणनीति से अमेठी से राहुल गांधी को पराजित कर चुकी है। राहुल गांधी उत्तर प्रदेश के इन दोनों स्थानों से लड़ने के अनिच्छुक थे इसका प्रमाण अंतिम समय तक दोनों स्थानों के लिए उम्मीदवारी की घोषणा नहीं होना था। उनका नाम नामांकन के कुछ समय पहले घोषित किया गया। स्वयं प्रधानमंत्री ने इसे मुद्दा बनाया है। निश्चय ही शेष तीन चरणों में रायबरेली, अमेठी और वाराणसी सर्वाधिक चर्चा में रहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी पहले भी रैलियां कर रहे थे, लेकिन पिछले 10 दिनों में जितना उन्होंने परिश्रम किया है वह सब रोड शो, रैलियां, कार्यकर्ताओं के साथ संवाद और टीवी इंटरव्यू में लगातार दिख रहे हैं। निश्चय ही इसका असर है और विपक्ष के नेताओं के लिए इसके समानांतर उसी रूप में संपूर्ण देश या अपने राज्यों में मतदाताओं को आकर्षित करना कठिन चुनौती है। अगर राहुल गांधी पहले की तरह सक्रिय नहीं दिखते और रायबरेली या कुछ क्षेत्रों तक सीमित रहते हैं तथा अरविंद केजरीवाल को जगह-जगह स्वाति मालीवाल के प्रश्नों पर झेंपना पड़ता है तो इसका असर चुनाव में नहीं होगा ऐसा कौन कह सकता है। बचे चरणों में भाजपा-कांग्रेस की साख दांव पर है।

कूटनीति: जो न रुके, न झुके, वो है भारत

चाबहार समझौता
प्रभात कुमार राय
विदेश मामलों के जानकार

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए जितना आवश्यक रहा है थल और हवाई मार्ग और उतना ही आवश्यक रहा है जल मार्ग। जल मार्ग की महत्ता को मद्देनजर रखते हुए भारत सरकार ने सोमवार 13 मई को ईरान के चाबहार में स्थित शाहिद बेहस्ती बंदरगाह के संचालन के लिए 10 वर्षीय समझौता अंजाम दिया है। शाहिद बेहस्ती बंदरगाह वस्तुतः ईरान का दूसरा सबसे बड़ा और अहम बंदरगाह है। 10 वर्ष व्यतीत हो जाने के बाद इस समझौते का फिर से नवीनीकरण किया जाएगा। भारत के जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने देश में जारी आम चुनाव के बीच ईरान पहुंचकर अपने समकक्ष के साथ इस समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए। यह समझौता भारत के लिए कितना अहम है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि भारत ने आम चुनाव के खत्म होने व नई सरकार बनने का इंतजार नहीं किया। चाबहार बंदरगाह समझौता के संपन्न हो जाने के बाद अमेरिका ने भारत को धमकी भरे अंदाज में कहा है कि भारत को ईरान के साथ संपन्न हुए समझौते के कारण अमेरिका द्वारा आयाद आर्थिक प्रतिबंधों का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। अमेरिका कदापि नहीं चाहता कि भारत वस्तुतः ईरान के साथ किसी तरह का कोई भी व्यापारिक संबंध स्थापित करे।

कूटनीतिक प्रभाव

उल्लेखनीय है कि ईरान पर अमेरिका द्वारा कड़े आर्थिक प्रतिबंध आयाद किए गए थे। तभी से भारत ने ईरान से कच्चे तेल का आयात बंद कर दिया था और भारत द्वारा ईरान से तेल का आयात अभी तक प्रारंभ नहीं किया गया है। उस वक्त यकीनन भारत ने अमेरिका के कूटनीतिक प्रभाव में आकर ईरान से तेल का आयात बंद कर दिया था। अब फिर से भारत और ईरान के मध्य अंजाम दिए गए चाबहार समझौते के बाद अमेरिका भारत को आर्थिक प्रतिबंध आयाद करने की धमकियां देने पर उतारू हो गया है। गौरतलब है कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के नेतृत्व में अंजाम दिए गए परमाणु परीक्षणों के बाद भी अमेरिका द्वारा आयद प्रतिबंधों को भारत द्वारा बाकायदा कामयाबी के साथ झेला गया था। तब भी अमेरिका भारत का बाल बांका नहीं कर सका था और भारतीय अर्थव्यवस्था निरंतर गति से आगे बढ़ती चली गई। उस प्रतिबंध से उल्टे अमेरिका का ही नुकसान हुआ कि उसका भारत में निर्यात प्रभावित हुआ। चाबहार बंदरगाह प्रोजेक्ट वस्तुत पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह के लिए भी कड़ी चुनौती बन चुका है, जिसका निर्माण चीन द्वारा किया जा रहा है। चाबहार बंदरगाह भारत की विकासशील अर्थव्यवस्था के लिए एक शानदार सेतु बन जाएगा, क्योंकि यह बंदरगाह गहरे समुद्र वाला बंदरगाह है।

उल्लेखनीय है कि जब यूक्रेन युद्ध का प्रारंभ हुआ था, उस वक्त भी अमेरिका द्वारा रूस पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध किए गए थे। अमेरिकी प्रतिबंधों की घनघोर अवहेलना करते हुए भारत ने रूस से कच्चे तेल का आयात शुरू किया, तब भी

अमेरिका द्वारा भारत पर आर्थिक प्रतिबंधों को आयाद करने की धमकियां दी गई थीं। किंतु भारत ने अमेरिका की धमकियों की घोर उपेक्षा करते हुए रूस से तेल और प्राकृतिक गैस का आयात निरंतर जारी रखा है और रूस से आयात किए गए तेल और प्राकृतिक गैस के कारण के भारत को कम से कम 300 मिलियन डॉलर की सालाना बचत हो चुकी है। रूस से एंटी मिसाइल डिफेंस सिस्टम एस-400 की डील के वक्त भी अमेरिका ने भारत के खिलाफ त्योरियां चढ़ाई थीं, उस वक्त भी भारत ने परवाह नहीं की थी। अब भी चाबहार समझौते के कारण भारत पर आर्थिक प्रतिबंध आयाद करने की अमेरिकन धमकियों की परवाह न करते हुए भारत द्वारा चाबहार बंदरगाह के विकास का काम बाकायदा जारी रखा जाएगा।

नया संवर्धित प्रारूप करार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ईरान यात्रा के दौरान वर्ष 2016 में चाबहार में स्थित शाहिद बेहस्ती बंदरगाह समझौते की बुनियाद रख दी गई थी। इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल कंपनी द्वारा वर्ष 2018 से चाबहार में स्थित बंदरगाह का संचालन किया जा रहा है। 13 मई 2024 को संपन्न हुए समझौते को वस्तुतः वर्ष 2016 में हुए समझौते का नया संवर्धित प्रारूप करार दिया जा रहा है। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर फरमाते हैं कि इस समझौते के बाद चाबहार बंदरगाह प्रोजेक्ट में एक बड़े निवेश का रास्ता भारत के लिए खुल जाएगा। भारत सरकार ने ईरान के चाबहार बंदरगाह को विकसित करने के लिए इंडिया पोर्टस ग्लोबल लिमिटेड नाम की कंपनी को कार्यभार सौंपा है। वर्ष 2016 के बाद वर्ष 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह कहा था कि चाबहार बंदरगाह भारत को व्यापार के लिए एक शानदार और नया समुद्री मार्ग प्रदान कर देगा, जिससे कि पाकिस्तान को बाईपास करते हुए भारत द्वारा अज़रबैजान, रुस और मध्य एशिया के साथ भारत द्वारा अपना व्यापार संपन्न किया जा सकेगा। इस समझौते के तहत भारत की इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड कंपनी कुल मिलाकर भविष्य में चाबहार बंदरगाह को विकसित करने के लिए 3000 करोड रुपयों का निवेश और करेगी। अभी तक भारतीय कंपनी चाबहार बंदरगाह के विकास के लिए 835 करोड रुपये का निवेश कर चुकी है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत द्वारा प्रस्तावित इंटरनेशनल साउथ नॉर्थ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर, जोकि 7200 लंबा प्रस्तावित समुद्री मार्ग है, इस परियोजना को चाबहार बंदरगाह का बड़ा बुनियादी समर्थन प्राप्त हो सकेगा। इंटरनेशनल साउथ नॉर्थ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर के निर्माण हो जाने के पश्चात भारत के समुद्री मार्ग के माध्यम से सीधी पहुंच यूरोप और मध्य एशिया के देशों तक हो जाएगी। इंटरनेशनल साउथ नॉर्थ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर को विकसित करने की परियोजना भारत बना चुका है। प्रस्तावित समुद्री मार्ग परंपरागत समुद्री मार्ग की अपेक्षा चालीस फीसदी कम दूरी वाला और 30 फ़ीसदी से अधिक सस्ता साबित होगा। इस कोरिडोर को अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया, सऊदी अरब, यूएई आदि देशों का समर्थन प्राप्त है।

प्रोजेक्ट रोकने की कोशिश

उल्लेखनीय है कि चीन द्वारा पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में में ग्वादर बंदरगाह को विकसित करने का प्रोजेक्ट पूरा किया जा रहा है। हालांकि बलोच विद्रोही निरंतर चीन के इंजीनियरों पर घात लगाकर हिंसक आक्रमण करते रहे हैं। बलोच विद्रोही ग्वादर बंदरगाह प्रोजेक्ट को रोकने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। ग्वादर बंदरगाह से चाबहार बंदरगाह की दूरी तकरीबन 100 किलोमीटर है। चाबहार बंदरगाह यकीनन अफगानिस्तान और मध्य एशिया के उन लैंडलॉक कंट्रीज के लिए वरदान साबित हो सकता है, जिनकी पहुंच सीधे गहरे समुद्र तक नहीं रही है। इस बंदरगाह से भारत ग्लोबल ट्रेड फ्रंट पर बहुत आगे पहुंच सकेगा। इससे दक्षिण चीन सागर के रास्ते पर निर्भरता भी कम होगी। नया कोरिडोर यूरोप, यूरेशिया व मध्य पश्चिम एशिया की भारत तक पहुंच आसान बनाएगा।

बहुध्रुवीय वैश्विक शक्तियां

विश्व पटल पर विद्यमान शक्ति संतुलन पर निगाह डालें तो अब अमेरिका एक ध्रुवीय विश्व शक्ति नहीं रह गया है। अब विश्व में बहुध्रुवीय वैश्विक शक्तियां उभर कर सामने आ गई हैं। एक तरफ अमेरिका के नेतृत्व में नाटो सैन्य शक्तियां हैं और दूसरी तरफ रुस, चीन, ईरान और नॉर्थ कोरिया आदि सैन्य शक्तियां विद्यमान है। अतः अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय बादशाहत का विश्व पटेल पर अंत हो चुका है। यहां तक कि अमेरिका द्वारा रूस पर आयाद आर्थिक प्रतिबंधों को यूरोप के नाटो देश ही स्वीकार नहीं कर रहे हैं। आजादी के बाद भारत एक गुटनिरपेक्ष देश रहा है। जोकि कोल्ड वॉर के विकट दौर में भी किसी भी सैन्य गुट में शामिल नहीं हुआ। आज जबकि दुनिया फिर से सैन्य गुटों में विभाजित हो रही है भारत ने अपनी स्वतंत्र विदेश नीति को कायम बनाए रखा है। भारत के संबंध रूस के साथ और अमेरिका के साथ मित्रतापूर्ण रहे। अब फिर से अमेरिका भारत की गुटनिरपेक्ष स्वतंत्र विदेश नीति को प्रभावित करने का प्रयास कर रहा है, जिसमें उसे फिर से मुंह की खानी पड़ेगी। विदेश नीति के निर्धारण में किसी भी देश के लिए उसके राष्ट्रीय हित सर्वोपरि होते हैं। भारत के लिए भी उसके राष्ट्रीय हित सर्वोपरि हैं। भारत अपनी प्रबल सुरक्षा और विकासमान अर्थव्यवस्था के लिए किसी भी देश से व्यापारिक समझौता कर सकता है। भारत के ईरान के साथ सदियों पुराने सांस्कृतिक, सामाजिक और राजनीतिक संबंध कायम बने रहे हैं। कभी-कभी बाहरी ताकतों की वजह से भारत-ईरान संबंध में कुछ व्यवधान जरूर पैदा हुआ है, पर वह अल्पकालीन ही रहा है। अभी चीन व ईरान की बढ़ती नजदीकी के चलते भारत व ईरान के बीच जारी चाबहार पोर्ट डील की गति धीमी पड़ी थी। अमेरिका को कोई हक नहीं बनता है कि ईरान के साथ भारत के व्यापारिक संबंधों को लेकर किसी तरह के आर्थिक प्रतिबंध आयाद करें। रूस पर आयाद प्रतिबंधों को लेकर भी अमेरिका के समक्ष भारत कदाचित नहीं झुका और उसने रूस से तेल का आयात निरंतर जारी रखा। इसी तरह से वह ईरान के साथ स्थापित अपने व्यापारिक संबंधों को लेकर भी अमेरिका के कूटनीतिक दबाव में भारत कदापि नहीं आएगा। जो न रुके, जो न झुके, वो है भारत।

चाबहार प्रोजेक्ट के बारे में सबकुछ

चाबहार, ईरान का एकमात्र समुद्री बंदरगाह है। यह मकरान तट पर सिस्तान एवं बलूचिस्तान प्रांत में ओमान की खाड़ी में स्थित है। चाबहार में दो मुख्य बंदरगाह हैं, शाहिद कलंतरी एवं शाहिद बेहिश्ती बंदरगाह। ईरान से भारत का शाहिद बेहिश्ती बंदरगाह के निर्माण को लेकर दीर्घकालीन समझौता हुआ है। भारत ने मई 2015 में चाबहार बंदरगाह के विकास के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया था। मई 2016 में भारत, ईरान एवं अफगानिस्तान द्वारा अंतर्राष्ट्रीय परिवहन और पारगमन गलियारे की स्थापना के लिए त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसे चाबहार समझौते के रूप में भी जाना जाता है। ऐतिहासिक रूप से अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक भारत की पहुँच काफी हद तक पाकिस्तान के माध्यम से पारगमन मार्गों पर निर्भर रही है। चाबहार बंदरगाह भारत को अफगानिस्तान और मध्य एशिया में व्यापार के लिए एक वैकल्पिक मार्ग प्रदान करता है, जिसके लिए भारत पहले पाकिस्तान पर निर्भर करता था। चाबहार बंदरगाह भारत की ईरान तक पहुँच को सुविधाजनक बनाएगा, जो अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे (इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कोरिडोर-आईएनएसटीसी) का मुख्य प्रवेश बिंदु है, जो भारत, ईरान, रूस, मध्य एशिया और यूरोप को सड़क, रेल और समुद्र के माध्यम से जोड़ता है। संसाधन संपन्न मध्य एशियाई देशों और अफगानिस्तान के साथ संबंध बढ़ाने के भारत के प्रयासों में चाबहार बड़ी भूमिका निभाएगा। यह भारत को अपने व्यापारिक मार्गों में विविधता लाने तथा ईरान व अफगानिस्तान के अतिरिक्त रूस, यूरेशिया और यूरोप के बाज़ारों तक पहुँच बढ़ाने में सहायता करेगा। आईएनएसटीसी मार्ग के माध्यम से कार्गो आवाजाही से लागत में 30% और परिवहन में लगने वाले समय में 40% की बचत होने का अनुमान है, जिससे प्रतिस्पर्धी लागत में त्वरित बदलाव सुनिश्चित हो सकेगा। मध्य एशियाई देश, जो संसाधनों से समृद्ध हैं, लेकिन कज़ाखस्तान और उज़्बेकिस्तान जैसे देशों, जो समुद्र तक सीधी पहुँच नहीं रखते हैं, ने हिंद महासागर क्षेत्र से जुड़ने तथा भारतीय बाज़ार में प्रवेश करने के लिये चाबहार का उपयोग करने में रुचि दिखाई है। चाबहार बंदरगाह अफगानिस्तान में मानवीय सहायता और पुनर्निर्माण प्रयासों के लिये एक महत्त्वपूर्ण प्रवेश बिंदु के रूप में कार्य कर सकता है। कोविड-19 महामारी के दौरान चाबहार बंदरगाह ने मानवीय सहायता की आपूर्ति में अहम भूमिका निभाई है। चाबहार बंदरगाह के माध्यम से भारत से अफगानिस्तान तक 2.5 मिलियन टन गेहूं और 2,000 टन दालों का निर्यात किया है। वर्ष 2021 में भारत ने टिड्डियों के हमलों से निपटने के लिए बंदरगाह के माध्यम से ईरान को 40,000 लीटर पर्यावरण-अनुकूल कीटनाशक मैलाथियान भेजा था।

रणनीतिक प्रभाव

चाबहार बंदरगाह को विकसित और संचालित करके, भारत हिंद महासागर क्षेत्र में अपने रणनीतिक प्रभाव को बढ़ा सकता है, जिससे भारत की भू-राजनीतिक स्थिति मज़बूत हो सकती है। चाबहार बंदरगाह चीन द्वारा पाकिस्तान में ग्वादर बंदरगाह के विकास के प्रतिकार के रूप में कार्य करेगा। चाबहार में उपलब्ध डॉकिंग सुविधाओं के कारण भारत समुद्री डकैती के मामलों पर प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया दे सकता है।

चुनौतियां क्या हैं?

ईरान को लेकर अमेरिका की चिंताः ईरान के चाबहार बंदरगाह के विकास के लिये दीर्घकालिक मुख्य अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के पश्चात संयुक्त राज्य अमेरिका ने भारत को प्रतिबंधों के संभावित जोखिम की चेतावनी दी है। तेहरान में अमेरिकी दूतावास पर कब्ज़ा करने के बाद, वर्ष 1979 से अमेरिका ने विभिन्न कानूनी प्राधिकरणों के तहत ईरान के साथ की जाने वाली आर्थिक गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। इससे पहले वर्ष 2018 में अमेरिका ने चाबहार बंदरगाह की प्रगति और इसे अफगानिस्तान से जोड़ने हेतु रेलवे लिंक के निर्माण में सहायता के लिए भारत को विशिष्ट प्रतिबंधों से छूट दी थी। हूती विद्रोही संचार के समुद्री मार्गों को बाधित कर सकते हैं, जिससे चाबहार बंदरगाह पर यातायात भी प्रभावित होगा। अफगानिस्तान से अमेरिका सेना की वापसी और तालिबान के पुनः वापसी के कारण वहां अस्थिरता उत्पन्न हो गई है, जिसका भारत के साथ व्यापार संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। ईरान व उसके कुछ पड़ोसी देशों के मध्य अस्थिर संबंधों के साथ अफगानिस्तान तथा पाकिस्तान जैसे देशों में अस्थिर राजनीतिक स्थितियां भी चाबहार बंदरगाह व भारत के आर्थिक हितों को प्रभावित कर रही हैं।

प्रतिस्पर्धा

चाहबहार बंदरगाह में कई परिवहन मार्गों से चुनौतियां हैं, जैसे भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा जो एशिया और पूर्वी यूरोप को जोड़ता है। चाबहार में चीन जैसे मज़बूत प्रतिस्पर्द्धियों के द्वारा किया गया निवेश, ईरान में भारत के हितों को प्रभावित कर सकता है। चाबहार पोर्ट परियोजना का उद्देश्य बंदरगाहों, सड़कों एवं रेलवे जैसे बुनियादी ढांचे में सुधार करना है, जिसके लिए महत्त्वपूर्ण निवेश, समय तथा विशेषज्ञता की आवश्यकता है। कोई भी देरी या अक्षमता इसकी प्रगति में बाधा बन सकती है।

हरियाणा के अंबाला में पीएम मोदी ने कांग्रेस समेत विपक्ष पर जमकर निशाना साधा

70 साल से भारत को परेशान करने वाले पाकिस्तान के हाथ में भीख का कटोरा, धाकड़ सरकार से देश को मिली मजबूती

गरीब, युवा, महिलाएं और किसान कल्याण मेरी ताकत

एजेंसी ▶▶ अंबाला

पीएम नरेंद्र मोदी ने हरियाणा के अंबाला जिले में शनिवार को जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस समेत विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। पीएम ने कहा कि हरियाणा वो राज्य है जिसके रगों में देशभक्ति है और वो देश को तोड़ने वाली शक्तियों को अच्छी तरह पहचानते हैं।

हरियाणा मतलब धाकड़ होता है और मोदी ने भी 10 साल तक धाकड़ सरकार चलाई है। पाकिस्तान 70 वर्षों से भारत को परेशान कर रहा था, जिसके हाथ में बम का गोला रहता था, आज उसके हाथ में भीख का कटोरा है। जब धाकड़ सरकार होती है, तो ऐसे ही दुश्मन कांपता है। 4 चरणों के चुनाव में कांग्रेस और इंडी गठबंधन के सभी साथी चारों खाने चित्त हो चुके हैं। कांग्रेसी विदेश से हथियार मंगाने के नाम पर मोटी कमाई कर सकें। हमारे सैनिकों को कपड़े, जूते, बुलेट प्रूफ जैकेट भी ठीक से नसीब नहीं होते थे। उनके पास अच्छी राइफल तक नहीं थीं। मैंने भारत की सेनाओं को आत्मनिर्भर बनाया। आज भारत अब दूसरे देशों को हथियार बेच रहा है।

दुनिया में आज हरियाणा का इतना नाम है, तो उसके पीछे हमारे बेटियों की ताकत है। मोदी ने बेटियों के लिए सैनिक स्कूलों के भी दरवाजे खोल दिए हैं। एनडीए में महिला कैडेट्स का जो बैच ट्रेनिंग ले रहा है, उसमें बड़ी संख्या में हरियाणा की बेटियां हैं।किसानों का कल्याण मोदी की प्राथमिकता है। हमने पिछले 10 साल में, 20 लाख करोड़ रुपए का अनाज किसानों से एमएसपी पर खरीदा। मोदी विकसित भारत का संकल्प लेकर निकला है और विकसित भारत के 4 स्तंभ हैं। गरीब, युवा, महिलाएं और किसान... मोदी इन्हें मजबूत कर रहा है ताकि भारत मजबूत हो। हमारी सरकार ने ही साहिबजादों की याद में 'वीर बाल दिवस' मनाना शुरू किया है।

कांग्रेस का इतिहास सिर्फ धोखा देना रहा

कांग्रेस का इतिहास, हमारी सेनाओं को, फौजियों को धोखा देने का रहा है। देश का पहला घोटाला कांग्रेस ने भारत की सेना में ही किया था। इस ट्रैक रिकॉर्ड को कांग्रेस जब तक सत्ता में रही, हमेशा बनाए रखा। बोफोर्स घोटाला, पनडुब्बी घोटाला, हेलीकॉप्टर घोटाला...। कांग्रेस को सिर्फ वोट से मतलब है। दिल्ली और हरियाणा में हाथ में झाड़ू लेकर घूम रहे हैं और पंजाब में कह रहे हैं कि झाड़ूवाला चोर है।

बांदा में बोले शाह: हम डरना नहीं जानते पीओके को हम प्राप्त करके रहेंगे

गृह मंत्री अमित शाह ने यूपी के बांदा में जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर सीधा हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस के नेता मणिशंकर अय्यर कहते हैं कि पाकिस्तान के पास तो एटम बम है पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर को मत मांगो। शाह ने कहा कि भाजपा डरना नहीं जानती। पीओके भारत का हिस्सा है और रहेगा। उन्होंने कहा कि मैं बताना चाहता हूं कि भारत के लोगों को अब डरने की जरूरत नहीं है। क्योंकि हमारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। उन्होंने कहा कि गठबंधन लोगों को गुमराह करने का काम कर रहा है।

देश चलाना चूरन बेचना नहीं है, 56 इंच का सीना चाहिए

शाह ने कहा कि देश को चलाना चूरन बेंचने जैसा नहीं है। देश को चलाने के लिए 56 इंच का सीना चाहिए। जो केवल नरेंद्र मोदी के पास है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव चाय बेंचने वाले एक गरीब परिवार के नरेंद्र मोदी और चांदी का चम्मच लेकर पैदा होने वाले के राहुल गांधी के बीच का है। कांग्रेस केवल वोट बैंक की राजनीति करती है।

बस्ती पहुंचे रक्षामंत्री राजनाथ

जैसे डायनासोर खत्म हो गया वैसे कांग्रेस भी खत्म हो जाएगी

बस्ती में देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हरैया में जनसभा में विपक्ष पर निशाना साधा और कहा कि 2014 में सपा की

साइकिल की चेन उतार दिया था। 2017 में चैन को चढ़ने नहीं दिया। कहा कि भाजपा परिवारवाद की राजनीति नहीं करती, जैसे डायनासोर खत्म हो गया वैसे कांग्रेस भी खत्म हो जाएगी। भाजपा सरकार जातिवाद परिवारवाद की राजनीति नहीं करती बल्कि देश की राजनीति करती है। मोदी जी के नेतृत्व में चल रही सरकार ने यह साबित कर दिया है कि भारत कमजोर नहीं है। आज दुनिया के सभी राष्ट्राध्यक्ष कहते हैं कि भारत का भविष्य उज्ज्वल है।

हिमाचल में कांग्रेस पर बरसे नड्डा

यूपीए सरकार आतंकियों को बिरयानी खिलाती रही, मोदी सरकार ने घर में घुसकर मारा

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने हिमाचल के कांगड़ा संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। नड्डा ने कहा कि 10 साल पहले देश

में मजबूर सरकार थी। मजबूर सरकार में आतंकवादी हमला करते थे और हमारे पीएमपाकिस्तान को डोजियर भेजते थे और कहते थे इन एक्शन करो। मोदी के नेतृत्व वाली मजबूत सरकार ने सर्जिकल स्ट्राइक करके घर में घुसकर आतंकवादियों को मारा। कश्मीर से धारा 370 को धराशायी किया। उन्होंने कहा कि मजबूर सरकार कश्मीर से आतंकवादियों के नेताओं को वार्ता के लिए बुलाती थी और बिरयानी खिलाती थी। उन्होंने कहा कि आपदा के समय हिमाचल को मोदी सरकार 1782 करोड़ रुपए दिए और यहां की सरकार ने उस राशि की बंटरबांट की।

खरगे का भाजपा पर आरोप

राम मंदिर-बुलडोजर के दावों से पीएम जनता को भड़का रहे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम नरेंद्र मोदी पर मतदाताओं को भड़काने का आरोप लगाया है।चुनाव आयोग से भाजपा नेता के बार-बार के दावों के बाद कार्रवाई करने का आह्वान किया कि विपक्षी इंडिया गुट सत्ता में आने पर राम मंदिर पर बुलडोजर चलाएगा। खरगे ने कहा कि हमने आज तक बुलडोजर का इस्तेमाल नहीं किया है। उन्होंने कहा कि आयोग को भड़काऊ भाषण देने वालों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। प्रधानमंत्री खुद ऐसा कर रहे हैं। वह लोगों को भड़का रहे हैं।

राय को नोटिस : वाराणसी लोकसभा से प्रत्याशी व कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को निर्वाचन से हेट स्पीट देने पर नोटिस जारी किया गया।

अरविंद केजरीवाल ने क्या किया

आखिर, ममता बेनर्जी के क्यों बदल गए राग

जदयू के राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव के शुरुआती चार चरणों के मतदान में ही विपक्ष चारों खाने चित्त हो चुका है। जनता अच्छी तरह समझ चुकी

है कि इंडी गठबंधन परिवारवादी नेताओं का एक दिशाहीन एवं अवसरवादी गठबंधन है, जिसके पास न तो नीति है, न नीयत है और न ही कोई सर्वमान्य नेता है। उन्होंने कहा कि चार चरणों का मतदान संपन्न होने के बाद से इंडी की दीदी का भी राग अचानक बदल गया है। वे समझ गई हैं कि डूबती नैया से समय रहते कूद जाना ही बेहतर है। उन्होंने इंडी गठबंधन से किनारा करना और सहयोगी दलों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है।

रेवन्ना स्कैंडल: भाजपा नेता का आरोप

डिप्टी सीएम शिवकुमार ने ऑफर किए थे 100 करोड़

जेल में बंद भाजपा नेता जी देवराजगौड़ा ने आरोप लगाया है कि कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री

डी के शिवकुमार ने उन्हें जेडीएस के प्रदेश अध्यक्ष एच डी कुमारस्वामी पर हासन के सांसद प्रज्वल रेवन्ना द्वारा कथित यौन उत्पीड़न के वीडियो वाले पेन ड्राइव को लीक करने का आरोप लगाने के लिए 100 करोड़ रुपएकी पेशकश की थी। उनके इस खुलासे से इस मामले में नया मोड़ आ गया है।

केसरगंज के सांसद

बृजभूषण ने चुनावी अखाड़े से किया संन्यास का ऐलान

केसरगंज। लोकसभा सदस्य और भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण

सिंह ने चुनावी राजनीति से संन्यास की घोषणा कर दी है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि मैं अब जीवन में कभी भी चुनाव नहीं लड़ूंगा। मेरे पास करने के लिए कई सारे काम हैं। भाजपा ने इस बार उनके बेटे करण भूषण को चुनावी अखाड़े में उतारा है।

राजस्थान के मंत्री का सरकार पर आरोप

1146 करोड़ का लगेगा चूना!

जयपुर। राजस्थान सरकार में कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने सीएम भजनलाल

शर्मा को एक पत्र लिखकर राज्य सरकार में खलबली मचा दी है। उन्होंने एक बहुमंजिला आवासीय परियोजना में अनियमितताओं का आरोप लगाया है। मंत्री के अनुसार इससे सरकारी खजाने को 1,146 करोड़ रुपए का नुकसान होने का आरोप है।

खबर संक्षेप

बोले कन्हैया कुमार- मैं डरने वाला नहीं हूं

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली से लोकसभा के लिए कांग्रेस उम्मीदवार कन्हैया कुमार पर शुक्रवार को चुनाव प्रचार के दौरान हमला किया गया। माला पहनाने के बहाने कुछ लोगों ने उन पर स्याही फेंक फिर थप्पड़ मारा। उन्होंने कहा, सांसद महोदय, आप कितने भी गुंडे भेजकर मुझ पर हमले करवा लीजिए, मैं डरने वाला नहीं हूं। मैं गांधी जी और बाबा साहब को मानने वाला हूं।

रिलायंस कैपिटल को बेचने 10 दिन का वक्त दें

मुंबई। उद्योगपति अनिल अंबानी ने कर्ज में डूबी रिलायंस कैपिटल (आरसीएपी) के लिए सबसे अधिक सफल बोली लगाने वाले हिंदुजा समूह की कंपनी को अभी अधिग्रहण के लिए थोड़ा और इंतजार करना पड़ सकता है. दरअसल, अनिल अंबानी ने आरबीआई से हिंदुजा को आरसीएपी का मालिकाना हक देने की समय सीमा को 10 दिन और बढ़ाने की अपील की है।

वोटिंग प्रतिशत बढ़ने पर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा एडीआर

सीजेआई चंद्रचूड़ की पीठ ने कहा

जरूरत पड़ी तो रातभर सुनवाई के लिए बैठेंगे वैकेशन बेंच इस याचिका पर करेगी सुनवाई

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने ईवीएम रिप्लेस करने का लगाया आरोप

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से फाइनल वोटिंग परसेंटेज में हुई बढ़ोतरी को लेकर जवाब मांगा है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की थी और इस पर सुनवाई हुई।

एडीआर ने अपनी याचिका में आशंका जताई कि ईवीएम मशीनों को रिप्लेस किया जा सकता है ताकि फाइनल वोटिंग परसेंटेज बढ़ाया जाए। सोमवार से ही कोर्ट की गर्मी की छुट्टियों शुरू हो रही हैं लेकिन वेकेशन बेंच इस याचिका पर सुनवाई करेगी। वहीं चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने चुनाव आयोग को 24 मई तक जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है। इसके अलावा कोर्ट ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो हम मामले की सुनवाई के लिए पूरी रात बैठेंगे।

पेपर से वोटिंग करवाने की भी अपील की

एडीआर ने अपनी याचिका में वोटिंग परसेंटेज को लेकर संदेह जताया है। साथ ही उसने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर भी संदेह जताया है। इसके अलावा एडीआर ने बैलट पेपर से वोटिंग करवाने की अपील की है। हालांकि चुनाव आयोग के वकील ने एडीआर की अर्जी पर सवाल खड़े किए।

चुनाव आयोग 24 मई तक जवाब दाखिल करे

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से पूछा सवाल

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से पूछा कि वेबसाइट पर मतदान के आंकड़ेडालने में क्या दिक्कत है? इस पर चुनाव आयोग के वकील ने कहा कि इसमें समय लगता है क्योंकि बहुत सारा डाटा इकट्ठा करना होता है। फिर चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि चुनाव आयोग को याचिका पर जवाब देने के लिए कुछ समय दिया जाना चाहिए। 25 मई को ही छठे चरण के लिए वोटिंग होगी लेकिन 24 मई को इस मामले पर सुनवाई होनी है।

चुनाव आयोग ने एडीआर के आरोपों को नकारा

चुनाव आयोग के वकील ने कहा कि एडीआर ने बिल्कुल गलत आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि एडीआर की ओर से वकील प्रशांत भूषण पेश हुए और वह सिर्फ इसलिए पेश हुए क्योंकि वे कोर्ट में कुछ लाना चाहते हैं। अदालत को इस पर विचार नहीं करना चाहिए।

मालीवाल से बदसलूकी मामला

बिभव से 23 सवालों के जवाब जानना चाहेगी दिल्ली पुलिस

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी की राज्य सभा सांसद स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट मामले में आरोपी बिभव कुमार को शनिवार को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बिभव कुमार को सीएम आवास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार करने के बाद पुलिस बिभव को लेकर सिविल लाइंस ले गई। यहां बिभव कुमार से दिल्ली पुलिस कुछ जरूरी सवाल पूछ सकती है।

दिल्ली पुलिस के संभावित सवाल

- स्वाति मालीवाल कितने बजे सीएम आवास पहुंचीं?
- आपको किसने जानकारी दी कि समालीवाल सीएम आवास में हैं?
- आप उस वक्त कहां थे?
- क्या स्वाति ने सीएम से मिलने से पहले अपॉइंटमेंट लिया था या फिर आने की जानकारी दी थी?
- आप जब ड्राइंग रूम में पहुंचे वहां कौन-कौन था?
- वहां पहुंचते ही आपके और स्वाति के बीच क्या बात हुई?
- उस वक्त स्वाति मालीवाल ड्राइंग रूम में कहां बैठी थीं?
- क्या आपके और स्वाति के बीच वहां झगड़ा हुआ? हुआ तो वजह क्या थी?
- क्या आपने सालीवाल पर हाथ उठाया था?
- क्या आपने स्वाति को चांटा मारा और सिर सेंटर टेबल पर मारा?
- क्या आपने उनकी शर्ट खिंची और लात मारी?
- आप दोनों के बीच ये बहस कितनी देर तक चली?
- क्या सीएम आवास की सिक्योरिटी को ड्राइंग रूम में बुलाया या फिर शोर सुनकर वो खुद वहां पहुंची?
- क्या उस वक्त सीएम केजरीवाल भी बंगले के अंदर मौजूद थे?
- क्या आपने इस बात की जानकारी तुरंत सीएम केजरीवाल को दी?
- बंगले पर उस वक्त कौन-कौन मौजूद था?

हॉट सीट लखनऊ: भाजपा के गढ़ में हैट्रिक बनाने उतरे राजनाथ सिंह

केंद्रीय मंत्री के खिलाफ समाजवादी पार्टी ने मौजूदा विधायक पर खेला दांव

ओपी पाल ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव में यूपी की 80 सीटों में सबसे अहम लखनऊ लोकसभा सीट के लिए पांचवे चरण में 20 मई सोमवार को मतदान होगा। भाजपा का गढ़ बन चुकी लखनऊ लोकसभा सीट भाजपा के लिए बेहद सुरक्षित सीट मानी जाती है। हालांकि भाजपा प्रत्याशी के रुप में हैट्रिक बनाने के लिए एक बार फिर केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को चुनौती देने के लिए इंडिया गठबंधन के संयुक्त प्रत्याशी के रुप में समाजवादी पार्टी ने लखनऊ मध्य विधानसभा सीट के मौजूदा विधायक रविदास महरोत्रा को चुनावी जंग में उतारा है।

वहीं बसपा ने जातीगत समीकरण की चुनावी रणनीति के तहतत मोहम्मद सरवर मलिक को अपना प्रत्याशी बनाया है। राजनीतिक विशेषज्ञों की माने तो यहां भाजपा के सामने सपा और बसपा अपने सियासी अस्तित्व के लिए चुनावी मैदान में हैं। फिर भी यहां प्रमुख रुप से भाजपा और इंडी गठबंधन के बीच चुनावी मुकाबला माना जा रहा है।

राजनाथ सिंह

रविदास महरोत्रा

मो. सरवर मलिक

ऐसा है जातीय समीकरण

लखनऊ लोकसभा सीट पर जहां भाजपा ने की वैश्य, कायस्थ और सिख समाज को साधने की रणनीति से चुनाव मैदान में है, तो वहीं समाजवादी पार्टी की कायस्थ और मुस्लिम वोट बैंक पर नजरें हैं। जबकि बसपा मुस्लिम, महिला और दलित समीकरण के आधार पर मुकाबले में आने का प्रयास कर रही है। एक अनुमान के अनुसार इस सीट पर 71 फीसदी हिंदू मतदाताओं में सर्वाधिक 28 फीसदी ओबीसी निर्णायक साबित हो सकते हैं। इसके बाद करीब 18 प्रतिशत राजपूत और ब्राह्मण, 18 फीसदी अनुसूचित जाति और 0.2 फीसदी अनुसूचित जनजाति के मतदाता हैं। बाकी पंजाबी, जैन, वैश्य, कायस्थ और अन्य जातियों के मतदाता भी मौजूद हैं। इस लोकसभा क्षेत्र में 26.36 प्रतिशत मुस्लिम आबादी में करीब 18 फीसदी मुस्लिम मतदाता पंजीकृत हैं।

लखनऊ लोकसभा सीट का सियासी सफर

उत्तर प्रदेश की लखनऊ लोकसभा सीट शुरुआती दौर में नेहरु परिवार का गढ़ रही लोकसभा सीट को कांग्रेस और भाजपा जैसे दलों के देखने को मिले मुकाबलों में नब्बे के दशक में भाजपा ने भगवा में बदलकर अपना सियासी किला मजबूत किया है। इस सीट पर 1952 के पहले चुनाव में पंडित जवाहरलाल नेहरु की बहन विजया लक्ष्मी पंडित जीतकर लोकसभा पहुंची थी, लेकिन तीन साल बाद ही यहां 1955 के उपचुनाव में नेहरी की रिश्तेदाय श्योराजवती नेहरु ने जीत दर्ज की। करीब डेढ़ दशक के कांग्रेस के विजय रथ को यहां 1967 में निर्दलीय प्रत्याशी आनंद नारायण मुल्ला ने तोड़ा, लेकिन 1971 के चुनाव में नेहरु परिवार से आने वाली शीला कौल ने यहां जीत दर्ज कर कांग्रेस का परचम लहराया। आपातकाल में चली कांग्रेस विरोधी लहर में 1977 के चुनाव में जनता पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़े हेमवती नंदन बहुगुणा ने जीत दर्ज की। इसके बाद फिर लगातार दो बार फिर कांग्रेस की शीला कौल ने लगातार दो जीत दर्ज की। जबकि 1989 के चुनाव में जनता दल की मांधाता सिंह ने चुनाव जीता। साल 1991 से 2004 तक इस सीट पर लगातार पांच बार अटल बिहारी वाजपेयी ने जीत दर्ज कर इसे भाजपा का गढ़ बना दिया। इसके बाद 2009 में यहां भाजपा के लालजी टंडन सांसद चुने गये, तो पिछले दो लगातार चुनाव जीतकर यूपी में मुख्यमंत्री रह चुके राजनाथ सिंह लोकसभा पहुंचे, तो तीसरी बार चुनाव मैदान में हैं।

युवा मतदाता होंगे निर्णायक

यहां 21.72 लाख मतदाताओं में 18 से 19 आयुवर्ग के 47,239 नए युवा मतदाता पहली बार मतदान करेंगे। जबकि 20 से 29 आयुवर्ग के 6,55,005 समेत 18-29 आयु वर्ग के मतदाता चुनाव में निर्णायक साबित हो सकते हैं। इस सीट पर 80 साल से अधिक आयु के 60238 मतदाता है।

विधानसभा उपचुनाव में त्रिकोणीय मुकाबला

लखनऊ पूर्व विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए भी 20 मई को ही मतदान होगा। यह सीट भाजपा के विधायक आशुतोष टंडन के निधन के कारण खाली हुई थी। यहां चुनाव मैदान में चार प्रत्याशी हैं, जिनमें भाजपा के ओमप्रकाश और इंडी गठबंधन मुकेश कुमार के अलावा बसपा के आलोक कुशवाह के बीच त्रिकोणीय मुकाबला है। विनोद वाल्मीकि निर्दलीय हैं।

उत्तर प्रदेश के हाईप्रोफाइल संसदीय क्षेत्रों में शुमार लखनऊ लोकसभा सीट नेहरु परिवार की विजया लक्ष्मी पंडित, श्योराजवती नेहरू व शीला कौल के अलावा हेमवती नंदन बहुगुणा और देश के पीएम रहे स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जैसे दिग्गज नेताओं की कर्मभूमि रही है। नब्बे के दशक में भाजपा की गढ़ बन चुकी इस सीट पर ज्यादातर राजनीतिक दल जातीय समीकरण साधकर अपने प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतारते रहे हैं। हालांकि उत्तर प्रदेश की राजधानी के शहरी संसदीय क्षेत्र के रुप में पहचाने जाने वाली इस सीट पर पिछले दस सालों में सियासी समीकरण बदले हैं, लेकिन राजनीतिक दृष्टि से सभी राजनीतिक दल पहले की तरह ही इस बार भी अपनी नई चुनावी रणनीति के तहत चुनाव मैदान में है। 20 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव में इस सीट पर प्रमुख दलों में भाजपा, सपा और बसपा के अलावा कुछ छोटे दलों समेत कुल दस उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं, जिनमें दो निर्दलीय प्रत्याशी भी शामिल हैं।

स्मॉलकैप स्कीम्स का कमाल

10 साल में 940% तक रिटर्न

बाजार में इस समय लगातार निवेशक बढ़ रहे हैं। कई स्कीम्स अच्छा रिटर्न दे रही हैं और निवेशको को मालामाल कर रही हैं। पिछले दिनों स्मॉलकैप म्युचुअल फंड्स ने आउटपरफॉर्म किया। इसलिए निवेशकों ने भी म्यूचुअल फंड की स्मॉलकैप कैटेगरी को खूब पसंद किया जा रहा है। इससे स्मॉलकैप फंड का न सिर्फ 1 या 2 साल का रिटर्न, बल्कि लंबी अवधि का रिटर्न और मजबूत हुआ है। ऐसे में इन स्कीम्स में निवेश आपको भी मालामाल कर सकता है। बस योजना बनाएं, लक्ष्य तय करें और निवेश के लिए आगे आएं।

- एक लाख रुपये का निवेश बन गया 10 लाख तक
- कई स्मॉलकैप स्कीम निवेशकों दे रही बढ़िया मुनाफा
- स्मॉल-कैप फंड लंबी अवधि में हाई रिटर्न की गारंटी

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

इन दिनों बाजार में निवेश के लिए सैंकड़ों स्कीम्स मौजूद हैं। इनमें निवेश की दिलचस्पी ले रहे हैं। पिछले कुछ सालों में देखा जाए तो हर साल लाखों की संख्या में नए निवेशक जुड़ रहे हैं। म्युचुअल फंडों का मार्केट कैप लगातार बढ़ता जा रहा है। कई स्कीम्स अच्छा रिटर्न दे रही हैं और निवेशकों को मालामाल कर रही हैं। स्मॉलकैप म्युचुअल फंड्स ने आउटपरफॉर्म किया। इसलिए निवेशकों ने भी म्यूचुअल फंड की स्मॉलकैप कैटेगरी को खूब पसंद किया जा रहा है। इससे स्मॉलकैप फंड का न सिर्फ 1 या 2 साल का रिटर्न, बल्कि लंबी अवधि का रिटर्न और मजबूत हुआ है। पिछले कुछ महीनों का एवरेज देखें तो स्मॉलकैप फंडों में अच्छा खासा निवेश आया है। इसकी एक वजह है कि पिछले दिनों स्मॉलकैप स्टॉक्स ने आउटपरफॉर्म किया। इसलिए बेहतर रिटर्न पाने के लिए निवेशकों ने म्यूचुअल फंड की स्मॉलकैप कैटेगरी को खूब पसंद किया जा रहा है। ऐसे में इन स्कीम्स में निवेश आपको भी मालामाल कर सकता है।

लंबी अवधि में ज्यादा मुनाफा

स्मॉलकैप फंड का न सिर्फ 1 या 2 साल का रिटर्न, बल्कि लंबी अवधि का रिटर्न और मजबूत हुआ है। इस रिपोर्ट में हमने कुछ स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड की जानकारी जुटाई है, जिन्होंने बीते 10 साल में सबसे अच्छा परफॉर्म किया है। इन स्कीम में निवेशकों का पैसा 10 साल में 10 गुना तक बढ़ गया है। यानी एक लाख रुपये का निवेश 10 लाख रुपये तक हो गया। निवेशक मालामाल हुए हैं। जानकारों का कहना है कि स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड में लंबी अवधि के लिए निवेश करना पैसे बढ़ाने का सबसे अच्छा तरीका है।

क्या हैं स्मॉल कैप फंड

स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड प्रमुख रूप से 5,000 करोड़ से कम मार्केट कैपिटलाइजेशन वाली कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं। यह इक्विटी म्यूचुअल फंड की एक सब-कैटेगरी है और इनका प्रदर्शन बाजार के उतार-चढ़ाव से प्रभावित होता है। स्मॉल कैप कंपनियों में बाजार में गिरावट के दौरान अधिक अस्थिरता यानी वोलैटिलिटी दिखती है। हालांकि बेस्ट स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड में लंबी अवधि में हाई रिटर्न देने की क्षमता होती है। स्मॉल-कैप फंड में, फंड मैनेजर पोर्टफोलियो का कम से कम 65% स्मॉल-कैप शेयरों में निवेश करता है।

10 वर्ष में टॉप रिटर्न वाले फंड

निप्पॉन इंडिया स्मॉलकैप फंड

- 10 साल में एकमुश्त निवेश पर रिटर्न: 26.36% सालाना
- 10 साल में एकमुश्त निवेश पर एबसॉल्यूट रिटर्न: 940%
- 1 लाख निवेश की 10 साल में वैल्यू: 10,40,092 रुपये
- 10 साल में एसआईपी निवेश पर रिटर्न: 25.02% सालाना
- कुल एसेट्स: 45749 करोड़ रुपये
- एक्सपेंस रेश्यो: 1.52%

एसबीआई स्मॉलकैप फंड

- 10 साल में एकमुश्त निवेश पर रिटर्न: 25.38% सालाना
- 10 साल में एकमुश्त निवेश पर एबसॉल्यूट रिटर्न: 863%
- 1 लाख निवेश की 10 साल में वैल्यू: 9,62,777 रुपये
- 10 साल में एसआईपी निवेश पर रिटर्न: 21.77% सालाना
- कुल एसेट्स: 27759.65 करोड़ रुपये
- एक्सपेंस रेश्यो: 1.62%

एक्सिस स्मॉलकैप फंड

- 10 साल में एकमुश्त निवेश पर रिटर्न: 23.83% सालाना
- 10 साल में एकमुश्त निवेश पर एबसॉल्यूट रिटर्न: 750%
- 1 लाख निवेश की 10 साल में वैल्यू: 8,50,042 रुपये
- 10 साल में एसआईपी निवेश पर रिटर्न: 22.52% सालाना
- कुल एसेट्स: 20136.63 करोड़ रुपये
- एक्सपेंस रेश्यो: 0.52%

डीएसपी स्मॉलकैप फंड

- 10 साल में एकमुश्त निवेश पर रिटर्न: 22.32% सालाना
- 10 साल में एकमुश्त निवेश पर एबसॉल्यूट रिटर्न: 651%
- 1 लाख निवेश की 10 साल में वैल्यू: 7,51,330 रुपये
- 10 साल में एसआईपी निवेश पर रिटर्न: 19.64% सालाना
- कुल एसेट्स: 13038.55 करोड़ रुपये
- एक्सपेंस रेश्यो: 1.77%

कोटक स्मॉलकैप फंड

- 10 साल में एकमुश्त निवेश पर रिटर्न: 21.71% सालाना
- 10 साल में एकमुश्त निवेश पर एबसॉल्यूट रिटर्न: 615%
- 1 लाख निवेश की 10 साल में वैल्यू: 7,14,698 रुपये
- 10 साल में एसआईपी निवेश पर रिटर्न: 20.77% सालाना
- कुल एसेट्स: 14815.19 करोड़ रुपये
- एक्सपेंस रेश्यो: 1.65%

स्मॉल कैप फंड्स की खासियत

सेबी के नियमों के अनुसार, स्मॉल-कैप फंडों को अपने इन्वेस्टमेंट कॉर्पस का कम से कम 65 फीसदी स्मॉल-कैप शेयरों में आवंटित करना होता है। स्मॉलकैप में मिड टर्म की अवधि में मिडकैप और लार्जकैप की तुलना में रिस्क लेवल ज्यादा होता है, लेकिन वे हायर रिटर्न दे सकते हैं और लंबी अवधि में दूसरी कैटेगरी से बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। स्मॉल-कैप कंपनियों के पास ज्यादा एक्सपेंशन की संभावना है, जिससे ग्रोथ की संभावनाएं भी ज्यादा होती हैं।

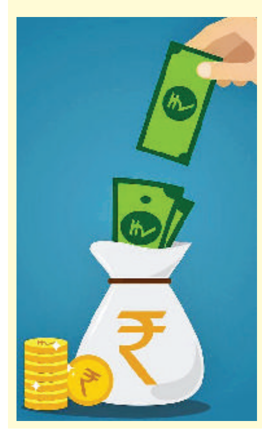

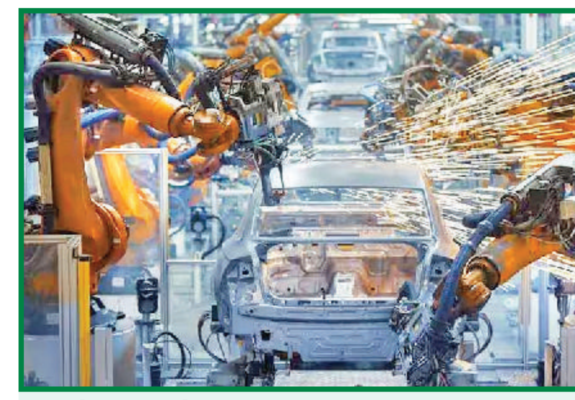

मैन्युफैक्चरिंग फंडों में भी निवेश पर विचार कर सकते हैं निवेशक

- इस समय ऐसे कई फंड बाजार में पहले से मौजूद, टाटा निफ्टी पांच सौ मल्टीकैप इंडिया मैन्युफैक्चरिंग का एनएफओ
- सरकार का घरेलू विनिर्माण पर काफी जोर रहा, बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत को पसंदीदा गंतव्य मान रही
- पोर्टफोलियो में विविधीकरण के लिहाज से यह प्रभावी विकल्प

बिजनेस डेस्क

अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के लिए सरकार द्वारा विनिर्माण पर जोर दिए जाने के कारण मैन्युफैक्चरिंग का क्षेत्र पिछले कुछ समय से सुर्खियों में रहा है। संभावित जबरदस्त वृद्धि का फायदा उठाने की चाहत रखने वाले निवेशक विनिर्माण फंडों में निवेश करने पर विचार कर सकते हैं। ऐसे कई फंड बाजार में पहले से मौजूद हैं, लेकिन टाटा म्युचुअल फंड ने हाल में टाटा निफ्टी 500 मल्टीकैप इंडिया मैन्युफैक्चरिंग 50:30:20 इंडेक्स फंड के नए फंड ऑफर (एनएफओ) को जारी किया है। जानकारों का कहना है कि 'सरकार का घरेलू विनिर्माण पर काफी जोर रहा है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में विनिर्माण की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए नीति निर्माताओं द्वारा ठोस प्रयास किया जा रहा है।'ऐसे में निवेशक मैन्युफैक्चरिंग फंडों में भी निवेश पर विचार कर सकते हैं। इस समय इन फंडों में निवेश एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है।

विनिर्माण पर जोर

विनिर्माण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मेक इन इंडिया और पीएम गतिशक्ति ने नीतिगत ढांचे की नींव रखी है। विनिर्माण क्षमता सृजित करने के उद्देश्य से शुरू की गई अन्य प्रमुख नीतिगत पहलों में उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, निर्यात प्रोत्साहन और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के उदार कायदे कानून शामिल हैं। आत्मनिर्भर भारत के तहत आयात के बजाए घरेलू उत्पादन पर जोर दिया गया है। चीन+1 मॉडल के जोर पकड़ने के साथ ही कई बहुराष्ट्रीय कंपनियां अब भारत को अपना पसंदीदा गंतव्य मानती हैं। इन पहलों के कारण विनिर्माण क्षेत्र में काफी निवेश आने की उम्मीद है। 'हाल में भारत का पीएमआई (विनिर्माण गतिविधियों का सूचकांक) 57.2 के उच्च स्तर पर पहुंच गया। कई क्षेत्रों में क्षमता उपयोगिता कोविड-पूर्व स्तर से आगे निकल चुकी है। ऐसे में क्षमता बढ़ाने की जरूरत है। अधिकतर कंपनियां भविष्य की मांग वृद्धि के लिहाज से क्षमता विस्तार पर निजी निवेश कर रही हैं।' विनिर्माण के दायरे में कई क्षेत्र शामिल हैं। इसमें से कुछ घरेलू खपत पर केंद्रित हैं जबकि अन्य निर्यात केंद्रित हैं। इसमें पुरानी अर्थव्यवस्था और हाईटेक कारोबार दोनों शामिल हैं। विनिर्माण केंद्रित फंड वित्तीय सेवा कंपनियों के शेयरों में निवेश नहीं करते हैं।

फंड कंपनियों का आकर्षण

कई प्रमुख फंड कंपनियां विनिर्माण केंद्रित फंड की ओर आकर्षित हुई हैं। इनके फंड अपने कोष का करीब 80 फीसदी हिस्से का निवेश विनिर्माण कंपनियों के शेयरों में करते हैं। निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग टोटल रिटर्न इंडेक्स (टीआरआई) इस श्रेणी के फंड के लिए बेंचमार्क है। इस सूचकांक के शीर्ष तीन क्षेत्रों में वाहन एवं वाहन कलपुर्जा, पूंजीगत वस्तु और स्वास्थ्य सेवा शामिल हैं। इन क्षेत्रों में आवंटन क्रमश: 31.1 फीसदी, 20.3 फीसदी और 15.1 फीसदी है। इस सूचकांक ने अगस्त 2021 में अपनी स्थापना से मार्च 2024 के बीच 15.6 फीसदी का चक्रवृद्धि वार्षिक रिटर्न दिया है।

क्या है जोखिम

अन्य सभी थीमेटिक पेशकश की तरह इन फंडों में भी जोखिम रहता है। जानकारों का कहना है कि 'निवेशकों को उन क्षेत्रों से संबंधित उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है, जिनमें फंड ने निवेश किया है।' विनिर्माण क्षेत्र की कंपनियां चक्रीय स्थिति का सामना करना पड़ता हैं। 'इसके प्रदर्शन में ब्याज दरें, मुद्रास्फीति और मुद्रा की चाल जैसे वृहद आर्थिक कारकों की प्रमुख भूमिका होती है।' विनिर्माण केंद्रित कई फंडों का ट्रैक रिकॉर्ड सीमित रहा है।

किसे निवेश करना चाहिए?

निवेशकों को मल्टीकैप फंड और फ्लेक्सीकैप फंड जैसे विविध इक्विटी फंडों का उपयोग करते हुए अपना पोर्टफोलियो तैयार करना चाहिए। बुनियादी पोर्टफोलियो तैयार करने के बाद ही उन्हें विनिर्माण केंद्रित फंड में निवेश करना चाहिए। 'यह फंड पहली बार निवेश करने वाले निवेशकों के लिए नहीं है। अधिक जोखिम उठाने की क्षमता रखने वाला अनुभवी निवेशक लंबी अवधि के लिहाज से इन फंडों में निवेश पर विचार कर सकता है।' 'जिन निवेशकों को खास क्षेत्रों के बारे में पर्याप्त जानकारी है और जो अपने पोर्टफोलियो में कुछ खास आक्रामकता को समायोजित कर सकते हैं, वे इन फंडों में निवेश कर सकते हैं। अगर निवेशक संतृप्ति स्तर पर पोर्टफोलियो से बाहर निकलने की विशेषज्ञता रखता है तो यह उनके लिए उपयुक्त हो सकता है।'

निवेश में देरी, आपको भी कर सकती है लक्ष्य से दूर

- निवेश में हर एक साल की देरी घटाती है कंपाउंडिंग की ताकत
- रिटर्न में भी आएगा लाखों का अंतर, समय पर शुरू करें निवेश
- सुरक्षित निवेश चाहते हैं तो म्युचुअल फंड एसआईपी सबसे बेहतर
- कम उम्र में निवेश से फाइनेंशियल टारगेट जल्द हो जाते हैं पूरे

सुझाव

बिजनेस डेस्क

अक्सर देखने में आता है कि निवेश की योजना बनाने में जितनी देरी या लापरवाही होगी, आप अपने फाइनेंशियल टारगेट को पूरा करने में उतना ही पीछे होते चले जाएंगे। कम उम्र में निवेश शुरू करने का मतलब है कि फाइनेंशियल टारगेट को पूरा करने के लिए ज्यादा समय। आज के दौर में बच्चे जल्द से जल्द आत्मनिर्भर बनना चाहते हैं। खास तौर से मेट्रो शहरों में युवा कम उम्र से ही अर्निंग मेंबर बन जाते हैं। एक तरह से कह लें तो उनमें जागरुकता भी बढ़ रही है, लेकिन क्या यही जागरुकता निवेश और बचत के मामले में भी है। क्या ये युवा नौकरी शुरू करते ही अपने रिटायरमेंट या नॉन वर्किंग ईयर्स के बारे में सोचते हैं। आमतौर पर बहुत से मामलों में इसका जवाब नहीं होगा। क्योंकि अर्निंग शुरू होने के कुछ साल वे अपनी तुरंत की जरूरतों और शौक पूरा करने पर ज्यादा खर्च करते हैं। इसलिए रिटायरमेंट के लिए फाइनेंशियल प्लानिंग उनकी प्राथमिकता में पीछे रह जाता है। लेकिन ये गलती कर वे कंपाउंडिंग की ताकत का फायदा लेने में उन लोगों से पीछे रह जाते हैं, जिन्होंने समय पर निवेश शुरू कर दिया है।

लक्ष्य पूरा करने में न रह जाएं पीछे

फाइनेंशियल एडवाइजर भी यही सलाह देते रहते हैं कि जितना जल्दी हो सके, भविष्य के बारे में सोचकर फाइनेंशियल प्लानिंग शुरू करें और लगातार निवेश बनाए रखते हुए अपनी प्लानिंग में अनुशासित बने रहें।

निवेश की योजना बनाने में जितनी देरी या लापरवाही होगी, आप अपने फाइनेंशियल टारगेट को पूरा करने में उतना ही पीछे होते जाएंगे। कम उम्र में निवेश शुरू करने का मतलब है कि फाइनेंशियल टारगेट को पूरा करने के लिए ज्यादा समय। वहीं लंबी अवधि में निवेश से आपको कंपाउंडिंग का पूरा फायदा भी मिलता है। निवेश का सुरक्षित विकल्प चुनना चाहते हैं तो आपके लिए म्युचुअल फंड एसआईपी बेहतर है। वहीं स्माल सेविंग्स स्कीम उनके लिए बेहतर है जो बाजार का रिस्क जरा भी नहीं लेना चाहते हैं।

उदाहरण से समझें

इसे हम एक उदाहरण से समझ सकते हैं। मान लिया 3 दोस्तों ए, बी और सी ने एक साथ नौकरी शुरू की। ए ने 25 साल की उम्र से फाइनेंशियल प्लानिंग शुरू किया, जबकि बी ने 30 की उम्र और सी ने 35 की उम्र से निवेश करना शुरू किया। तीनों ने एक ही म्यूचुअल फंड स्कीम में एक समान एसआईपी शुरू की। एक ही स्कीम होने से तीनों ने अनुमानित रिटर्न 12 फीसदी सालाना माना। रिटायरमेंट की उम्र 55 साल तय की। ऐसे में ए, बी और सी के पास निवेश के लिए 30 साल, 25 साल और 20 साल मिल गया।

पहला

- निवेशक ए : 30 साल का लक्ष्य
- मंथली एसआईपी : 5000 रुपये
- अवधि: 30 साल
- अनुमानित रिटर्न: 12% सालाना
- कुल निवेश: 18 लाख रुपये
- 30 साल बाद फंड: 1,76,49,569 रुपये (1.8 करोड़)
- फायदा: 1,58,49,569 रुपये (1.6 करोड़)

दूसरा

- निवेशक बी : 25 साल का लक्ष्य
- मंथली एसआईपी: 5000 रुपये
- अवधि: 25 साल
- अनुमानित रिटर्न: 12% सालाना
- कुल निवेश: 15 लाख रुपये
- 30 साल बाद फंड: 94,88,175 रुपये (95 लाख रुपये)
- फायदा: 79,88,175 रुपये (करीब 80 लाख रुपये)

तीसरा

- निवेशक सी: 20 साल का लक्ष्य
- मंथली एसआईपी: 5000 रुपये
- अवधि: 20 साल
- अनुमानित रिटर्न: 12% सालाना
- कुल निवेश: 12 लाख रुपये
- 30 साल बाद फंड: 49,95,740 रुपये (करीब 50 लाख रुपये)
- फायदा: 37,95,740 रुपये (करीब 38 लाख रुपये)

क्या मिला रिजल्ट

- पहले केस में निवेश के लिए 30 साल का समय मिल गया और कुल 18 लाख निवेश के बदले कुल फंड 1.8 करोड़ हो गया। यानी करीब 1.6 करोड़ का फायदा हुआ।

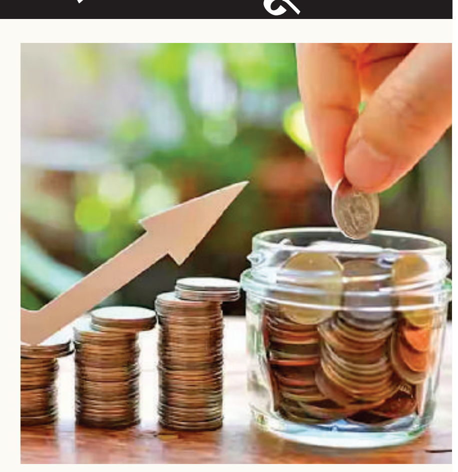

- दूसरे केस में निवेश के लिए 25 साल का समय मिला और कुल 15 लाख निवेश के बदले कुल फंड 95 लाख रुपये हुआ और करीब 80 लाख रुपये का फायदा हुआ।
- तीसरे केस में निवेश के लिए 20 साल का समय मिला और कुल 12 लाख निवेश के बदले कुल फंड करीब 50 लाख रुपये हुआ और करीब 38 लाख रुपये का ही फायदा हुआ।

कितना दिख रहा अंतर

आप खुद तय कर सकते हैं कि 18 लाख निवेश कर 1.80 करोड़ पाना चाहेंगे, कि 15 लाख के बदले 95 लाख या 12 लाख के बदले सिर्फ 50 लाख। यहां निवेशक सी ने अगर 10 साल पहले निवेश शुरू किया होता तो उसे सिर्फ 6 लाख और निवेश बढ़ाने पर 50 लाख के बदले 1.80 करोड़ मिल गए होते जो 1.30 करोड़ ज्यादा है। यही कंपाउंडिंग की ताकत है। इसी तरह से यहां निवेशक सी ने अगर 5 साल पहले निवेश शुरू किया होता तो उसे सिर्फ 3 लाख और निवेश बढ़ाने पर 95 लाख के बदले 1.80 करोड़ मिल गए होते जो 85 लाख रुपये ज्यादा हैं।

हर रोज जमा करें 6 रुपये मिलेगा अच्छा फायदा

बिजनेस डेस्क

बच्चे के जन्म के बाद कई माता-पिता अपने बच्चे के भविष्य की योजना बनाना शुरू कर देते हैं, निवेश के विभिन्न रास्ते तलाशते हैं। इनमें लड़कियों के लिए पोनमा बचत योजना और लड़कों के लिए पोनमगन बचत योजना जैसी लिंग-विशिष्ट योजनाएं लोकप्रिय रही हैं। इसी तरह डाकघरों ने बाल जीवन भीम योजना शुरू की गई है, जो विशेष रूप से बच्चों के लिए डिजाइन की गई जीवन बीमा योजना है। यह पहल डाक और मनीऑर्डर के पारंपरिक केंद्र से निवेश और वित्तीय विकास को सुविधाजनक बनाने में एक प्रमुख खिलाड़ी बनने के लिए डाकघरों की विकसित भूमिका को रेखांकित करती है। बाल जीवन भीम योजना 8 से 12 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए है, जो 18 वर्ष की आयु तक वित्तीय सुरक्षा प्रदान करती है। इस योजना की एक उल्लेखनीय विशेषता इसकी वहनीयता है, जिसके लिए 6 रुपये से शुरू होने वाले न्यूनतम दैनिक निवेश की आवश्यकता होती है। 18 वर्ष की आयु से पहले बीमित बच्चे की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु की स्थिति में योजना 1 लाख रुपये तक के बीमा कवरेज का वादा करती है।

बाल जीवन भीम योजना बना देगी लाखों की रकम

आवेदन प्रक्रिया और लाभ

बच्चे के लिए बीमा करवाने के इच्छुक माता-पिता सीधे किसी भी नजदीकी डाकघर में आवेदन कर सकते हैं। बाल जीवन भीम योजना व्यापक ग्रामीण डाक जीवन बीमा पहल का हिस्सा है, जिसमें डाक जीवन बीमा योजना भी शामिल है। आरपीएलआई के तहत 1,000 रुपये के वार्षिक निवेश पर 48 रुपये बोनस मिल सकता है, जबकि डाक जीवन बीमा योजना में समान निवेश राशि पर 52 रुपये का थोड़ा अधिक बोनस मिलता है। ये बोनस पॉलिसी की परिपक्वता पर एकमुश्त भुगतान किए जाते हैं, जो अतिरिक्त वित्तीय सुरक्षा प्रदान करते हैं।

डाकघर अहम संस्थान

डिजिटल भुगतान प्लेटफ़ॉर्म में उछाल के बावजूद डाकघर कई लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण संस्थान बने हुए हैं, जो अब बच्चों के भविष्य को वित्तीय रूप से सुरक्षित करने के लिए बाल जीवन भीम योजना जैसे रास्ते पेश कर रहे हैं। यह योजना माता-पिता को मानसिक शांति प्रदान करती है।

सोना कितना खरा : कैसे करें निवेश कि हो जाएं मालामाल

क्या बेहतर सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड या डिजिटल गोल्ड, फायदे और अंतर जानने के बाद ही करें इंवेस्टमेंट

बिजनेस डेस्क

सर्राफा बाजार में इन दिनों सोने की चर्चा जोरों पर हैं। जानकारों का कहना है कि इस साल सोना 75 से 80 हजारी तक हो सकता है। ऐसे में सोने में निवेश एक बेहरीन अवसर है। अगर आपके मन में भी सोने में निवेश कर अच्छा मुनाफा कमाने की चाहत है तो आप भी इसमें निवेश कर सकते हैं। गोल्ड यानी सोना लॉन्ग टर्म परफॉर्मर रहा है। निवेश के लिए यह एक भरोसेमंद विकल्प है। हो सकता है कि इसमें इक्विटी की तरह से अचानक हाई रिटर्न न मिले, लेकिन यह लंबी अवधि में स्टेबल रिटर्न देने के लिए जाना जाता है। लंबी अवधि में इसका रिटर्न कई एसेट क्लास से बेहतर भी रहा है। न सिर्फ आर्थिक अनिश्चितता में बल्कि गोल्ड ने तो शेयर बाजारों की तेजी में भी हाई रिटर्न दिया है। ऐसे में एक्सपर्ट पोर्टफोलियो में 5 से 8 फीसदी अलोकेशन गोल्ड में रखने की बात करते हैं। उनका यह भी कहना है कि गोल्ड में निवेश का बेस्ट विकल्प सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) हो सकता है, क्योंकि इसमें मिलने वाले कुछ बेनेफिट इसे खास बनाते हैं। गोल्ड में इंवेस्ट करने की इच्छा है तो फिजिकल गोल्ड से बढ़िया है कि आप सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड या फिर डिजिटल गोल्ड में इंवेस्ट करें। अब आप सोच रहे होंगे कि आखिर किसमें निवेश करना ज्यादा बेहतर है और दोनों में क्या-क्या अतंर है तो चलिए इस रिपोर्ट में आपको बताते हैं कि सोने में निवेश के लिए क्या बेहतर है।

क्या है सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड एक सरकारी बॉन्ड होता है। इसे आरबीआई के द्वारा जारी किया जाता है। ये बॉन्ड 1 ग्राम सोने का होता है इसका मतलब है कि 1 ग्राम सोने की जो कीमत होती है वहीं, बॉन्ड की कीमत होती है। इसमें अगर आप निवेश करते हैं तो जोखिम का खतरा भी काफी कम होता है। इसमें आप 24 कैरेट के 99.9 प्रतिशत शुद्ध सोने में इंवेस्ट कर सकते हैं। बात करें इसकी मैच्योरिटी की तो बता दें कि इसमें निवेश को मार्केट रेट के हिसाब से पैसे मिलते हैं और सब्सक्राइबर्स को 2.5 प्रतिशत का सालाना ब्याज मिलता है।

क्या होता है डिजिटल गोल्ड

आज के डिजिटल युग में लोगों सिर्फ फिजिकल गोल्ड में ही नहीं, बल्कि डिजिटल गोल्ड में भी निवेश करना बहुत पसंद कर रहे हैं। यह एक ऐसे प्रकार का गोल्ड है, जिसे आप आसानी से बेच भी सकते हैं और इसमें निवेश करना भी काफी सुरक्षित माना जाता है। सिर्फ यही नहीं, आप डिजिटल गोल्ड में एक रुपये से भी निवेश करना शुरू कर सकते हैं। डिजिटल गोल्ड को डिजिटल वॉलेट में रखा जाता है और समय के साथ इसकी कीमत भी बढ़ती जाती है। गूगल पे, फोन पे, अन्य कई सारे ऐप्स के माध्यम से भी आप डिजिटल गोल्ड खरीद सकते हैं। भारत में एमएमटीसी-पीएएमपी इंडिया प्रा. लिमिटेड, ऑगमोंट गोल्ड लिमिटेड जैसी कंपनियां डिजिटल गोल्ड ऑफर करती हैं। आप डिजिटल गोल्ड को फिजिकल रूप में भी बदल सकते हैं। इसे आप गोल्ड बार, गोल्ड के सिक्कों में भी बदल सकते हैं।

डिजिटल गोल्ड और सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में अंतर

डिजिटल गोल्ड में आपको गोल्ड के दामों का तुरंत अपडेट मिलता है। आप रीयल-टाइम मार्केट अपडेट के आधार पर गोल्ड को खरीद या बेच सकते हैं। सिर्फ यही नहीं, डिजिटल गोल्ड को आप फिजिकल गोल्ड में आसानी से कन्वर्ट कर सकते हैं, जबकि सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में आपको यह ऑप्शन नहीं मिलता है। इसके अलावा सॉवरेन गोल्ड में 5 साल का लॉक-इन टाइम पीरियड होता है और 5 साल पूरा होने के बाद ही आप प्री-मैच्योर रिडम्पशन करा सकते है। मुख्य रूप से सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड 8 साल में मैच्योर होता है। वहीं, डिजिटल गोल्ड में कोई भी लॉक-इन पीरियड नहीं होता है और इसे कभी भी खरीदा या बेचा जा सकता है। डिजिटल गोल्ड खरीदने के लिए आपको सिर्फ इंटरनेट और नेटबैंकिंग की जरूरत होती है। डिजिटल गोल्ड पर टैक्स प्लस सेस और सरचार्ज चुकाना पड़ता है और इसके कारण इसका मुनाफा कम हो जाता है। वहीं, डिजिटल गोल्ड को लेकर आधिकारिक तौर पर ऑफिशियल रेगुलेटरी संस्था नहीं है, जबकि सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम केंद्र सरकार के तहत काम करती है। इन दोनों में ही निवेश करने से पहले आपको इनके बारे में पूरी जानकारी प्राप्त करनी चाहिए।

फोर्ब्स रिपोर्ट : सबसे ज्यादा कमाई करने वाले शीर्ष 10 एथलीट्स में पांच फुटबॉलर, बास्केटबॉल के तीन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

फोर्ब्स ने साल 2024 के सबसे ज्यादा कमाई करने वाले शीर्ष 50 एथलीटों की सूची जारी कर दी है। इस लिस्ट में कोई भी भारतीय नाम नहीं है और न ही क्रिकेट खेलने वाला कोई खिलाड़ी है। पिछली बार 2020 में किसी भारतीय एथलीट ने इस लिस्ट में जगह बनाई थी।

तब विराट कोहली शीर्ष 100 की सूची में 66वें नंबर पर रहे थे। 2021 से वह फोर्ब्स की सूची से गायब हैं। 2024 की ताजा लिस्ट में पुर्तगाल और अल नस्र के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो शीर्ष पर हैं। उन्होंने इस साल 260

मिलियन यूएस डॉलर यानी 2167 करोड़ रुपए की कमाई की है। रोनाल्डो ने इस मामले में अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर और कप्तान लियोनल मेसी जैसे खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया।

रोनाल्डो पिछले साल भी शीर्ष पर थे। हालांकि, तब उनकी कमाई 136 मिलियन यूएस डॉलर यानी 1133 करोड़ रुपए थी, जो कि इस साल लगभग दोगुनी हो गई है। साल 2024 में शीर्ष-10 कमाई करने वाले एथलीट्स की सूची में फुटबॉल के सबसे ज्यादा पांच खिलाड़ी हैं, जबकि बास्केटबॉल के तीन और गोल्फ-रग्बी (अमेरिकी फुटबॉल) के एक-एक खिलाड़ी हैं।

मेसी तीसरे स्थान पर

इस साल सबसे ज्यादा कमाई करने वाले एथलीटों में दूसरे नंबर पर गोल्फ के खिलाड़ी जॉन रैम हैं। उनकी कुल कमाई 218 मिलियन यूएस डॉलर यानी 1818 करोड़ रुपए की है। तीसरे नंबर पर 135 मिलियन यूएस डॉलर यानी 1126 करोड़ रुपए की कमाई के साथ मेसी हैं। मेसी पिछले साल दूसरे नंबर पर थे और उनकी कमाई 130 मिलियन यूएस डॉलर यानी 1084 करोड़ रुपए की रही थी। इस साल उनकी कमाई तो बढ़ी है, लेकिन रोनाल्डो की तुलना में बेहद कम रही है। रोनाल्डो को सऊदी फुटबॉल लीग में अल नस्र से जुड़ने का फायदा हुआ, जबकि मेसी पीएसजी छोड़कर मेजर लीग सॉकर में मियामी टीम को जॉइन किया था।

नेमार ने भी टॉप-10 में बनाई जगह

इस साल सबसे ज्यादा कमाई करने वाले एथलीटों में चौथे नंबर पर स्टार बास्केटबॉल खिलाड़ी लेब्रोन जेम्स हैं। उन्होंने इस साल 128.2 मिलियन यूएस डॉलर यानी 1069 करोड़ रुपए की कमाई की है। पिछले साल लेब्रोन चौथे नंबर पर ही थे। तब उनकी कमाई 119.5 मिलियन यूएस डॉलर यानी 996 करोड़ रुपए की रही थी। इस साल पांचवें नंबर पर गियानिस हैं। उनकी कमाई 111 मिलियन यूएस डॉलर यानी 925 करोड़ रुपए की रही है। छठे नंबर पर पीएसजी और फ्रांस के स्टार फुटबॉलर किलियन एम्बाप्पे हैं। उनकी कमाई 110 मिलियन यूएस डॉलर यानी 917 करोड़ रुपए की रही है। एम्बाप्पे पिछले साल तीसरे स्थान पर थे। तब उनकी कमाई 120 मिलियन डॉलर यानी 1000 करोड़ रुपए की रही थी। सातवें नंबर पर 108 मिलियन यूएस डॉलर यानी 900 करोड़ रुपए की कमाई के साथ ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार हैं।

10वें स्थान पर जैकसन

आठवें नंबर पर 106 मिलियन यूएस डॉलर यानी 883 करोड़ रुपए की कमाई के साथ फ्रांस के पूर्व स्टार फुटबॉलर करीम बेंजेमा हैं। जबकि नौवें नंबर पर 102 मिलियन यूएस डॉलर यानी 850 करोड़ रुपए की कमाई के साथ स्टार बास्केटबॉल प्लेयर स्टीफन करी हैं। 10वें स्थान पर अमेरिकी फुटबॉल यानी रग्बी प्लेयर लमार जैकसन हैं। उन्होंने इस साल 100.5 मिलियन यूएस डॉलर यानी 838 करोड़ रुपए की कमाई की है।

पिछले साल की लिस्ट से काफी अंतर

पिछले साल से इस साल की लिस्ट में पांच खिलाड़ियों का अंतर है। पिछले साल इस लिस्ट में ज्यादातर खिलाड़ी बास्केटबॉल के थे। पिछले साल बॉक्सर कनेलो अल्वारेज (पांचवां स्थान, 110 मिलियन यूएस डॉलर), गोल्फर डस्टिन जॉनसन (छठा स्थान, 107 मिलियन यूएस डॉलर), गोल्फर फिल मिकेलसन (सातवां स्थान, 106 मिलियन यूएस डॉलर), पूर्व टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर (नौवें स्थान, 95.1 मिलियन यूएस डॉलर) और बास्केटबॉल खिलाड़ी केविन डुरंट (10वां स्थान, 89.1 मिलियन यूएस डॉलर) इस लिस्ट में शामिल थे।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
कोलकाता	13	9	3	19
राजस्थान	13	8	5	16
हैदराबाद	13	7	5	15
बेंगलोर	14	7	7	14
चेन्नई	14	7	7	14
दिल्ली	14	7	7	14
लखनऊ	14	7	7	14
गुजरात	14	5	7	12
पंजाब	13	5	8	10
मुंबई	14	4	10	8

ऑरेंज कैप

विराट कोहली
708 रन
बेंगलोर

पर्पल कैप

हर्षल पटेल
22 विकेट
पंजाब

हार्दिक पर एक मैच का बैन, 30 लाख का जुर्माना

मुंबई। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या पर आईपीएल के इस सत्र में धीमी ओवरगति के तीसरे अपराध के लिए एक मैच का निलंबन और 30 लाख रुपए जुर्माना लगाया गया है। लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ शुक्रवार को आखिरी लीग मैच के साथ ही इस सत्र में मुंबई का अभियान खत्म हो गया यानी पंड्या अगले सत्र में पहला मैच नहीं खेल सकेंगे। एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा गया, 'मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या पर आईपीएल 2024 में लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम पर 17 मई को हुए मैच के दौरान धीमी ओवरगति के लिए जुर्माना लगाया गया है। इंपैक्ट खिलाड़ी रोहित शर्मा समेत टीम के बाकी सदस्यों पर मैच फीस का 50 प्रतिशत या 12 लाख रुपए में से जो कम हो, जुर्माना लगाया गया है।

सिफत, नीरज ने जीते ओलंपिक चयन ट्रायल

भोपाल। सिफत कौर सामरा ने ओलंपिक चयन ट्रायल तीन और चार में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस स्पर्धा तीसरी बार जीत ली जबकि नीरज कुमार ने पुरुष वर्ग में दूसरी बार जीत दर्ज की। सिफत ने महिलाओं की थ्री पोजिशंस ट्रायल 4 में 461.3 स्कोर करके निच्छल को एक अंक से हराया। पुरुष वर्ग में नीरज ने 462.9 स्कोर करके पहला स्थान हासिल की। चार ट्रायल में तीन जीतकर सिफत इस वर्ग में शीर्ष रही जबकि अंजुम दूसरे स्थान पर रही। पुरूष वर्ग में ऐश्वर्य तोमर और कुसाले पहले दो स्थान पर रहे।

जडेजा-धोनी आखिरी ओवर में 7 रन ही बना सके, दयाल को 2 विकेट

आरसीबी ने सीएसके को 27 रन से हरा प्लेऑफ के लिए किया क्वालीफाई

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) शीर्ष क्रम की शानदार बल्लेबाजी के बाद अंतिम ओवर में यश दयाल की गेंदबाजी से शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के रोमांचक मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को 27 रन से हराकर प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने वाली चौथी और अंतिम टीम बनी। कोलकाता नाइट राइडर्स, राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद पहले ही प्लेऑफ में जगह पक्की कर चुकी हैं। कप्तान फाफ डुप्लेसी (54 रन) की अगुआई में शीर्ष क्रम के शानदार प्रदर्शन से आरसीबी ने पांच विकेट पर 218 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। फिर उसके गेंदबाजों ने सीएसके को 20 ओवर में सात विकेट पर 191 रन पर रोक दिया और लगातार छठी जीत से प्लेऑफ का टिकट कटाया। सीएसके रचिन रविंद्र (61 रन, 37 गेंद, पांच चौके, तीन छक्के) के अर्धशतक और रविंद्र जडेजा (नाबाद 42 रन) के योगदान तथा अनुभवी महेंद्र सिंह धोनी के 25 रन के बावजूद प्लेऑफ में जगह नहीं बना सकी। आरसीबी के लिए यश दयाल ने 42 रन देकर दो विकेट झटके और अंतिम ओवर में

सीएसके को 17 रन बनाने से महरूम कर उसकी क्वालीफाई करने की उम्मीदों को तोड़ दिया। मेजबान टीम के मजबूत स्कोर के लिए डुप्लेसी (39 गेंद, तीन चौके, तीन छक्के) के अलावा विराट कोहली (47 रन, 29 गेंद), रजत पाटीदार (41 रन, 23 गेंद) और कैमरन ग्रीन (नाबाद 38, 17 गेंद) ने योगदान दिया। प्लेऑफ क्वालीफिकेशन की समीकरण के अनुसार आरसीबी को कट में जगह बनाने के लिए कम से कम 18 रन से जीत की जरूरत थी। सीएसके आरसीबी से हारने के बावजूद 200 से अधिक रन का स्कोर बनाकर या फिर मैच बारिश की भेंट चढ़ जाने से क्वालीफाई कर लेती। सी एस के की शुरूआत काफी खराब रही जिसने पारी की पहली ही गेंद पर अपने कप्तान रूतुराज गायकवाड़ का विकेट गंवा दिया जिन्हें ग्लेन मैक्सवेल (25 रन देकर एक विकेट) ने यश दयाल के हाथों कैच आउट कराया। डेरिल मिचेल छह गेंद ही खेल पाये थे कि यश दयाल ने तीसरे ओवर में पवेलियन लौटा दिया। कोहली ने उनका कैच लपका। अजिंक्य रहाणे और रचिन रविंद्र तीसरे विकेट के लिए 41 गेंद में 66 रन की साझेदारी कर अच्छे दिख रहे थे।

बेंगलुरु-218/5 (20)

खिलाड़ी	रन
कोहली का मिचेल बो सैंटनर	47
फाफ डुप्लेसी रन आउट	54
रजत का डेरिल मिचेल बो ठाकुर	41
कैमरन ग्रीन नाबाद	38
कार्तिक का धोनी बो देशपांडे	14
मैक्सवेल का धोनी बो ठाकुर	16
महिपाल लोमरोर नाबाद	00

अतिरिक्त : 08
कुल : 20 ओवर में पांच विकेट पर 218 रन
विकेट पतन : 1-78, 2-113, 3-184, 4-201, 5-218
गेंदबाजी: देशपांडे 4-0-49-1, शार्दुल 4-0-61-2, तीक्ष्णा 4-0-25-0, मिचेल 4-0-23-1, जडेजा 3-0-40-0, सिमरजीत सिंह 1-0-19-0

चेन्नई-191/7 (20)

खिलाड़ी	रन
रूतुराज का यश बो मैक्सवेल	00
रचिन रविंद्र रन आउट	61
डेरिल का कोहली बो यश दयाल	04
रहाणे का डुप्लेसी बो फर्ग्यूसन	33
शिवम दुबे का फर्ग्यूसन बो ग्रीन	07
रविंद्र जडेजा नाबाद	42
मिचेल का डुप्लेसी बो सिराज	03
धोनी का स्वप्निल बो यश दयाल	25
शार्दुल ठाकुर नाबाद	01

अतिरिक्त : 15
कुल : 20 ओवर में सात विकेट पर 191 रन
विकेट पतन : 1-78, 2-113, 3-184, 4-201, 5-218, 6-129, 7-190
गेंदबाजी: मैक्सवेल 4-0-25-1, सिराज 4-0-35-1, यश 4-0-42-2, स्वप्निल 2-0-13-0, कर्ण 1-0-14-0, लॉकी 3-0-39-1, ग्रीन 2-0-18-1

जीत से टॉप-2 पर पहुंचेगी सनराइजर्स, पंजाब अंतिम लीग मैच में देगी चुनौती

हैदराबाद। पिछले तीन साल में पहली बार प्लेऑफ में जगह बनाने के बाद आत्मविश्वास से लबरेज सनराइजर्स हैदराबाद की टीम रविवार को यहां जब लीग चरण के अपने अंतिम मुकाबले में पंजाब किंग्स के खिलाफ मैदान पर उतरेगी तो उसकी कोशिश अंक तालिका में शीर्ष दो में जगह बनाने पर होगी। आईपीएल के पिछले तीन सत्र में अंक तालिका में सबसे निचले पायदान पर रही सनराइजर्स की टीम ने इस साल अति-आक्रामक बल्लेबाजी दृष्टिकोण और बेहतरीन गेंदबाजी के साथ खुद को खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में स्थापित किया है। हैदराबाद ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ पिछला मैच बारिश से धुल जाने के बाद अंतिम चार में अपनी जगह पक्की की।

खास खबर

फाइनल में ज्वेरेव का सामना जेरी से होगा

एजेंसी ▶▶| रोम

पांचवीं रैंकिंग वाले अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने चिली के अलेजांद्रो ताबिलो को 1-6, 7-6, 6-2 से हराकर इटालियन ओपन टेनिस के फाइनल में प्रवेश कर लिया।

फाइनल में उनका सामना चिली के ही निकोलस जेरी से होगा जिन्होंने टॉमी पॉल को 6-3, 6-7, 6-3 से हराया। रोम में ज्वेरेव का यह तीसरा फाइनल है। उन्होंने 2017 में नोवाक जोकोविच को हराकर पहला मास्टर्स सीरिज खिताब जीता था। इसके एक साल बाद वह रफेल नडाल से हार गए। महिला फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त इगा स्वियाटेक का सामना दूसरी रैंकिंग वाली एरिना सबालेंका से होगा।

टाइमिंग सही नहीं होने पर भारत का कोच बनना बेहद थकाऊ काम

मुंबई। भारत का कोच बनना क्रिकेट जगत की सबसे बड़ी जिम्मेदारियों में से एक है और आस्ट्रेलिया के पूर्व मुख्य कोच जस्टिन लैंगर का मानना है कि अगर टाइमिंग सही नहीं हो तो यह काफी थकाऊ काम हो सकता है। आईपीएल के इस सत्र में लखनऊ सुपर जाइंट्स के कोच रहे लैंगर से कई बार पूछा गया कि क्या वह भारत का कोच बनने के इच्छुक हैं चूंकि राहुल द्रविड़ का कार्यकाल टी20 विश्व कप के बाद खत्म हो रहा है। लैंगर ने एक सवाल के जवाब में कहा, 'यह क्रिकेट का सबसे बड़ा काम है, भारतीय टीम का मुख्य कोच बनना। एक तो इतना अधिक क्रिकेट हो रहा है और दूसरा अपेक्षाओं का भारी दबाव। यह काफी चुनौतीपूर्ण है लेकिन रोमांचक भी होगा। इसके लिए टाइमिंग सही रहने की जरूरत है। मैं आस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के साथ करीब चार साल था।

निकहत और मीनाक्षी ने जीता स्वर्ण, एलोर्डा कप में भारत के नाम 12 पदक

एजेंसी ▶▶| अस्ताना

मौजूदा विश्व चैंपियन निकहत जरीन और मीनाक्षी ने अपने-अपने भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीते जिससे भारतीय टीम ने शनिवार को यहां एलोरडा कप मुक्केबाजी में अपना अभियान अब तक के सर्वश्रेष्ठ 12 पदकों के साथ खत्म किया। निकहत और मीनाक्षी के स्वर्ण पदकों के अलावा, भारतीय मुक्केबाजों ने दो रजत और आठ कांस्य पदक जीतकर पिछले सत्र से काफी बेहतर प्रदर्शन किया। भारतीय मुक्केबाजों ने पिछले सत्र में पांच पदक अपने नाम किए थे। निकहत (52 किग्रा) ने प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में अपना दबदबा जारी रखते हुए कजाकिस्तान की जजीरा उराकबायेवा को 5-0 के स्कोर से हराकर अपने प्रभावशाली

करियर में एक और स्वर्ण पदक जोड़ा। मीनाक्षी ने दिन की शानदार शुरुआत करते हुए महिलाओं के 48 किग्रा फाइनल में उज्बेकिस्तान की रहमोनोवा सैदाहोन को 4-1 से हराकर भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया। अनामिका (50 किग्रा) और मनीषा (60 किग्रा) को फाइनल में हार का सामना करना पड़ा और उनका अभियान रजत पदक के साथ समाप्त हुआ।

भारतीय पदक विजेता

स्वर्ण: मीनाक्षी (48 किग्रा) और निकहत जरीन (52 किग्रा)
रजत: अनामिका (50 किग्रा) और मनीषा (60 किग्रा)
कांस्य (पुरुष): याइफाबा सिंह सोइबम (48 किग्रा), अभिषेक यादव (67 किग्रा), विशाल (86 किग्रा) और गौरव चौहान (92 किग्रा से अधिक); कांस्य (महिला) : सोनू (63 किग्रा), मंजू बम्बोरिया (66 किग्रा), शलाखा सिंह संसनवाल (70 किग्रा) और मोनिका (81 किग्रा से अधिक)।

टी20 विश्व कप : 25 को न्यूयॉर्क रवाना होंगे भारतीय खिलाड़ी

नई दिल्ली। भारत के अधिकांश क्रिकेटर और सहयोगी स्टाफ टी20 विश्व कप के लिए 25 मई को न्यूयॉर्क रवाना होगा जबकि बाकी 26 मई को आईपीएल फाइनल के बाद जाएंगे। इससे पहले आईपीएल प्लेआफ के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी टीमों के सदस्यों को 21 मई को रवाना होना था लेकिन बाद में योजना में बदलाव हुआ। अब वे 25 मई को रवाना होंगे। बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया, 'रोहित शर्मा, हार्दिक पंड्या, सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह, ऋषभ पंत, अर्शदीप सिंह, अक्षर पटेल और सहयोगी स्टाफ 25 मई को रवाना होगा। पहले जत्थे को 21 मई को जाना था लेकिन भारतीय टीम एकमात्र अभ्यास मैच (एक जून को बांग्लादेश के खिलाफ) खेल रही है तो खिलाड़ियों को घर पर कुछ अतिरिक्त समय मिल जाएगा।' आईपीएल फाइनल खेलने वाले खिलाड़ी 27 मई को रवाना होंगे। भारत को पहला मैच पांच जून को आयरलैंड से और नौ जून को पाकिस्तान से खेलना है।

सात्विक-चिराग की जोड़ी थाईलैंड ओपन खिताब से एक कदम दूर

एजेंसी ▶▶| बैंकॉक

विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल ने शनिवार को यहां चीनी ताइपे के लू मिंग-चे और तांग काई-वेई की जोड़ी पर सीधे गेम में आसान जीत के साथ थाईलैंड ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया।

एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता सात्विक और चिराग को सुपर 500 स्तर के इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल को जीतने में महज 35 मिनट का समय लगा। उन्होंने 21-11 21-12 से आसान जीत दर्ज की। सात्विक और चिराग ने सुपर 500 स्तर के

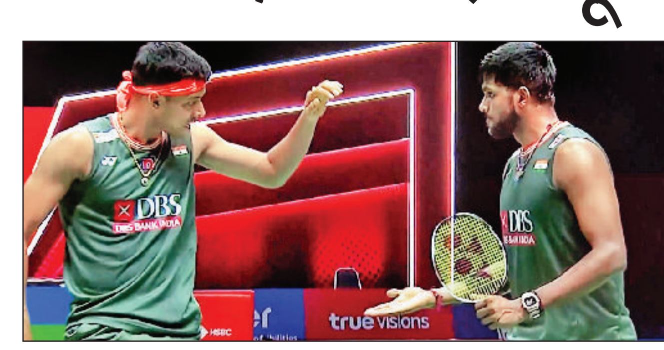

टूर्नामेंट में पहली बार सफलता का स्वाद थाईलैंड ओपन में ही चखा था। यह जोड़ी पांच साल पहले 2019 में यह चैंपियन बनीं थी। मौजूदा सत्र में यह भारतीय जोड़ी चौथी बार बीडब्लूएफ विश्व टूर स्पर्धा के टूर्नामेंट में फाइनल में पहुंची है। यह जोड़ी मार्च में फ्रेंच सुपर 750 का ताज पहनने के बाद मलेशिया सुपर 1000 और इंडिया सुपर 750 में उपविजेता रही थी। टूर्नामेंट में शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी के सामने खिताबी मुकाबले में चेन बो यांग और लियू यी की जोड़ी की चुनौती होगी।

इंपैक्ट खिलाड़ी के नियम ने खेल का संतुलन बिगाड़ा

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

कप्तान रोहित शर्मा से सहमति जताते हुए स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने इंपैक्ट खिलाड़ी के नियम की आलोचना करते हुए कहा कि इससे खेल का संतुलन बिगड़ रहा है। आईपीएल के पिछले सत्र से पारी के बीच में स्थानापन्न खिलाड़ी को उतारने का नियम शुरू हुआ है जिस पर रोहित ने भी नाराजगी जताई थी। अब कोहली ने कहा, 'मैं रोहित का समर्थन करता हूं। मनोरंजन खेल का एक पहलू है लेकिन संतुलन भी होना चाहिए। इससे खेल का संतुलन बिगड़ा है और कई लोगों को ऐसा लगता है,

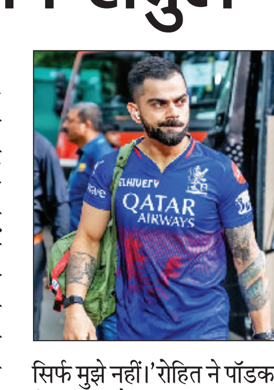

सिर्फ मुझे नहीं।' रोहित ने पॉडकास्ट में कहा, 'मैं इस नियम का मुरीद नहीं हूं। इससे हरफनमौलाओं पर विपरीत असर पड़ेगा। क्रिकेट 11 खिलाड़ियों का खेल है, 12 का नहीं।' आईपीएल के इस सत्र में आठ बार 250 रन से अधिक का स्कोर बना और कोहली गेंदबाजों का दर्द समझते हैं। उन्होंने कहा, 'गेंदबाजों को लग रहा है कि हम क्या करें। मैने कभी ऐसा नहीं देखा जब गेंदबाजों को लगता है कि वे हर गेंद पर चार या छह रन देंगे। हर टीम के पास बुमराह या राशिद खान तो है नहीं। एक अतिरिक्त बल्लेबाज के कारण पावरप्ले में मैं 200 प्लस के स्ट्राइक रेट से खेल रहा हूं क्योंकि मुझे पता है कि आठवें नंबर पर भी एक बल्लेबाज है। मेरा मानना है कि शीर्ष स्तर पर क्रिकेट में इस तरह का दबदबा नहीं होना चाहिए। बल्ले और गेंद के बीच समान संतुलन होना चाहिए।'

मुझे किसी के अनुमोदन या आश्वासन की जरूरत नहीं है: कोहली: बेंगलुरु। दिग्गज भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने अपने स्ट्राइक रेट पर आलोचना और बहस का जवाब देते हुए कहा कि उन्हें अपनी क्षमता पर किसी के अनुमोदन या आश्वासन की जरूरत नहीं है क्योंकि उन्हें पता है कि वह मैदान पर क्या कर सकते हैं। कोहली इस साल आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज है।

प्राणवी, दीक्षा और त्वेसा ने कट हासिल किए

ब्रेंडेनबर्ग। प्रणवी उर्स, दीक्षा डागर और त्वेसा मलिक अमुंडी जर्मन मास्टर्स गोल्फ में कट में जगह बनाने में सफल रहीं। प्रणवी और दीक्षा ने दूसरे दौर में एक-ओवर 73 का कार्ड खेला। दो दौर के खेल के बाद दोनों खिलाड़ी तीन ओवर के एक समान स्कोर के साथ संयुक्त 30वें स्थान पर है। त्वेसा (77) पांच ओवर के स्कोर के साथ कट में जगह बनाने में सफल रही। टूर्नामेंट में भाग ले रही चार अन्य भारतीयों में से स्नेहा सिंह (75) एक शॉट से, वाणी कपूर (77) तीन शॉट से और अमनदीप द्राल (78) पांच शॉट से कट में जगह बनाने से चूक गई।

ज्योतिष

सबको आजमाया बार-बार
हमें आजमाये सिर्फ एक बार
तंत्र-मंत्र के सम्राट
जिसे होगा ज्ञान वही करेगा काम
सभी समस्याओं का समाधान
बाबा अकबर खान
स्पे. प्रेम विवाह, किया कराया, कारोबार, शादी में रूकावट, ग्रहक्लेश, विदेश यात्रा, मुठकरनी, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, A to Z सभी समस्याओं का तुरंत समाधान पायें।
नोट : अगर कोई मुझसे पहले काम करके दिखाए तो उसे मुँह मांगा ईनाम
9810842229
बी-5, बलराम हाऊस, मिलन सिनेमा के सामने, करमपुरा, नई दिल्ली-110015
फीस 201/-रु.

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

पहचान की अपील

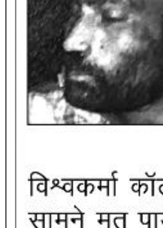

एतदद्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक अज्ञात व्यक्ति का शव जिसकी **उम्र:** लगभग 35 साल, **कद :** 5'6", **रंग:** सांवला, **चेहरा:** गोल, **बाल:** छोटे घुंघराले काले, **आंखें:** काली तथा लाल और सफेद रंग की चेकदार शर्ट और सफेद पैंट पहने हुए था, दिनांक 17.05.2024 को महाराज सिंह मार्केट, विश्वकर्मा कॉलोनी, पुल प्रह्लादपुर, नई दिल्ली–110044 के सामने मृत पाया गया। इस संदर्भ में प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 205/2024 धारा 279/304ए भा.द.सं. दिनांक 17.05.2024 थाना पुल प्रह्लादपुर, दक्षिण–पूर्व जिला, नई दिल्ली में दर्ज है।

यदि किसी भी व्यक्ति को इस मृतक के बारे में कोई जानकारी या सुराग मिले तो निम्नलिखित को सूचित करने की कृपा करें:–

थानाध्यक्ष : थाना पुल प्रह्लादपुर, दक्षिण–पूर्व जिला, नई दिल्ली
दूरभाष सं.: 011-26366800, 8750870934
DP/5885/SE/2024

सेमीकंडक्टर चिप्स के निर्माण की दौड़ में भारत भी शामिल | **अमेरिकी कंपनी माइक्रोन 2027 से उत्पादन शुरू करेगी** | **धोलेरा में 28 नैनोमीटर से लेकर 14 नैनोमीटर तक के चिप्स बनाए जाएंगे**

गुजरात के धोलेरा में बन रहा 'मिनी ताइवान' साणंद व असम में उत्पादन संयंत्र ले रहा आकार

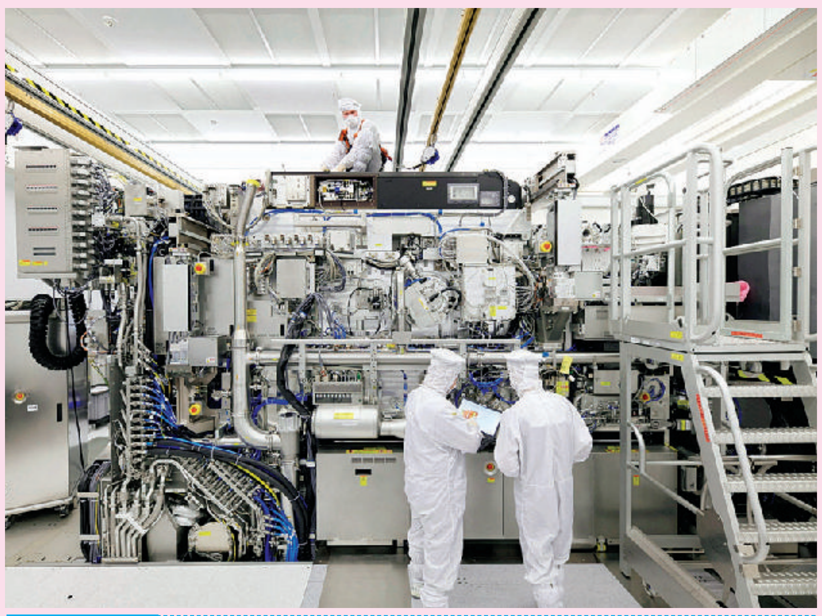

असम में प्रतिदिन 4.8 करोड़ चिप्स

टाटा ग्रुप की टाटा सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट प्राइवेट लिमिटेड (टीएसएटी) गुजरात के अलावा असम के मोरीगांव में 27 हजार करोड़ रुपए के निवेश से संयंत्र लगा रही है। इस संयंत्र में रोजाना 4.8 करोड़ चिप्स बनाने की क्षमता होगी। मार्च 2024 में पीएम नरेंद्र मोदी ने इसका भूमिपूजन किया था

एजेंसी ▸▸ अहमदाबाद

चीन का पड़ोसी छोटा सा देश ताइवान आज पूरी दुनिया को सेमीकंडक्टर चिप्स की आपूर्ति कर रहा है। चिप्स की बढ़ती मांग के चलते अब अमेरिका, जापान जैसे देश भी चिप्स संयंत्र का तेजी से विस्तार कर रहे हैं। अब इस रेस में भारत भी शामिल हो चुका है। भारत में गुजरात और असम में सेमीकंडक्टर चिप्स के संयंत्र तैयार हो रहे हैं। गुजरात में दो संयंत्र बनने हैं, एक साणंद में और दूसरा धोलेरा में। तीसरा संयंत्र असम में बनाया जाएगा। धोलेरा का संयंत्र तो ताइवान की मदद से ही तैयार किया जा रहा है। इन संयंत्र के तैयार हो जाने के बाद देश के इंजीनियर्स को भारत से बाहर नहीं जाना पड़ेगा।

धोलेरा में लग रहे संयंत्र की लागत 91 हजार करोड़ रुपए

असम में लग रहे संयंत्र की लागत 27 हजार करोड़ रुपए

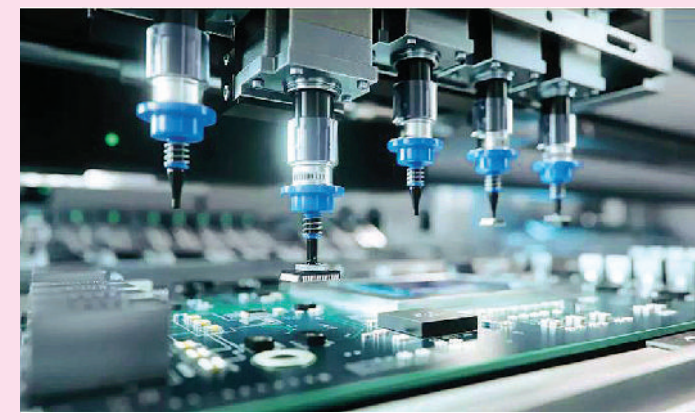

ताइवान की कंपनी है पार्टनर

टाटा ग्रुप और ताइवान की पॉवचिप सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कॉर्पोरेशन (पीएसएमसी) धोलेरा में 91 हजार करोड़ रुपए की लागत से संयंत्र लगा रहे हैं। मार्च-2024 में पीएम नरेंद्र मोदी ने वर्चुअली इस संयंत्र का शिलान्यास किया था। इस संयंत्र में 28 नैनोमीटर से लेकर 14 नैनोमीटर तक के चिप्स बनाए जाने हैं। इन चिप्स का इस्तेमाल टैबलेट, लैपटॉप, स्मार्टफोन, इलेक्ट्रिक वाहन में होगा।

माइक्रोन साणंद में संयंत्र लगाएगी

अमेरिकी कंपनी माइक्रोन साणंद में संयंत्र लगाएगी। इसके लिए अगस्त-2023 में मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की मौजूदगी में एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए थे। इस एमओयू से पहले जुलाई-2023 में पीएम नरेंद्र मोदी अमेरिका गए थे और वहां माइक्रोन कंपनी ने गुजरात में संयंत्र लगाने का ऐलान किया था। संयंत्र के निर्माण का काम 2027 तक पूरा हो जाएगा।

जापान-थाईलैंड का संयुक्त उद्यम

जापान की रेनेसास इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन और थाईलैंड की स्टार माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ मिलकर गुजरात के साणंद में संयंत्र बनाएगी। यह सेमीकंडक्टर संयंत्र 7,600 करोड़ रुपए की लागत से बनाया जाएगा। यहां हर दिन 1.5 करोड़ चिप्स बनाए जा सकते हैं। इससे प्रत्यक्ष रूप से 20 हजार और अप्रत्यक्ष रूप से 60 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा।

सेमीकंडक्टर पॉलिसी

गुजरात सरकार ने 2022 से 2027 तक के लिए सेमीकंडक्टर नीति बनाई है और यह नीति बनाने वाला वह भारत का पहला राज्य बन गया है। 'गुजरात सेमीकंडक्टर नीति 2022-27' के तहत सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को सब्सिडी और प्रोत्साहन दिया जाएगा। परियोजना के लिए कुल 75 प्रतिशत सब्सिडी और भूमि खरीद पर जीरो स्टांप शुल्क की योजना बनाई गई है।

धोलेरा में स्पेशल इंवेस्टमेंट रीजन

अहमदाबाद से करीब 100 किमी की दूरी पर धोलेरा में स्पेशल इंवेस्टमेंट रीजन (एसआईआर) प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। यहां इतनी बड़ी जगह है कि अहमदाबाद से भी बड़ा शहर बसने वाला है। यहां सिंगापुर जैसा अत्याधुनिक शहर बसाया जा रहा है। जैसे ताइवान का सिंचू वैश्विक सेमीकंडक्टर हब बन गया है, वैसे ही धोलेरा भी गुजरात का सेमीकंडक्टर हब बनेगा। सिर्फ सेमीकंडक्टर ही नहीं, कई व्यवसाय यहां आएंगे। इसमें डिफेंस, एविएशन, फार्मास्यूटिकल्स, एग्रो और फूड प्रोसेसिंग, हाईटेक इंजीनियरिंग जैसे बिजनेस शामिल होंगे। सड़कों का काम पूरा हो चुका है और कई छोटे संयंत्र भी शुरू हो चुके हैं।

अमेरिका ने पीएम मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा की

विश्व में भारत से अधिक जीवंत लोकतंत्र कोई नहीं, भारत के साथ हमारा रिश्ता बेहद करीबी

एजेंसी ▸▸ वॉशिंगटन

जॉन किर्बी ने मतदान के अधिकार का प्रयोग करने के लिए भारत के लोगों की सराहना करते हुए कहा कि दुनिया में भारत से ज्यादा जीवंत लोकतंत्र नहीं है। उन्होंने कहा कि हम भारतीय लोगों की वोट देने की उनकी क्षमता और उनकी भावी सरकार में आवाज उठाने की क्षमता की सराहना करते हैं।

व्हाइट हाउस के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने मतदान के अधिकार का प्रयोग करने के लिए भारत के लोगों की सराहना करते हुए कहा कि दुनिया में भारत से ज्यादा जीवंत लोकतंत्र नहीं हैं। हम भारतीय लोगों की वोट देने की उनकी क्षमता और उनकी भावी सरकार में आवाज उठाने की क्षमता की सराहना करते हैं।

व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा संचार सलाहकार जॉन किर्बी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि निश्चित रूप से हम पूरी मतदान प्रक्रिया के दौरान उनके (भारत) अच्छे होने की कामना करते हैं। जॉन किर्बी चल रहे भारतीय चुनावों पर एक सवाल का जवाब दे रहे थे, जिसमें उन्होंने कहा कि भारत में 96 करोड़ लोग वोटिंग प्रक्रिया का हिस्सा बन रहे हैं, जो 2,660 रजिस्टर्ड पार्टियों के कैंडिडेट को चुनने वाले हैं। भारतीय हजारों उम्मीदवारों में से 545 संसद सदस्यों का चुनाव चुनाव करने के लिए दस लाख मतदान केंद्रों पर अपने मताधिकार का प्रयोग प्रशंसनीय हैं।

- *भारत-अमेरिका ने इंडो-पैसिफिक क्वाड का विस्तार किया*
- *दोनों देश नई प्रौद्योगिकियों पर मिलकर काम कर रहे*
- *दोनों देशों की सेनाएं भी कई युद्ध अभ्यास में हिस्सा ले चुकी*
- *संबंध लगातार घनिष्ठ हो रहे*

भारत, ब्रिटेन ने 'रोडमैप 2030' की समीक्षा की

नई दिल्ली। विदेश सचिव विनय क्वात्रा की दो दिवसीय लंदन यात्रा के दौरान भारत-ब्रिटेन 'रोडमैप 2030' की व्यापक समीक्षा की गई। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। दोनों पक्ष व्यापार, रक्षा और सुरक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने पर भी सहमत हुए। भारत और ब्रिटेन के बीच विदेश कार्यालय परामर्श (एफओसी) के 16वें दौर में भाग लेने के लिए विदेश सचिव ने 16 से 17 मई तक लंदन का दौरा किया। भारत और ब्रिटेन ने व्यापार एवं अर्थव्यवस्था, रक्षा और सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन के क्षेत्रों में संबंधों का विस्तार करने के लिए 2021 में 10 वर्षीय 'रोडमैप' अपनाया था। एफओसी में, विदेश सचिव ने ब्रिटेन के विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (एफसीडीओ) में स्थायी अवर सचिव सर फिलिप बार्टन के साथ बातचीत की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं और परस्पर हित के क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। मंत्रालय ने कहा कि विदेश सचिव और (ब्रिटेन के) स्थायी अवर सचिव ने रोडमैप 2030 की विस्तृत समीक्षा की।

पीएम मोदी के नेतृत्व के लिए आभारी

किर्बी ने कहा कि आपने इसे राजकीय दौरे (अंतिम दौरे) पर देखा था। हमने सभी प्रकार की नई पहलें शुरू कीं, महत्वपूर्ण नई प्रौद्योगिकियों पर एक साथ काम कर रहे हैं। हमने और इंडो-पैसिफिक क्वाड की प्रासंगिकता को बढ़ाया और विस्तारित किया, जिसका भारत एक हिस्सा है। दोनों देशों की सेनाएं भी कई युद्ध अभ्यास में हिस्सा ले चुकी हैं। यह बहुत जीवंत, बहुत सक्रिय साझेदारी है। इसके लिए हम पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व के लिए आभारी हैं।

भारत से संबंध घनिष्ठ हो रहे

जॉन किर्बी ने कहा कि भारत-अमेरिका संबंध प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तहत विशेष रूप से बाइडेन प्रशासन के पिछले तीन वर्षों के दौरान मजबूत हुए हैं। भारत के साथ हमारा रिश्ता बेहद करीबी है और लगातार घनिष्ठ होता जा रहा है। राष्ट्रपति जो बाइडेन पीएम नरेंद्र मोदी के साथ दोस्ती और गहरी करना चाहते हैं।

किर्गिस्तान के बिश्मेक में भड़की हिंसा

पाक छात्रों को पीटा, भारत ने 'अपनों' को सतर्क किया

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

मध्य एशियाई देश किर्गिस्तान के बिश्मेक में मेडिकल की पढ़ाई करने गए भारतीय और पाकिस्तानी छात्रों की जान खतरे में पड़ गई है। किर्गिस्तान से खबर आई है कि वहां स्थानीय लोगों ने तीन पाकिस्तानी छात्रों को पीट-पीटकर मार डाला। स्थानीय लोग अन्य पाकिस्तानी छात्रों को भी निशाना बना रहे हैं।

भारतीय और पाकिस्तानी दिखने में एक जैसे लगते हैं, इसलिए भारतीय छात्रों के लिए भी खतरा पैदा हो गया है। ऐसे हालात में भारतीय विदेश मंत्रालय ने किर्गिस्तान में रहने वाले भारतीय छात्रों के लिए एडवाइजरी जारी की है और उन्हें सतर्क रहने और हास्टल के बाहर नहीं जाने की सलाह दी है। भारतीय कांसुलेट ने एक्स पर कहा,हम अपने छात्रों के संपर्क में हैं। स्थिति फिलहाल शांत है, लेकिन छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे फिलहाल घर के अंदर रहें और दूतावास से संपर्क करें।

भारतीय दूतावास छात्रों के संपर्क में

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारतीय छात्रों को भारतीय दूतावास के साथ नियमित संपर्क में रहने की सलाह दी। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि बिश्केक में भारतीय छात्रों के कुशल-क्षेम पर नजर रखी जा रही है। अब स्थिति शांत बताई जा रही है। मैं छात्रों को दूतावास के नियमित संपर्क में रहने की सलाह देता हूं। भारतीय दूतावास ने कहा कि किसी भी समस्या के मामले में दूतावास से संपर्क करें। हमारा 24×7 संपर्क नंबर 0555710041 है। हम अपने छात्रों के संपर्क में हैं। स्थिति फिलहाल शांत है। लेकिन छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे घरों के अंदर ही रहें और कोई भी समस्या होने पर दूतावास से संपर्क करें।

पीएम ने दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और पूर्व पीएम एचडी देवेगौड़ा के जन्मदिन पर उन्हें बधाई दी। मोदी ने कहा कि धनखड़ हमेशा नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में काम करते हैं।

पूर्व पीएम देवेगौड़ा के जुनून की सराहना करते हुए कहा कि देश के प्रति उनकी सेवा के लिए सभी राजनीतिक वर्ग में उनका सम्मान है। कृषि और ग्रामीण विकास के प्रति उनका जुनून उल्लेखनीय है। उनके लंबे और स्वस्थ जीवन के लिए प्रार्थना करता हूं।

राजभवन में छेड़छाड़ का मामला

पुलिस ने तीन अधिकारियों के खिलाफ दर्ज की एफआईआर

एजेंसी ▸▸ कोलकाता

राज्यपाल सीवी आनंद बोस पर छेड़छाड़ का आरोप लगाने वाली महिला को कथित तौर पर गलत तरीके से रोकने के आरोप में राजभवन के तीन अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

महिला का आरोप

पुलिस अधिकारी ने बताया कि शिकायतकर्ता महिला को 2 मई को गलत तरीके से रोककर राजभवन छोड़ने से रोकने के लिए तीन अधिकारियों को एफआईआर में शामिल किया गया है। हम उस शाम उनकी भूमिका की जांच करेंगे। 2 मई को महिला ने बोस पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया था जिसके बाद कोलकाता पुलिस ने जांच शुरू की थी। संविधान के अनुच्छेद 361 के तहत, किसी राज्यपाल के खिलाफ उसके कार्यकाल के दौरान कोई आपराधिक कार्यवाही शुरू नहीं की जा सकती है।

खाद्य पदार्थों में कीटनाशकों का उपयोग

केंद्र व एफएसएसएआई से सुप्रीम कोर्ट ने मांगा जवाब

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को खाद्य फसलों और खाद्य पदार्थों पर कीटनाशकों और अन्य रासायनिक कीटनाशकों के उपयोग व अत्यधिक उपयोग के संबंध में याचिका पर नोटिस जारी किया। कोर्ट ने खाद्य पदार्थों में कृत्रिम रसायनों के अत्यधिक उपयोग को लेकर केंद्र सरकार और भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) से जवाब मांगा। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने पर्यावरणविद् और वकील आकाश वशिष्ठ द्वारा दायर याचिका में उठाए गए मुद्दों पर विचार करने के लिए सहमत हुए। याचिका में कहा गया कि कीटनाशक युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन देश भर में कैंसर और अन्य घातक बीमारियों का प्रमुख कारण बन गया है। सीजेआई ने कहा कि हम नोटिस जारी करेंगे।

भारत-ऑस्ट्रेलिया-इंडोनेशिया के बीच त्रिपक्षीय कार्यशाला आयोजित

समुद्री सुरक्षा गतिविधियों में सहभागिता तथा सहयोग बढ़ाने पर बनी सहमति

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारत-ऑस्ट्रेलिया-इंडोनेशिया त्रिपक्षीय समुद्री सुरक्षा कार्यशाला (टीएमएसडब्ल्यू) के दूसरे संस्करण का आयोजन 15 से 17 मई, 2024 तक कोच्चि में आईएनएस द्रोणाचार्य पर किया गया था। रक्षा मंत्रालय के अनुसार इस कार्यशाला का मुख्य विषय 'हिंद महासागर क्षेत्रः क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा बढ़ाने के लिए सहयोगात्मक प्रयास' पर केंद्रित था, जिसे इस समुद्री क्षेत्र में तीन समुद्री पड़ोसी देशों के बीच वर्तमान में चल रही समुद्री सुरक्षा गतिविधियों से संबंधित चुनौतियों एवं सहयोग के अवसरों पर चर्चा करने के लिए चुना गया था। यह महत्वपूर्ण कार्यशाला दक्षिणी नौसेना कमान मुख्यालय के मार्गदर्शन में आयोजित की गई थी और इसमें भाग लेने वाली तीन देशों की नौसेनाओं के प्रतिनिधियों की व्यापक भागीदारी देखी गई।

भारत और यूएई के बीच बैठक संपन्न

भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईईसी) दक्षता पैदा करने और लागत कम करने के लिए प्रभावी वैकल्पिक मार्ग प्रदान करेगा। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने खलीफा बंदरगाह, फुजैरा बंदरगाह और जेबेल अली बंदरगाह का दौरा किया। उन्होंने माल की आवाजाही सुविधाजनक बनाने के लिए संबंधित बंदरगाह अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की।

इनकी रही खास उपस्थिति

कार्यशाला की अध्यक्षता नौसेना स्टाफ के सहायक प्रमुख (एफसीआई) रियर एडमिरल निर्भय बापना ने की। आयोजन की सह-अध्यक्षता रॉयल ऑस्ट्रेलियन नेवी के कमोडोर फ्लोटिलास, कमोडोर पॉल ओ'ग्राडी, टीएनआई (एएल) से सीआईसी इंडोनेशियाई फ्लीट कमांड के संचालन के लिए सहायक एफएडीएम हेरी ट्रिविबोवो और भारतीय नौसेना के कमोडोर (विदेशी सहयोग) कमोडोर मनमीत एस खुराना द्वारा की गई।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109